दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K✌K RNI No.61546/95

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे | नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-30 अंक-303 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) शुक्रवार 17 जनवरी 2025 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव

उद्यमशीलता से भारत को एक बार फिर बनाएंगे सोने की चिड़िया : सीएम डॉ. मोहन यादव

-51 हेक्टेयर में विकसित होने वाले औद्योगिक पार्क गोहपारू का हुआ भूमि-पूजन

-18 हजार करोड़ लागत और 1600 मेगावॉट क्षमता के थर्मल प्लांट के लिये हुआ अनुबंध

भोपाल (निप्र)मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में उद्यमशीलता के माध्यम से हम भारत को एक बार फिर सोने की चिड़िया बनाएंगे। वर्ष 2014 में जब मोदी की सरकार बनी थी, भारत की अर्थव्यवस्था के समक्ष गंभीर चुनौतियां थीं। भारत विश्व की 11वीं अर्थव्यवस्था था। हमने अपनी आंतरिक शक्तियों, अनंत संभावनाओं को पहचाना और आज हम आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल करते हुए तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। मध्यप्रदेश में भी तेज गति से विकास हो रहा है। हमारा मध्यप्रदेश 9 करोड़ का परिवार है और आने वाले 5 वर्षों में हम अपनी जीडीपी को दोगुना करने वाले हैं।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उद्योगपति हमारी "सर्वे भवंतु सुखिन:" की सनातन संस्कृति को चरितार्थ करते हैं। एक योद्धा जिस प्रकार युद्ध में देश के लिए अपना सर्वस्व अर्पण कर देता है उसी प्रकार एक उद्यमी कई परिवारों का भला करता है। यदि हम सभी अपनी-अपनी भूमिका को ठीक ढंग से निभाएं तो सभी का कल्याण होगा और देश तरक्की करेगा। अपने लिए जिए तो क्या जिए, हमें सभी के कल्याण के लिए जीना है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरलता, सुगमता के साथ व्यापार, व्यवसाय हमारी औद्योगिक नीति है। राज्य में उद्योगों के अनुकूल वातावरण है। हम उद्योगों को सहकार, सहयोग और सम्मान देते हैं। राज्य में औद्योगिक श्रमिकों की कोई परेशानी नहीं है। पर्यटन, आईटी सेक्टर और रेडीमेड गारमेंट्स आदि क्षेत्रों में उद्योगों को विशेष इंसेन्टिव दिए जाते हैं। रेडीमेड गारमेंट्स में 200 प्रतिशत तक मदद दी जाती है और 10 वर्ष तक 5 हजार रूपये प्रति मजदूर इंसेन्टिव भी दिया जाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में प्रत्येक युवा को उसकी योग्यता और दक्षता के अनुरूप रोजगार मिलेगा। मध्यप्रदेश में पिछले कुछ समय में 6 रीजनल इंडस्ट्रीज कॉन्क्लेव आयोजित किये गए हैं, जिनमें 04 लाख करोड़ रुपए से अधिक का निवेश आया है, और इनसे 3 लाख लोगों को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। मध्यप्रदेश में आगामी 24 फरवरी को ग्लोबल इन्वेस्टर्स कॉन्क्लेव आयोजित की गई है। विभिन्न क्षेत्रों में निवेश की संभावनाओं को तलाशते हुए, सभी विभाग अपनी नीतियां बना रहे हैं, जो शीघ्र ही तैयार हो जाएंगी। प्रदेश में नव उद्यमिता (स्टार्ट-अप) को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने राष्ट्रीय स्टार्ट-अप दिवस की सभी को बधाई दी।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारे लिए विकास का अर्थ केवल भौतिक अधोसंरचनाओं का विकास नहीं है, हम समाज के सभी वर्गों के कल्याण के लिए कार्य कर रहे हैं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सिंगापुर के राष्ट्रपति थर्मन षणमुगरत्नम नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में आयोजित औपचारिक स्वागत समारोह के दौरान तस्वीरें खिंचवाते हुए।

इसरो ने रचा इतिहास, स्पेस में दोनों सैटेलाइट को जोड़ने में मिली सफलता; ऐसा करने वाला चौथा देश बना भारत

बेंगलुरु,(आरएनएस)। इसरो ने अपने स्पेस डॉकिंग एक्सपेरिमेंट के तहत सैटेलाइट को जोड़ने में सफलता हासिल कर ली है। स्पेस एजेंसी इस बारे में जानकारी दी है। इसरो ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर इसे ऐतिहासिक क्षण बताया। इसके साथ ही ऐसा करने वाला भारत दुनिया का चौथा देश बन गया है।इसके पहले 12 जनवरी को इसरो ने डॉकिंग के ट्रायल के दौरान दोनों सैटेलाइट को तीन मीटर से भी कम दूरी पर लाकर वापस सुरक्षित दूरी पर पहुंचा दिया था। आपको बता दें कि इसरो ने 30 दिसंबर 2024 को स्पेस डॉकिंग एक्सपेरिमेंट लॉन्च किया था।

श्रीहरिकोटा से हुई थी लॉन्चिंग

पीएसएलवी सी60 रॉकेट के मदद से दो छोटे सैटेलाइट SDX01 और SDX02 को लॉन्च किया गया था। इसे श्रीहरिकोटा के सतीश धवन स्पेस सेंटर से लॉन्च कर 475 किलोमीटर सर्कुलर ऑर्बिट में स्थापित कर दिया गया था।इसरो के अनुसार, स्पाडेक्स मिशन पीएसएलवी द्वारा लॉन्च किए गए दो छोटे अंतरिक्ष यान का उपयोग करके अंतरिक्ष में डॉकिंग के प्रदर्शन के लिए एक कॉस्ट इफेक्टिव टेक्नोलॉजी मिशन है।

अंतरिक्ष में, डॉकिंग तकनीक तब आवश्यक होती है, जब सामान्य मिशन के लिए कई रॉकेट लॉन्च की जरूरत होती है।

अभिनेता सैफ अली खान पर हमला, मुंबई के लीलावती अस्पताल में भर्ती; घर में घुसकर शख्स ने मारा चाकू

मुंबई (आरएनएस)। बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान पर बुधवार देर रात उनके ही घर में चाकू से हमला किया गया। इसके बाद उन्हें मुंबई के लीलावती अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने बताया कि घटना आधी रात को अभिनेता के बांद्रा स्थित घर पर हुई। घटना की सूचना मिलने के बाद बांद्रा पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।जानकारी के मुताबिक, एक अज्ञात शख्स सैफ के घर में घुसा। दोनों के बीच हाथापाई हुई। घटना के समय अभिनेता के कुछ पारिवार के अन्य सदस्य भी घर में मौजूद थे।

सैफ पर हमला करने वाले का चेहरा आया सामने, सीसीटीवी फुटेज में सीढ़ियों से उतरता दिखा

मुंबई (आरएनएस)। बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान पर उनके मुंबई स्थित आवास पर चाकू से हुए हमले के मामले में आरोपी की पहली तस्वीर सामने आ गई है। पुलिस को मिले सीसीटीवी फुटेज में आरोपी का चेहरा साफ नजर आ रहा है। वह गुरुवार तड़के 2:33 बजे बिल्डिंग की सीढ़ियों से उतरता दिख रहा है। आरोपी शक्ल से ज्यादा उम्र का नहीं लग रहा है।पुलिस के हाथ लगे फुटेज में आरोपी बिल्डिंग की सीढ़ियों से उतरता नजर आ रहा है। पुलिस उसकी पहचान करने और उसे गिरफ्तार की कोशिश में जुटी है।पुलिस ने बताया कि हमलावर चोरी के इरादे से घर में घुसा था। वह फायर एग्जिट की सीढ़ियों का इस्तेमाल करते हुए घर में दाखिल हुआ था। आरोपी फिलहाल फरार है।

राहुल गांधी मानसिक दिवालिया हो गए हैं : शिवराज सिंह चौहान

भोपाल (आरएनएस)। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरुवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर बड़ा हमला बोला। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी मानसिक दिवालिया हो गए हैं।शिवराज सिंह चौहान ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, राहुल गांधी मानसिक दिवालिया हो गए हैं, उनकी मानसिक आयु शून्य है। राहुल गांधी हम भारत माता के लिए प्राण न्योछावर कर सकते हैं और आपको इस विचार से ही नफरत है। आप भारत और भारतीयता को कभी समझ नहीं पाएंगे।ज्ञात हो कि आरएसएस के सरसंघचालक मोहन भागवत ने बीते दिनों कहा था कि राम मंदिर बनने के बाद भारत को सच्ची स्वतंत्रता मिली थी। इस पर राहुल गांधी ने कहा था कि मोहन भागवत ने जो कहा है वह राजद्रोह के समान है, क्योंकि उनका मतलब है कि अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई अवैध है, संविधान अवैध है। किसी दूसरे देश में तो अब तक उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाता और उन पर मुकदमा चलाया जाता।राहुल गांधी के बयान पर भाजपा नेता हमलावर हैं। भाजपा नेता कैलाश विजयवर्गीय ने मोहन भागवत और आरएसएस को लेकर राहुल गांधी द्वारा दिए गए बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि वास्तव में राहुल गांधी को गिरफ्तार किया जाना चाहिए, जो विदेशों में जाकर देश की बुराई करते हैं। मेरा ख्याल है कि उनकी मोहन भागवत के बारे कोई टिप्पणी करने की औकात नहीं है।

तिब्बत में आए भूकंप के बाद से डोल रही धरती, विशेषज्ञों को बड़े संकट की आशंका

सिक्किम से 150 किलोमीटर दूर भूकंप ने बढ़ा दी भारत की चिंता

नई दिल्ली (ए)। 7 जनवरी को आए भूकंप के बाद से तिब्बत क्षेत्र की धरती थमी नहीं है। 14 जनवरी को भी 3.6 तीव्रता का भूकंप आया और इसके पहले 13 जनवरी को आठ बार धरती डोली थी। 7 जनवरी के भूकंप के बाद से अब तक इस क्षेत्र में 3,614 से अधिक छोटे और बड़े भूकंप के झटके महसूस हुए हैं। चीन-नेपाल सीमा पर स्थित तिब्बत क्षेत्र इन दिनों लगातार भूकंप के झटकों से कांप रहा है। 7 जनवरी को शिजांग इलाके में आए 7.1 तीव्रता के भूकंप ने क्षेत्र में भारी तबाही मचा दी थी, इसमें 126 लोगों की जानें गई थी और 188 अन्य घायल हो गए थे। हालांकि, यह भूकंप एक बार नहीं, बल्कि उसी दिन के बाद से यहां धरती लगातार डोल रही है। यह घटनाक्रम इलाके में एक भयंकर संकट का संकेत दे रहा है।7 जनवरी के भूकंप के बाद से अब तक 3,614 से अधिक छोटे और बड़े भूकंप के झटके महसूस हुए हैं। हालांकि, इसमें से अधिकतर की तीव्रता 3 या उससे कम रही है, लेकिन 8 जनवरी को एक दिन में 50 से अधिक झटके महसूस किए गए, जिससे इलाके के लोग काफी परेशान हो गए हैं।

मोदी सरकार ने कर दी मनमोहन सिंह के स्मृति स्थल के निर्माण की घोषणा

नई दिल्ली, (ए)। देश के पूर्व पीएम मनमोहन सिंह की निधन के बाद से ही अंतिम संस्कार से लेकर स्मारक तक विवादों में रहा है। कांग्रेस पूर्व पीएम के निधन पर केंद्र सरकार को घेरती रही है। अब केंद्र सरकार ने कांग्रेस को झटका देते हुए पूर्व पीएम मनमोहन सिंह के स्मृति स्थल के निर्माण की घोषणा कर दी है। केंद्र सरकार ने मनमोहन सिंह के स्मारक के लिए 1.5 एकड़ जमीन चिह्नित की है। डॉ सिंह का स्मारक दिल्ली के राष्ट्रीय स्मृति परिसर में बनाया जाएगा। जहां पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के लिए समाधि स्थल बनाया जा रहा है। डॉ मनमोहन सिंह के स्मारक के लिए आवास और शहरी मामलों ने चिह्नित जगह की जानकारी दी है।

दिल्ली चुनाव में आप को समर्थन का मतलब कांग्रेस का विरोध नहीं : अखिलेश यादव

लखनऊ (आरएनएस)। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने गुरुवार को लखनऊ में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी का दिल्ली में आप को समर्थन का मतलब यह नहीं है कि हम कांग्रेस के विरोध में खड़े हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी चुनावी लड़ाई में नजर आ रही है। इंडिया गठबंधन में पहले भी इस मुद्दे पर चर्चा हो चुकी है कि जो क्षेत्रीय दल जहां मजबूत होगा, वहां उसको समर्थन दिया जाएगा। अखिलेश यादव ने अभिनेता सैफ अली खान पर हुए हमले की निंदा करते हुए कहा कि हमें उम्मीद है कि सैफ अली खान जल्द स्वस्थ हो जाएंगे। इसके पीछे क्या कारण है और किस कारण से यह हुआ, ये जांच का विषय है। मिल्कीपुर उपचुनाव को लेकर अखिलेश यादव ने कहा कि वहां हमारा प्रत्याशी पीडीए का प्रतिनिधि है।

केंद्रीय कर्मचारियों के लिए बड़ी खुशखबरी- मोदी सरकार ने दी 8वें वेतन आयोग को मंजूरी

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले मोदी सरकार ने केंद्रीय कर्मचारियों को बड़ा तोहफा दिया है। मंत्रिमंडल ने गुरुवार को आठवें वेतन आयोग के गठन को मंजूरी प्रदान कर दी। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट के फैसलों की जानकारी साझा करते हुए कहा, प्रधानमंत्री ने केंद्र सरकार के सभी कर्मचारियों के लिए आठवें केंद्रीय वेतन आयोग के गठन को मंजूरी दे दी है। यह निर्णय सरकारी कर्मचारियों के लिए लाभ सुनिश्चित करने के मद्देनजर लिया गया है।आयोग के अध्यक्ष और दो सदस्यों की नियुक्ति जल्द ही की जाएगी। सातवें वेतन आयोग की सिफारिशें 2016 में लागू की गई

थीं, लेकिन इसका कार्यकाल 2026 में समाप्त हो रहा है। हालांकि आठवें वेतन आयोग की सिफारिशें सातवें वेतन आयोग का कार्यकाल पूरा होने से पहले ही प्राप्त होने की उम्मीद है, जिसके लिए 2025 तक पर्याप्त समय दिया गया है। आठवें वेतन आयोग की सिफारिशें 2026 तक लागू होने की उम्मीद है। केंद्र सरकार के इस फैसले के बाद से देशभर के लाखों सरकारी कर्मचारियों और पेंशनधारियों को लाभ मिलेगा। केंद्रीय कर्मचारियों के संगठन लंबे समय से आठवें वेतन आयोग के गठन की मांग कर रहे थे। ये संगठन सरकार पर लगातार दबाव बना रहे थे। ताकि कर्मचारियों के वेतन संबंधी मुद्दों का समाधान हो सके। कई बार कर्मचारी यूनियनों ने केंद्र सरकार से इस विषय में स्थिति स्पष्ट करने की मांग भी की थी। रिपोर्ट्स के अनुसार, आठवें वेतन आयोग में न्यूनतम आधार वेतन को बढ़ाकर 34,650 रुपये किया जा सकता है, जो कि सातवें वेतन आयोग में 18,000 रुपये है।

प्रेम प्रसंग में दो बहनों का अपहरण, कर्नाटक से बरामद कर लाई गई रांची, पांच गिरफ्तार

रांची ,(आरएनएस)। रांची के हिंदपीढ़ी की रहने वाली दो बहनों की कर्नाटक से सकुशल बरामदगी के साथ उनके अपहरण के आरोप में पांच युवकों को गिरफ्तार किया गया है। बेहद शातिराना तरीके से अंजाम दी गई इस घटना के पीछे प्रेम प्रसंग की कहानी सामने आई है। 11 जनवरी को दोनों युवतियों के अपहरण की एफआईआर दर्ज होने के बाद से रांची में हंगामा मचा हुआ था।रांची के एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में मामले का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि इस घटना का मुख्य अभियुक्त कर्नाटक के रायचूर का रहने वाला मो. इस्माइल है, जिसका हिंदपीढ़ी की रहने वाली रहनुमा परवीन के साथ प्रेम प्रसंग था। इस्माइल के बहकावे में आकर रहनुमा परवीन और उसकी छोटी बहन भी पूरे प्लान में सहभागी बन गई थी। इसी प्लान के तहत छोटी बहन ने अपने पिता को फोन कर बताया था एक ऑटो वाला उन्हें जबरदस्ती कहीं ले जा रहा है और उनके मोबाइल एवं पर्स छीन लिए हैं। इतनी बात कहने के बाद दोनों लड़कियों का फोन स्विच ऑफ हो गया। तफ्तीश में यह बात सामने आई है कि घरवालों के साथ पुलिस को गुमराह करने के लिए यह फोन कॉल कराया गया था।

गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के नाम पर मंत्री को दी थी धमकी, आरोपी गिरफ्तार; 30 लाख की मांगी थी रंगदारी

पटना (आरएनएस)। बिहार पुलिस ने उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जिले से एक शख्स को गिरफ्तार किया है, जिसने राज्य के श्रम संसाधन मंत्री संतोष कुमार सिंह को गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के नाम पर धमकी दी थी। उसने मंत्री से 30 लाख रुपये की रंगदारी मांगी थी, नहीं तो बाबा सिद्दीकी जैसा हाल करने की धमकी दी थी। पुलिस ने आरोपी के पास से मोबाइल फोन भी बरामद किया है।

मंत्री संतोष कुमार सिंह ने मंगलवार को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने आरोप लगाया कि एक व्यक्ति ने खुद को गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई बताकर फोन किया और उन्हें जान से मारने की धमकी दी। साथ ही, उसने 30 लाख रुपये की रंगदारी भी मांगी। मंत्री ने इस घटना के बारे में बिहार के पुलिस महानिदेशक को भी सूचित किया था।

संतों की आपत्तिः पेशवाई रथ पर सवार कैसे हो गई वायरल सुंदरी हर्षा रिछारिया

प्रयागराज(ए)। पेशवाई रथ पर सवार होकर वायरल हुई सुंदरी हर्षा रिछारिया को लेकर संत समाज ने घोर आपत्ति जताई है। उनका कहना है कि कुंभ अखाड़ों को मॉडल दिखाने के लिए आयोजित नहीं है, यह कुंभ जप, तप और ज्ञान की गंगा के लिए है। इसलिए इस कुकृत्य पर आप कार्रवाई कीजिए। निरंजनी अखाड़े के छावनी प्रवेश के दौरान एक रथ पर संतों के साथ कथित तौर पर एंकर हर्षा रिछारिया के बैठने को लेकर विवाद पैदा हो गया। काली सेना के प्रमुख स्वामी आनंद स्वरूप ने इस पर आपत्ति जताई है।उन्होंने फेसबुक पर लिखा है, महाकुंभ मेले में निरंजनी अखाड़े के छावनी में अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी जी महाराज से भोजन प्रसाद पर चर्चा हुई। मैंने कहा कि यह कुंभ अखाड़ों को मॉडल दिखाने के लिए नहीं आयोजित

है, यह कुंभ जप, तप और ज्ञान की गंगा के लिए है। इसलिए इस कुकृत्य पर आप कार्रवाई कीजिए। एक अन्य पोस्ट में उन्होंने कहा, महाकुंभ जैसे पवित्र और दिव्य आयोजन में धर्म, संस्कृति और परंपरा की रक्षा हमारा सर्वोच्च कर्तव्य है। भगवा वस्त्र, जो त्याग, तपस्या और सनातन धर्म की परम मर्यादा का प्रतीक है, उसका सम्मान हर सनातनी का धर्म है।

उन्होंने कहा, भगवा धारण करना मात्र वस्त्र धारण करना नहीं, बल्कि यह आत्मिक शुद्धि, संयम और धर्म के प्रति अटूट समर्पण का प्रतीक है। आज जब कुछ लोग इन पवित्र परंपराओं की मर्यादा को भंग करने का प्रयास करते हैं, तो यह हम सबकी जिम्मेदारी है कि इन अनादि परंपराओं की रक्षा के लिए एकजुट हों। संत ने लिखा, सनातन धर्म केवल आस्था का विषय नहीं, यह एक जीवन दर्शन है जो सत्य, धर्म और मोक्ष की ओर ले जाने का मार्ग प्रशस्त करता है।

विविध-समाचार

विदिशा के सांसद शिवराज सिंह की नगर निगम बनाने की मांग पर मुख्यंत्री डॉ. यादव ने लगाई मुहर

भोपाल, (आरएनएस)। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामणी के अंतर्गत प्रदेश में इस साल 14 लाख पक्के मकान बनेंगे। यह जानकारी केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने उनके संसदीय क्षेत्र विदिशा में आयोजित कार्यक्रम के दौरान दी। पहले चरण में 8.21 लाख परिवारों को पक्के आवासों की सौगात दी गई। वहीं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने क्षेत्रीय सांसद शिवराज सिंह चौहान ने विदिशा को नगर निगम बनाने की मांग की, जिस पर मुख्यमंत्री ने मुहर लगा दी। विदिशा में बुधवार को 177.53 करोड़ के विकास कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण किया गया। यहां गरीब परिवारों को आवंटन पत्र प्रदान किए गए तथा पीएम आवास योजना ग्रामीण के नवीन लक्ष्य का आवंटन भी हुआ। सिंगल क्लिक से 3932 आवासों का गृह प्रवेशम् कराया गया। साथ ही 44891 लखपति दीदीयों को प्रमाण पत्र दिए गए।

महू के बाद टंट्या मामला की जन्म स्थली जा सकते हैं राहुल

भोपाल, (आरएनएस)। डॉ. अम्बेडकर की जन्मस्थली महू में कांग्रेस की होने जा रही अभियान रैली को सफ्ल बनाने के लिए प्रदेश के कांग्रेस नेता तैयारियों में जुटे हैं। संगठन ने कार्यक्रम में एक लाख लोगों के पहुंचने का टारगेट को इंदौर, धार, खंडवाा और खरगोन जिले से ही पूरा करने का प्लान है। इसलिए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, हनी सिंह बघेल के अलावा अरुण यादव, सचिन यादव और अन्य वरिष्ठ नेताओं को ज्यादा मेहनत करना पड़ रही है। बुंदेलखंड, बघेलखंड और ग्वालियर-चंबल के इलाके दूर होने से इन क्षेत्रों के कार्यकर्ताओं की कम उपस्थिति रहेगी। महू संविधान अभियान रैली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और सांसद प्रियंका गांधी के शामिल होने की संभावना है। पार्टी सूत्रों के अनुसार राहुल गांधी सहित अन्य नेता महू कार्यक्रम के बाद टंट्या मामा की जन्मस्थली भी जा सकते हैं।

सांची के कर्मचारियों को अमूल के भरोसे न छोड़ें

भोपाल,(आरएनएस)। अगले पांच साल नेशनल डेयरी बोर्ड, सांची दुग्ध संघ का संचालन करेगा। इस ब्रांड का नए सिरे से मेकओवर करने पर 1500 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। इस फैसले को लेकर कर्मचारियों के हितों को संरक्षित रखने के लिए पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखा है। दिग्विजय सिंह ने पत्र मं लिखा कि सांची दुग्ध संघ के कर्मचारियों को अमूल पर आश्रित बनाकर न छोड़ा जाए। दूध सप्लायर्स का पत्र सीएम को भेजा दिध्वगयज सिंह ने सांची दुग्ध संध को दूध सप्लाई करने वाले दुग्ध प्रदायकों को पत्र भेजते हुए लिखा-मुझे यह बताया गया है कि मध्यप्रदेश सरकार द्वारा सांची दुग्ध संघ भोपाल को एनडीडीबी (नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड) को सुधार हेतु सौंपा जा रहा है। आवेदकों ने मप्र शासन से दुग्ध संघ से जुड़े किसानों एवं कर्मचारियों के हितों के सुझाव संरक्षित रखे जाने का निवेदन कियाा है।

बीएनएस को लेकर मुख्यमंत्रियों के साथ केंद्र की बैठक 17 को

भोपाल, (आरएनएस)। देश भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) लागू होने के बाद से आ रही व्यवहारिक कठिनाईयों को लेकर केंद्रीय गृह मंत्रालय सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ 17 जनवरी को बैठक करेगा। इसमें मुख्यमंत्री मोहन यादव प्रेजेंटेशन देंगे। इसमें सबसे बड़ी समस्या राज्य के सामने लागू करने में बजट को लेकर आ रही है। संहिता में कहा गया है कि पुलिस में चल रहे मामलों को पेन ड्राइव उपलब्ध कराए जाने की व्यवस्था की गई है। अगर, विभिन्न अदालतों, पक्षकारों और विभागों को एक-एक पेन ड्राइव उलपब्ध कराया जाएगा तो इसमें राज्य को अरबों रुपए बजट की जरूरत होगी।

अब जेपी अस्पताल में कम दरों पर हो सकेगी मरीजों की एमआरआई जांच

भोपाल, (आरएनएस)। जेपी अस्पताल में मरीजों को कम रेट पर एमआरआई (मैग्नेटिक रेजोनेंस इमेजिंग) जांच की सुविधा की आपचारिक शुरुआत कर दी गई। डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ला ने गत दिवस इसका शुभारंभ किया। हालांकि, सुविधा को शुरु हुए पांच दिन बीत चुके हैं। हर रोज दस से 12 मरीजों को एमआरआई स्कैनिंग की सुविधा मिलेगा। शुभारंभ अवसर पर डिप्टी सीएम के साथ अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। मालूम हा कि अस्पताल में 1.5 टेस्ला एमआरआई मशीन लगाई गई है। यहां सीजीएचएस (केंद्र की तस दरों) से भी कम दरों पर जांच होगी। स्वास्थ्य विभाग ने पीपीटी के तहत कृष्णा डायेग्नोस्टिक्स लिमिटेड के जरिए यह सुविधा उपलब्ध करवाई है।

भाजपा विधायक सहित अन्य से हाईकोर्ट ने मांगा जवाब

भोपाल (आरएनएस)। मप्र हाईकोर्ट ने भाजपा बांधवगढ़ से भाजपा विधायक शिवनारायण ज्ञान सिंह को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। दरअसल मामले में आरोप है कि विधायक ने जनपद पंचायत के काम में बेवह अड़ंगा लगा रखा है। जस्टिस विवेक अग्रवाल की एकलपीठ ने मामले की अगली सुनवाई 24 जनवरी को निर्धारित की है। यह मामला जनपद पंचायत करकेली की अध्यख प्रियंका सिंह बघेल की ओर से दायर किया गया है। इसमें आरोप है कि वर्ष 2022-23 में जारी बजट के परिप्रेक्ष्य में जनपद पंचायत द्वारा विकास कार्यों की योजना बनाई गई। इसके बाद सभी अनुमतियां लेने के बाद जनपद पंचायत में वर्क ऑर्डर जारी किया ओर निर्माण सामग्री भी बुला ली। आरोप है कि स्थानीय विधायक के दखल के कारण उक्त सभी विकास कार्यों पर रोक लगा दी गई।

विक्रमोत्सव उज्जैन में वाहन खरीदी पर मिलेगी रोडटैक्स में छूट

भोपाल, (आरएनएस)। ग्वालियर के बाद अब उज्जैन के व्यापार मेले में वाहन खारीदी पर पचास फीसदी रोड टैक्स पर सरकार छूट देगी। इस पर गत दिवस मोहन कैबिनेट ने मोहर लगा दी। सीएम डॉ. मोहन यादव ने मंत्रियों को बताया कि ग्वालियर मेला और विक्रमोत्सव उज्जैन में मोटरयान करों में छूट के आदेश जारी कर दिए गए हैं। मंत्रालय में हुई बैठक में कई अहम फैसले लिए गए। इसी तरह मंत्रिपरिषद में प्रत्येक जिलों में बैड स्थापित करने के प्रस्ताव पर भी सहमति प्रदान कर दी। उल्लेखनीय है कि सीएम ने हर जिले में बैड शुरु करने का ऐलान किया था। इसके लिए 932 पद भी स्वीकृत किए गए हैं।

अहमदपुर नर्सरी में बीज से बनाए जा रहे पौधे, 15 जून के बाद होगा रोपण, पांच लाख से ज्यादा पौधे लगाने का लक्ष्य

भोपाल,(आरएनएस)। रातापानी को टाइगर रिजर्व का दर्जा मिलने के बाद वन विभाग ने यहां के बफर एरिया सहित समस्त क्षेत्र को विकसित करने के लिए कमर कस ली है। वन विभाग द्वारा बपुर एरिया में इस साल जून से सितंबर के दोरान पांच लाख से ज्यादा पौधे लगाने का लक्ष्य है। इन पौधों में औषधीय महत्व के पौधों के साथ इमारती लकड़ी के पौधे भी शामिल हैं, जिन्हें विभिन्न स्थलों पर रोपित किया जाएगा। पौधे लगाने के बाद भोपाल, सीहोर, रायसेन और रातापानी टाइगर रिजर्व की वन संपदा में भी बढ़ोतरी होगी। बता दें कि अहमदपुर स्थित नर्सरी में रोपण के लिए बीज से पौधों को तैयार किया गया है।

ख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मुख्यमंत्री निवास की गौशाला में गौ-पूजन कर गौ माता को गुड़-रोटी खिलाई।

रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव शहडोल में पहुंची उमरिया जिले की स्व-सहायता समूह की महिलाएं

समूह की महिलाओं की कहानी उनकी जुबानी सरकार की सहायता मिलने से समूह की महिलाएं बेहद खुश

भोपाल,(आरएनएस)। रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव शहडोल में उमरिया जिले के बांधवगढ़ कृषि वनोपज उत्पादक कंपनी लिमिटेड करकेली ब्लॉक के ग्राम चंदवार की महिलाएं महुआ के लड्डू बनाकर बेच रहीं है और अच्छी आय अर्जित कर रही है। समूह की अध्यक्ष पूनम तिवारी बताती है कि महुआ के लड्डू की बहुत डिमान्ड है और यह स्वास्थ्य वर्धक भी है। ठंड के दिनो में लोग इन लड्डुओं उपयोग करते है और यह प्राकृतिक तरीके से तैयार किये जाते है। समूह की अध्यक्ष पूनम तिवारी ने बताया कि महुआ के आटे को भूंजकर इसमें तिलि, काजू, बादाम, मूंगफली और खजूर के पाऊडर का उपयोग किया जाता है। उन्होंने बताया समूह की महिलाएं इस कार्य में अच्छी आय होने से बेहद खुश है और सरकार को धन्यवाद दे रही है।समूह की अध्यक्ष पूनम तिवारी कहती है हमारी समूह की दीदीयां बिरसा मुण्डा संकुल की ग्राम कौहका की 15 दीदी उड़द दाल की बड़ी का उत्पादन कर रही है, वे कहती है कि अभी तक हमने 50 किलो का यहां पर लड्डू और इतनी ही मात्रा में बड़ी का विक्रय किया है। हम लोग एफपीओ से जुड़कर 200 दीदियां पशुपालन से दूध और उससे बने उत्पाद से जुड़ने की तैयारी में है, हमें आजीविका मिशन का भरपूर सहयोग मिल रहा है। वे सरकार की नितियों और मिलने वाली सहायता से बेहद उत्साहित भी है।

अब पशुपालन से दूध और उससे बने उत्पाद से जुड़ने की तैयारी में

इंवेस्टर समिट में भाग लेने भोपाल आ सकते हैं पीएम

भोपाल,(आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 24-25 फरवरी को भोपाल में आयोजित होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर समिट में भाग लेने के लिए राजधानी आ सकते हैं। गत दिवस कलेक्ट्रट सभागृह में समिट की तैयारियों को लेकर बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह, एडीएम सिद्धार्थ जैन ने कार्यक्रम की रूपरेखा पर चर्चा की और पीएम की सुरक्षा को लेकर पुलिस से चर्चा की। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सभी कार्य समय से पहले पूरे कर लिए जाएं। बता दें भोपाल के इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्राहलय मं 24 से 25 फरवरी तक ग्लोबल इन्वेस्टर समिट प्रस्तावित है। इसमें जापान भी कंट्री पार्टनर के रूप में हिस्सा लेने जा रहा है। साथ ही प्रदश में निवेश के लिए देश-विदेश के नामचीन उद्योगपति शामिल होंगे। इसकी तैयारियों में जिला प्रशासन जुट गया है। कलेक्ट्रेट में हुई बैठक में नगर निगम ओर पीडब्ल्यूडी की सडक़ों की मरम्मत स्वच्छता और सौंदर्यीकरण आदि का जिम्मा सौंपा गया है। जबकि एमपीटी विद्युत विभाग सहित अन्य विभागों को भी इसकी जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। बैठक में समस्त विभागों के अधिकारी शामिल हुए।

महेश्वर से हो सकती है धार्मिक नगरों में शराब दुकान बंद की घोषणा

भोपाल,(आरएनएस)। प्रदेश के धार्मिक नगरी में सरकार आगामी वित्तीय वर्ष यानी अप्रैल 2025 से शराब दुकानें बंद करेगी। यह प्राविधान नई आबकारी नीति में किया जा रहा है। सरकार अपने इस कदम की घोषणा 24 जनवरी को महेश्वर में होने वाली कैबिनेट बैठक में कर सकती है। महेश्वर भी धार्मिक नगरी ह और यहां भी शराब दुकानें नगरीय सीमा में बंद होंगी। कैबिनेट बैठक से पहले हुई बैठक में मंत्रियों ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के इस निर्णय का स्वागत किया। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटैल ने कहा कि धार्मिक नगरों में शराब दुकानें बंद करने का निर्णय प्रशंसनीय है। हम सनातनवंशी और नर्मदांचलवासी हैं। इसका स्वागत करते हैं। वहीं, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने भी इस कदम को समाज हित में बता दें, साधु-संतों ने मुख्यमंत्री से धार्मिक नगरी में शराब दुकानें बंद करने की मांग की थी, जिस पर पिछले दिनों नीति में प्राविधान करने की बात कही।

राष्ट्रीय पशुधन मिशन में मध्यप्रदेश बना "बैस्ट परफोर्मिंग स्टेट"

पशुपालन मंत्री श्री पटेल ने दी बधाई

भोपाल (ए.)। केन्द्र सरकार द्वारा राष्ट्रीय पशुधन मिशन के अंतर्गत उद्यमिता विकास कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के पशुपालन एवं डेयरी विभाग को उत्कृष्ट कार्य के लिए बैस्ट परफॉर्मिंग स्टेट का पुरस्कार प्रदान किया गया है। पशुपालन एवं डेयरी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) लखन पटेल ने इस उपलब्धि के लिए सभी संबंधितों को बधाई दी और आशा व्यक्ति की है कि भविष्य में भी योजनाओं के क्रियान्वयन में मध्यप्रदेश अव्वल रहेगा।केन्द्रीय पशुपालन एवं डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह ने पुणे (महाराष्ट्र) में आयोजित एक दिवसीय उद्यमिता विकास कॉन्क्लेव में यह पुरस्कार मध्यप्रदेश के दल को प्रदान किया। प्रदेश से योजना के नोडल अधिकारी डॉ. भगवान मधनानी, डॉ. शिवदत्त श्रीवास्तव और डॉ. प्रखर भार्गव, उप संचालक ने पुरस्कार प्राप्त किया। केन्द्रीय सचिव, पशुपालन एवं डेयरी श्रीमती अल्का उपाध्याय, पशुपालन आयुक्त डॉ अभीजीत मिश्रा तथा डॉ. पी.एस. पटेल संचालक पशुपालन एवं डेयरी द्वारा भी इस उपलब्धि के लिए प्रदेश के अधिकारियों को बधाई दी गई है। राष्ट्रीय पशुधन मिशन उद्यमिता विकास कार्यक्रम अंतर्गत मध्यप्रदेश में अभी तक 4800 से अधिक आवेदन ऑनलाइन प्राप्त हो चुके हैं, जिनमें से 530 प्रकरणों में राशि 387.23 करोड़ रूपये बैंकों से स्वीकृत होकर केन्द्र सरकार द्वारा 450 प्रकरणों में 155.36 करोड़ रूपये स्वीकृत किये जा चुके हैं।

फिटजी कोचिंग पर कार्रवाई से असंतुष्ट अभिभावकों ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

भोपाल,(आरएनएस)। एमपीनगर थाना पुलिस द्वारा फिटजी कोचिंग संचालकों पर एफ्आइआर दर्ज की गई थी। लेकिन इस कार्रवाई से छात्रों के अभिभावक असंतुष्ट हैं। इससे परेशान अभिभावकों ने कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह को ज्ञापन देते हुए सख्त कार्रवाई की मांग की है। अभिभावकों ने गत दिवस मांग की थी कि पुलिस ने एफ्आईआर दर्ज कर ली है लेकिन हमको अभी तक न्याय नहीं मिला है। फिटजी क संचालकों पर कार्रवाई करते हुए उनका पैसा वापस दिलाया जाए और कोचिंग संस्थान का गुमाश्ता लाइसेंस निरस्त किया जाए। अभिभावकों ने कलेक्टर को बताया कि फिटजी संस्था के एमडी डीके गोपाल, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी मनीष आनंद, मुख्य वित्तीय अधिकारी राजीव बब्बर और स्थानीय हेड सुमित श्रीवास्तव द्वारा पहले फीस लेकर प्रवेश दिया गया है।

वन विहार राष्ट्रीय उद्यान-जू में मैं भी बाघ और हम हैं बदलाव थीम पर अनुभूति कार्यक्रम

भोपाल(आरएनएस)। वन विभाग द्वारा स्कूली विद्यार्थियों को वन, वन्य-जीव एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने के लिये गुरुवार को अनुभूति कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश ईको पर्यटन विकास बोर्ड के समन्वय से मैं भी बाघ'' और हम हैं बदलाव'' थीम पर शिविर आयोजित हुआ। इसमें शासकीय नवीन कन्या विद्यालय, तुलसी नगर, भोपाल की 99 छात्राओं, 3 शिक्षक-शिक्षिकाओं ने सहभागिता की।शिविर में शामिल हुई छात्राओं को अनुभूति बुक, अनुभूति बैग, कैप, ब्रोशर दिये गये। जलीय पक्षी, स्थलीय पक्षी, तितली प्रजाति और गिद्ध कुंजी के ब्रोशर भी दिये गये। छात्राओं को मास्टर ट्रेनर एवं नवीन प्रेरकों द्वारा पक्षी दर्शन, वन्य-जीव दर्शन, प्रकृति पथ-भ्रमण और वानिकीय गतिविधियों के साथ फूड चैन की जानकारी दी गयी। छात्राओं ने फूड बैग, फूड चैन जैसे खेलों से वन, वन्य-जीव और पर्यावरण से संबंधित रोचक गतिविधियों से अवगत कराया। शिविर में छात्राओं को बाघ पर आधारित फिल्म दिखायी गयी। फिल्म के माध्यम से बताया गया कि बाघ हमारे जीवन में कितने महत्वपूर्ण हैं। शिविर में छात्राओं को वन विहार में उपलब्ध रेस्क्यू वाहन के माध्यम से रेस्क्यू टीम द्वारा वन्य-जीवों को रेस्क्यू करने की प्रक्रिया से अवगत कराया गया। अनुभूति कार्यक्रम के ट्रेनर के रूप में सेवानिवृत्त उप वन संरक्षक डॉ. एस.आर. वाघमारे और वन विहार के बॉयोलॉजिस्ट विजय बाबू नंदवंशी ने छात्राओं को वन एवं वन्य-जीव के बारे में विस्तृत जानकारी दी। अनुभूति कार्यक्रम में शामिल छात्राओं को पर्यावरण संरक्षण के प्रति शपथ दिलायी गयी। पुरस्कार तथा प्रमाण-पत्र प्रदान किये गये। जनवरी माह में ही 23 तारीख को अगला अनुभूति'' कार्यक्रम आयोजित होगा।

अब प्रदेश में ओबीसी प्रदेश अध्यक्ष बनने की चर्चा का दौर जारी

भोपाल(आरएनएस)। भाजपा सूत्रों के अनुसार कुछ दिन पहले चच्रा चली थी कि मप्र भाजपा अध्यक्ष भी ओबीसी वर्ग स`ही बनाया जा सकता है, तब राज्यसभा सदस्य कविता पाटीदार का नाम चर्चा में आया था। नेताओं के अनुसार पाटीदार के चयन से महिला प्रदेश अध्यक्ष का भी कोटा भी पूरा हो जाता और ओबीसी वर्ग का भी लाभ मिला। लेकिन कुछ बड़े नेताओं का मानना है कि ओबीसी मुख्यमंत्री होने के कारण सामान्य वर्ग का अध्यक्ष बनाए जाने की संभावना अधिक है। अगर इस वर्ग की बात करें तो हेमंत खंडेलवाल का नाम संगठन के कुछ लोगों द्वारा आगे बढ़ाया गया है। ये लंबे समय से संगठन में काम कर रहे हैं। इधर, क्षत्रिय वर्ग से चयन की बात आई तो पूर्व मंत्री अरविंद भदौरिया और बृजेंद्र प्रताप सिंह के नाम केंद्रीय नेतृत्व तक पहुंचाए गए हैं। भदौरिया का मूल रूप से संगठन क्षमता वाला नेता माना जाता है। पहले पार्टी ने उन्हें प्रदेश सदस्यता प्रभारी की जिम्मेदारी भी सौंपी गई थी। ब्राह्मण वर्ग से चयन की बात आई तो डॉ. नरोत्तम मिश्रा को प्रबल दावेदार माना जा रहा है। मिश्रा को कई बड़े नेताओं का भी समर्थन प्राप्त है। इसी कड़ी में भाजपा आदिवासी नेतृत्व पर भी विचार कर रही है। इस वर्ग आदिवासी मोर्चा के अध्यक्ष रहे गजेंद्र सिंह पटैल और फगन सिंह कुलस्ते को मोदी कैबिनेट में मंत्री नहीं बनाया गया है। इसीलिए संभावना है कि मप्र में अध्यक्ष बनाकर उनको समायोजित किया जा सकता है। वहीं, गजेंद्र सिंह के साथ अच्छा पक्ष यह है कि वह मालवांचल का प्रतिनिधित्व करते हैं, जहां आदिवासी सीट ज्यादा है और चुनौतियां भी अधिक हैं। प्रदेश में आदिवासी वर्ग की भूमिका सरकार बनाने में अहम होती है। यह वर्ग 2018 से भाजपा के साथ पूरी तरह नहीं है। झारखंड के आदिवासी वर्ग ने भी भाजपा का साथ नहीं दिया।

मौजूदा प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा के कार्यकाल को पांच वर्ष पूर्ण हो रहे हैं। उनके नेतृत्व में प्रदेश भाजपा को विधानसभा चुनाव में बड़ी सफ्लता मिली और लोकसभा चुनाव में भी पहली बार सभी 29 सीटों पर विजय हासिल हुई। आज जब भाजपा प्रदेशाध्यक्ष बनाने के लिए ओबीसी वर्ग का सहारा ले रही है जबकि इस प्रदेश में दो बार आदिवासी समाज के नेता फगन सिंह कुलस्ते दो बार प्रदेशाध्यक्ष बनने के लिए उत्साहित रही लेकिन हर बार भाजपा की गुटबाजी ने उन्हें प्रदेश अध्यक्ष नहीं बनने दिया। आज भी वह प्रदेशाध्यक्ष बनने का सपना संजोए हुए हैं?

भोपाल सराफा एसोसिएशन के अध्यक्ष बने नरेश अग्रवाल

भोपाल (आरएनएस)। भोपाल के श्रीसराफ एसोसिएशन के अध्यक्ष नरेश अग्रवाल चुने गए हैं। वहीं, उपाध्यक्ष राजेश सोनी रज्जू, सचिव अखिलेश मित्तल, सह सचिव सचिन जैन और कोषाध्यक्ष अमित बिंदल निर्वाचित हुए। शाम 4 बजे तक 231 में से 222 मतदाताओं ने वोट डाले थे। 9 मतदाता वोटिंग नहीं कर सके। शाम 6.15 बजे के बाद नतीजे आ गए।चुनाव में दो पैनल- 'युवा पैनल' और 'आपकी अपनी पैनल' मैदान में थी। जो पांच पदाधिकारी चुने गए हैं, वे दोनों ही पैनल से हैं। इस बार चुनाव में पार्किंग, सुरक्षा, हाईमास्ट और सुलभ कॉम्पलेक्स जैसे चुनावी मुद्दे छाए रहे। बता दें कि मौजूदा कार्यकारिणी ने अपनी 'युवा पैनल' मैदान में उतारी थी। अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, सह सचिव, कोषाध्यक्ष समेत 12 कार्यकारिणी सदस्यों के लिए चुनाव हुए। चौक बाजार स्थित गोपाल धर्मशाला में वोटिंग हुई। यही पर काउंटिंग की गई।

'युवा पैनल': अध्यक्ष पद के लिए अनिल अग्रवाल, उपाध्यक्ष राजेश सोनी रज्जू, सचिव अखिलेश मित्तल, सह सचिव सचिन जैन, कोषाध्यक्ष रितेश अग्रवाल। कार्यकारिणी प्रत्याशी सुलभ मित्तल, गौरव अग्रवाल, विवेक अग्रवाल, विजय वर्मा, राधेश्याम गोयल, मनीष मित्तल, तरुण बिंदल, ऋषिकांत अग्रवाल, अमित मंगल, प्रशांत मंगल, शैलेंद्र सोनी।'आपकी अपनी पैनल': अध्यक्ष नरेश अग्रवाल, उपाध्यक्ष गोपाल सोनी, सचिव राजेश मित्तल, सह सचिव अजय गुप मुन्ना, कोषाध्यक्ष अमित बिंदल। कार्यकारिणी सदस्य मुकेश कुमार सोनी, जयप्रकाश अग्रवाल, सुधांशु गोपाल अग्रवाल, अभिषेक जैन, अजय कुमार अग्रवाल, गोविंद अग्रवाल, गौरव बंसल, सुनील सोनी, राजेश अग्रवाल, अनूप राजानी और रमेशचंद्र सोनी।इन दोनों पैनल के अलावा एक निर्दलीय भी कार्यकारिणी सदस्य के लिए मैदान में थे।

प्रतिबंधित पालीथीन व सिंगल यूज प्लास्टिक विक्रेताओं के विरुद्ध निगम की सख्त कार्यवाही निरंतर जारी

भोपाल(आरएनएस)।नगर निगम द्वारा प्रतिबंधित पालीथीन एवं सिंगल यूज प्लास्टिक विक्रेताओं के विरूद्ध मुख्य बाजारों एवं साप्ताहिक हाट बाजारों में कार्यवाही निरंतर की जा रही है। इसी तारतम्य में बुधवार को निगम के विभिन्न जोनों के दलों ने संयुक्त रूप से वार्ड क्रमांक 56 में विजय मार्केट बरखेड़ा साप्ताहिक बाजार में कार्यवाही करते हुए 10 किलोग्राम प्रतिबंधित पालीथीन/सिंगल यूज प्लास्टिक जप्त किया और 57 प्रकरणों में 06 हजार 700 रूपये की राशि का जुर्माना किया।निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायन द्वारा प्रतिबंधित पालीथीन/सिंगल यूज प्लास्टिक विक्रेताओं के विरूद्ध कार्यवाही करने संबंधी निर्देशों के परिपालन में निगम अमले द्वारा मुख्य बाजारों एवं साप्ताहिक हाट बाजारों में निरंतर सख्त कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में निगम के जोन क्रमांक 12, 14, 15, 16, 18 एवं 19 के स्वास्थ्य विभाग के अमले के दलों ने वार्ड क्र 56 के अंतर्गत विजय मार्केट बरखेड़ा के साप्ताहिक हाट बाजार में कार्यवाही करते हुए अलग-अलग दुकानों से 10 किलोग्राम प्रतिबंधित पालीथीन/सिंगल यूज प्लास्टिक सामग्री जप्त की तथा पालीथीन विक्रेताओं के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए 57 प्रकरणों में 06 हजार 700 रूपये का जुर्माना किया। नगर निगम, भेल प्रशासन एवं पुलिस बल द्वारा प्रतिबंधित पालीथीन के विरूद्ध निरंतर हाट बाजारों में कार्यवाही की जा रही है।

दुबई से निकलने की तैयारी में काली कमाई का कुबेर सौरभ

भोपाल, (आरएनएस)। करोड़ों की काली कमाई कर देश व प्रदेश की जांच एजेंसियों के दायरे में आए परिवहन विभाग के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा की जल्द ही गिरफ्तारी हो सकती है। जानकारी के मुताबिक प्रवर्तर निदेशालय (ईडी), आयकर विभाग (आईटी) और लोकायुक्त पुलिस क चौतरफ दबाव के चलते सौरभर ने दुबई छोडऩे की तैयारी कर ली है। उसके खिलाफ ईडी ने लुक आउट नोटिस जारी किया है ऐसे मे अगर वह भारत आता है तो उसे एयरपोर्ट पर हिरासत में ले लिया जाएगा। ये भी एक संभावना जताई जा रही है सौरभ एयरपोर्ट पर ही सरेंडर कर दे। सौरभ के दुबई छोडऩे की तैयारी का इनपुट मिलते ही ईडी की टीमें भी अलर्ट मोड पर हैं और मुंबई और दिल्ली एयरपोर्ट पर निगरानी कर रही है। हालांकि लुक आउट सर्कुलर जारी होने के कारण वह देश के जिस भी विमानतल पर उतरेगा उसे पकड़ लिया जाएगा।

फाइलों में दफन कोटरा हाट बाजार की किस्मत

भोपाल, (आरएनएस)। टीटी नगर क्षेत्र से चार किमी दूर कोटरा सुल्तानाबाद हाट बाजार की अव्यवस्था ने प्रशासन की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। मुख्य मार्ग पर लगने वाली दुकानों व सडक के दोनों ओर पसरे अतिक्रमण के चलते यहां यातायात की स्थिति बेहद खराब हो चुकी है। यह समस्या सिर्फ ट्रैफिक जाम तक सीमित नहीं है, बल्कि पिछले 14 सालों में यहां नौ लोगों की मौत हो चुकी है। आलम यह है कि मुख्य मार्ग और फुटपाथ के अलावा, हाट बाजार की दुकानें लोगों के घरों के दरवाजों तक लग रही हैं। स्थानीय निवासी अपने घरों में ही कैद होकर रह गए हैं। बाजार को शिफ्ट करने की मांग कर रहे रहवासियों को हर बार आश्वासन देकर टाल दिया गया। जबकि 30 साल पुराने कोटरा हाट बाजार को शिफ्ट करने के लिए नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने डेढ़ साल पहले प्लानिंग की थी, लेकिन यह योजना कागजों से बाहर नहीं निकल सकी। जिस जगह हाट बाजार को शिफ्ट किया जाना था। वहां झुग्गियों के अलावा अस्थायी मछली मार्केट और मीट मार्केट लगने लगा है। चूंकि शहर को झुग्गी मुक्त बनाने की दिशा में कार्य योजना बनाई जा रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शहडोल रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में महावीर कोल रिसोर्सेज प्राइवेट लिमिटेड के संचालक अनुज जैन से वन-टू-वन संवाद किया

मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान जिले की ग्राम पंचायतों व शहरी वार्डों में आयोजित हो रहे शिविर हितग्राहियों को हुआ योजनाओं के हितलाभ का वितरण

मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान जिले की ग्राम पंचायतों व शहरी वार्डों में आयोजित हो रहे शिविर हितग्राहियों को हुआ योजनाओं के हितलाभ का वितरण

कटनी (ए.) । कटनी (15 जनवरी) - सरकार की हितग्राही मूलक योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक सुगमता से पहुंचे इसके लिए मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के तहत गांव- गांव और शहरों वार्डों में शिविर लगाये जा रहे हैं। इसी श्रृंखला मे कलेक्टर दिलीप कुमार यादव के निर्देश पर बुधवार को जिले की 11 ग्राम पंचायतों मे शिविर का आयोजन किया गया। अभियान के तहत ग्राम पंचायत विलायतकलॉ, पथवारी, कौंडिया, बड़खेरा भरदा, देवरी माड़वारी, झिर्री, कटरिया, जोबीकला, बिस्तरा, इटवां और इटौरा में आयोजित जनकल्याण शिविरों के माध्यम जो भी ग्रामीण पात्र होने के बाद भी योजनाओं का लाभ लेने से छूट गये उन्हे शासकीय योजनाओं की जानकारी प्रदान की जाकर योजनाओं का लाभ दिलानें की कार्यवाही की गई। शिविर स्थल पर 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी वृद्धजन अपना आयुष्मान कार्ड बनाने का कार्य भी किया गया। उल्लेखनीय है कि शासन द्वारा 26 जनवरी तक मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान चलाया जा रहा है, जिसके तहत जिले की ग्राम पंचायतों व शहरी वार्डों में लगातार शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों के माध्यम से छूटे हुए पात्र हितग्राहियों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के तहत लगाये जा रहे शिविरों का अवलोकन जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों द्वारा किया जा रहा है।

प्रबुद्ध जन संवाद को मिला प्रतिसाद मुख्यमंत्री जी ने करी कुष्ठ रोगियों की पेंशन वृद्धि घोषणा

बडवानी (ए.) । सेंधवा में आयोजित कार्यक्रम के दौरान प्रबुद्ध जन संवाद का आयोजन कार्यक्रम स्थल पर किया गया था उक्त कार्यक्रम में जिले भर के प्रबुद्ध जन शामिल हुए। प्रबुद्ध जन संवाद में शुरुआत करते हुए सर्वप्रथम आशा ग्राम ट्रस्ट के सचिन दुबे से मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के द्वारा संवाद कर आशा ग्राम ट्रस्ट एवं कुष्ठ पुनर्वास के संबंध में चर्चा की गई। जिस पर श्री दुबे के द्वारा मुख्यमंत्री डॉ यादव को अवगत कराया गया की आशा ग्राम ट्रस्ट में निवासरत कुष्ठ रोगियों को मात्र एक हजार रुपए ही पेंशन प्राप्त हो रही है। इस पर माननीय मुख्यमंत्री जी ने मध्य प्रदेश शासन की सामाजिक न्याय एवं दिव्यांग जन सशक्तिकरण विभाग अंतर्गत कुष्ठ रोगियों की परिवार पेंशन वृद्धि करने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने हेतु कलेक्टर डॉ राहुल हरिदास फटिंग को निर्देशित किया । माननीय मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कुष्ठ रोगियों की परिवार पेंशन वृद्धि से वे संपन्न एवं सबल बनेंगे ।

जिले भर में जनकल्याण अभियान के लगाये जा रहे हैं शिविर जनकल्याण अभियान में 16 और 17 जनवरी को लगेंगे शिविर

रीवा (ए.) । पात्र हितग्राहियों को शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ देने के लिए जिले भर में मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत जिले के सभी विकासखण्डों में ग्राम पंचायतवार शिविर लगाये जा रहे हैं। इन शिविरों में शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी जा रही है साथ ही पात्र हितग्राहियों से आवेदन भरवाकर उन्हें हितलाभ का वितरण किया जा रहा है। इस संबंध में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने बताया कि जनकल्याण अभियान के तहत 16 और 17 जनवरी को शिविर लगाये जायेंगे। कलेक्टर ने बताया कि अनुभाग रायपुर कर्चुलियान में 16 जनवरी को ग्राम पंचायत सोंठा और कुइंयाखुर्द तथा 17 जनवरी को कुइंयाकला, पथरहा तथा मनिकवार नंबर दो में शिविर लगेंगे। अनुभाग हुजूर में 16 जनवरी को सुपिया तथा 17 जनवरी को शिवपुर्वा 601 और शिवपुर्वा 603 में शिविर लगेंगे। अनुभाग जवा में 16 जनवरी को लोहगढ़ और दोंदर तथा 17 जनवरी बौसड़वा तथा बौसड़ में शिविर लगेंगे। अनुभाग मनगवां में 16 जनवरी को लौरीखुर्द और अगडाल तथा 17 जनवरी को गढ़, मदरी और लोटनी में शिविर लगेंगे। इसी तरह अनुभाग त्योंथर में 16 जनवरी को अतरैला-1 दो और कोनीखुर्द तथा 17 जनवरी को अमावं और पड़री में शिविर लगाये जायेंगे। अनुभाग सिरमौर में 16 जनवरी को सिरमौर में जिवार और मझियार सेमरिया तथा 17 जनवरी को बड़ी हर्राई, पड़रिया तथा बुसौल में शिविर लगाये जायेंगे।

विवेकानंद नीडम आरओबी का शेष काम हर हाल में मार्च के पहले हफ्ते तक पूर्ण करें

कलेक्टर श्रीमती चौहान ने निरीक्षण के दौरान सेतु निगम के अधिकारियों को दिए निर्देश

ग्वालियर (ए)। विवेकानंद नीडम के समीप निर्माणाधीन आरओबी (रेलवे ओवरब्रिज) आरओबी को जोड़ने के लिए बनाई जा रही एप्रोच रोड के दोनों तरफ आकर्षक फर्निशिंग, वृक्षारोपण एवं सुंदर एलईडी लाइट लगवाएं। साथ ही आरओबी के ऊपर सुरक्षा को ध्यान में रखकर ऊँचीं रैलिंग लगवाएं। यह सभी काम हर हाल में मार्च के पहले हफ्ते में पूरे कराएं। इस आशय के निर्देश कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने विवेकानंद नीडम आरओबी के निरीक्षण के दौरान सेतु निगम के अधिकारियों को दिए। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने कहा कि यह सभी कार्य कराने के बाद आरओबी पर भार वहन करने की क्षमता (लोड टेस्टिंग) जाँचें और उसके बाद 15 मार्च तक यह विवेकानंद नीडम आरओबी आम जनता के उपयोग के लिये खोला जाए। उन्होंने सेतु निगम के अधिकारियों को निर्देश दिए कि आरओबी का शेष काम युद्ध स्तर पर पूर्ण कराएँ, जिससे 15 मार्च तक यह आरओबी आमजन के लिये शुरू हो सके।

निरीक्षण के दौरान कार्यपालन यंत्री सेतु निगम श्री जोगिन्दर सिंह यादव सहित विभाग के अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद थे।

पाँचों आरओबी के नीचे का भाग पार्कों के लिये नगर निगम को हैंडओवर करें

कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने सेतु निगम के कार्यपालन यंत्री को निर्देश दिए कि ग्वालियर शहर के पाँचों आरओबी के नीचे का भाग नगर निगम को हैंडओवर करने के लिये प्रस्ताव तैयार करें। उन्होंने कहा पड़ाव आरओबी के नीचे नगर निगम द्वारा विकसित किए गए पार्क की तर्ज पर विवेकानंद नीडम आरओबी सहित शहर के अन्य आरओबी के नीचे सुनियोजित ढंग से पार्क विकसित कराए जायेंगे।

वाहनों की सघन चैकिंग कार्यवाही में एक वाहन जप्त एवं वाहनों से शमन शुल्क राशि 12 हजार रुपये वसूल की गई

शाजापुर (ए.) । कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना द्वारा दिये गये निर्देश के परिपालन में परिवहन विभाग शाजापुर द्वारा गत दिवस पोलायकलां क्षेत्र में स्कूली वाहन बस, मैजिक, ऑटो एवं अन्य वाहनों की सघन चैकिंग कार्यवाही की गई। जिला परिवहन अधिकारी राकेश भूरिया ने बताया कि चैकिंग के दौरान वाहनो के परमिट, फिटनेस, बीमा, फायर फायटर फर्स्ट एड बॉक्स, इमरजेंसी गेट आदि चैक किये गये। जिसमें एक वाहन को जप्त किया जाकर पुलिस थाना की अभिरक्षा में रखा गया एवं वाहनों से शमन शुल्क राशि 12 हजार रूपये वसूल की गई। चैकिंग कार्यावाही आगामी दिनों में निरंतर जारी रहेगी।

व्यापार समाचार

एप्पल यूजर्स पर मंडरा रहा डेटा चोरी होने का खतरा, सरकार ने जारी की चेतावनी; फटाफट करें ये काम

नई दिल्ली (आरएनएस)। अगर आप एप्पल आईफोन, आईपेड, जैसे डिवाइस इस्तेमाल करते हैं, तो सावधान हो जाएं। सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की इंडियन कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम ने एप्पल डिवाइसों के लिए एक उच्च-जोखिम वाली सुरक्षा चेतावनी जारी की है, जिसमें कहा गया है कि इन उपकरणों पर साइबर हमले का खतरा है। CERT-In के अनुसार, iOS 18.1 से पुराने iPhone और iPad, पुराने macOS वाले Mac, watchOS 11 से पुराने Apple Watch, tvOS, visionOS और Safari ब्राउज़र पर साइबर अटैक का खतरा मंडरा रहा है।अगर आपके डिवाइस में ये सॉफ़्टवेयर हैं, तो हैकर्स आपके डिवाइस में सेंध लगाकर निजी डेटा चुरा सकते हैं, ज़रूरी डेटा मिटा सकते हैं, या उसका गलत इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे आपको वित्तीय नुकसान हो सकता है या कानूनी कार्यवाही भी हो सकती है। CERT-In ने यूज़र्स को सलाह दी है कि वे अपने डिवाइस को तुरंत अपडेट करें। Apple समय-समय पर सुरक्षा अपडेट जारी करता रहता है, जिन्हें नज़रअंदाज़ नहीं करना चाहिए। डिवाइस को रीस्टार्ट करते रहना भी ज़रूरी है ताकि अपडेट ठीक से इंस्टॉल हो सकें।

भारत में थीमैटिक फंड्स ने बीते साल शुद्ध संग्रह में 488 प्रतिशत वृद्धि की दर्ज

मुंबई (आरएनएस)। पिछले साल थीमैटिक फंड्स ने शुद्ध संग्रह (नेट कलेक्शन) में 488 प्रतिशत की शानदार वृद्धि दर्ज की। सेक्टोरल और थीमैटिक फंड्स ने संग्रह में 1,09,711 करोड़ रुपये हासिल किए, जो कि कुल शुद्ध संग्रह का 34 प्रतिशत रहा। बुधवार को आई एक लेटेस्ट रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।वेंचुरा सिक्योरिटीज की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले साल सेक्टोरल और थीमैटिक फंड्स में कुल शुद्ध संग्रह में मैन्युफैक्चरिंग, इंफ्रास्ट्रक्चर और एनर्जी ने कुल मिलाकर 56 प्रतिशत का योगदान दिया, इसके बाद एफएमसीजी ने 9 प्रतिशत, बिजनेस साइकिल ने 6 प्रतिशत और पीएसयू ने 5 प्रतिशत का योगदान दिया।सेक्टोरल और थीमैटिक स्कीम के तहत, बिजनेस साइकिल फंड का शुद्ध संग्रह 2023 में 103 करोड़ रुपये से बढ़कर 2024 में 6,841 करोड़ रुपये रहा। एनर्जी सेक्टर ने 2023 में 470 करोड़ रुपये की तुलना में 2024 में 23,964 करोड़ रुपये एकत्र किए। पिछले साल लार्ज कैप के तहत शुद्ध संग्रह 2023 में -3,768 करोड़ रुपये की तुलना में 17,404 करोड़ रुपये रहा।कैलेंडर ईयर 2024 में मल्टी कैप और फ्लेक्सीकैप के तहत शुद्ध संग्रह क्रमश: 37,649 करोड़ रुपये और 36,231 करोड़ रुपये रहा। रिपोर्ट में कहा गया है कि स्मॉल कैप के तहत शुद्ध संग्रह 2023 में 45,270 करोड़ रुपये की तुलना में 2024 में घटकर 29,555 करोड़ रुपये रह गया। घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 5.27 लाख करोड़ रुपये का शुद्ध इक्विटी प्रवाह (नेट इक्विटी इनफ्लो) दर्ज किया, जिसमें अक्टूबर में 1.07 लाख करोड़ रुपये का उच्च प्रवाह देखा गया।डीआईआई का शुद्ध इक्विटी प्रवाह 2023 की तुलना में लगभग तीन गुना हो गया। रिपोर्ट के अनुसार, अक्टूबर में एफआईआई के हाई आउटफ्लो के बावजूद, डीआईआई ने महीने के लिए अपने रिकॉर्ड इक्विटी प्रवाह के साथ स्थिति को बैलेंस करने में मदद की। रिपोर्ट में बताया गया, सभी कैटेगरी ने लगातार दूसरे वर्ष दोहरे अंकों में सकारात्मक रिटर्न हासिल किया। फार्मा 40.5 प्रतिशत रिटर्न के साथ लिस्ट में सबसे ऊपर रहा, जबकि बैंकिंग और फाइनेंशियल सर्विस में सबसे कम 11.5 प्रतिशत रिटर्न रहा। 2024 में निवेश क्षेत्र में उभरते हुई बाजार की भावना दिखाई दी, जिसमें थीमैटिक इंवेस्टमेंट में वृद्धि, एफआईआई और डीआईआई फ्लो में अंतर और बड़े सेक्टोरल शिफ्ट शामिल रहे।

म्यूचुअल फंड और डीमैट अकाउंट्स के नियम बदले

- सेबी ने जारी की नई गाइडलाइंस

मुंबई (ए)। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने म्यूचुअल फंड और डीमैट अकाउंट्स में नॉमिनेशन के नियम कुछ बदल ?दिए हैं। इन नए नियमों के तहत निवेशक अब अपने डीमैट खाते या म्यूचुअल फंड फोलियो में अधिकतम 10 व्यक्तियों को नॉमिनी बना सकते हैं। यह संशोधित नियम 1 मार्च, 2025 से लागू होगा। सेबी का यह नया बदलाव निवेशकों के संपत्ति वितरण को बेहतर तरीके से प्रबंधित करने और क्लेम न की जाने वाली संपत्तियों की संख्या को कम करने के उद्देश्य से लागू किया गया है। अक्सर निवेशकों के निधन या गंभीर बीमारी की स्थिति में परिवार के सदस्य संपत्ति को लेकर विवादों में उलझ जाते हैं या कोई व्यक्ति क्लेम नहीं करता। इस स्थिति से निपटने के लिए सेबी ने यह कदम उठाया है। अब निवेशकों को नॉमिनी का पूरा विवरण देना होगा, जिसमें फोन नंबर, ईमेल, पता, आधार नंबर, पैन नंबर, ड्राइविंग लाइसेंस नंबर जैसी जानकारी शामिल होगी और नॉमिनी के साथ रिश्ते को भी स्पष्ट करना होगा। इसके अलावा, नॉमिनी का निर्धारण केवल निवेशक द्वारा किया जा सकेगा, न कि उनके पावर ऑफ अटॉर्नी (पीओए) द्वारा। नई गाइडलाइनों के अनुसार, म्यूचुअल फंड और डीमैट अकाउंट में नामित व्यक्ति को अन्य नॉमिनियों के साथ जॉइंट होल्डर बनने या अलग फोलियो बनाने का विकल्प होगा। इसके साथ ही, रजिस्टर्ड नॉमिनी को एसेट ट्रांसफर करने के लिए मृत निवेशक का डेथ सर्टिफिकेट और नॉमिनी का केवाईसी पूरा होना जरूरी होगा।

एटेरो की मेटलमंडी मई 2025 तक 1,000 टन स्क्रैप के दैनिक लेन-देन में करेगी मदद

नई दिल्ली (ए)। अग्रणी क्लीनटेक कंपनी एटेरो ने बुधवार को एक अभिनव डिजिटल एआई-संचालित प्लेटफ़ॉर्म मेटलमंडी लॉन्च किया। इसे असंगठित धातु स्क्रैप उद्योग में संगठन और दक्षता लाने के लिए डिजाइन किया गया है।

अत्याधुनिक तकनीक और पर्यावरण के अनुकूल यह प्लेटफार्म देश भर के स्क्रैप डीलरों और व्यवसायियों को एक सहज, पारदर्शी और निष्पक्ष होगा।भारत का मटेरियल रीसाइक्लिंग बाजार 40 बिलियन डॉलर का है और इस क्षेत्र को सुव्यवस्थित और औपचारिक बनाने की अपार संभावना है।मेटलमंडी का लक्ष्य मई 2025 तक 1,000 टन स्क्रैप के दैनिक लेन-देन की सुविधा देकर इस अवसर का लाभ उठाना है। इसका मतलब है कि इसका वार्षिक कारोबार 2,000 करोड़ रुपये होगा। एआई संचालित मेटलमंडी ऐप उपयोगकर्ताओं को अपने स्क्रैप को सूचीबद्ध करने, सर्वोत्तम मूल्य प्राप्त करने और आसानी से लेनदेन को अंतिम रूप देने में सक्षम बनाकर स्क्रैप संग्रह प्रक्रिया को सरल बनाता है।

प्रयागराज के लिए हवाई सफर हुआ महंगा

प्रयागराज (ए)। एक रिपोर्ट के अनुसार देशभर से प्रयागराज जाने के लिए हवाई सफर 6 गुना तक महंगा हो गया है। दिल्ली से प्रयागराज के लिए टिकट की कीमतें 21 फीसदी तक बढ़ गई हैं। दिल्ली से प्रयागराज का हवाई टिकट 21 फीसदी बढ़कर 5,748 रुपए, अहमदाबाद-प्रयागराज उड़ान का किराया 41 फीसदी की वृद्धि के साथ 10,364 रुपए, बेंगलुरु-प्रयागराज उड़ान के लिए हवाई टिकट की कीमत 89 फीसदी बढ़कर 11,158 रुपए, मुंबई-प्रयागराज उड़ान के लिए यह 13 फीसदी बढ़कर 6,381 रुपए और लखनऊ और वाराणसी के लिए हवाई किराए में तीन से 21 फीसदी तक की वृद्धि हुई है।

शेयर बाजार बढ़त पर बंद

मुम्बई (ए)। भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आई है। इसके साथ ही अमेरिका में दिसंबर के दौरान महंगाई के कम होने और फेडरल रिजर्व बैंक की ओर से ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदों से भी बाजार पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। इजराइल और हमास के बीच युद्धविराम की खबरों से भी बाजार को बल मिला।दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 318.74 अंक करीब 0.42 फीसदी ऊपर आकर 77,042.82 पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ़्टी भी 98 अंक तकरीबन 0.42 फीसदी की बढ़त के साथ ही 23,311.80 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की 30 कंपनियों में अदाणी पोर्ट्स का शेयर सबसे ज्यादा बढ़कर बंद हुआ। बजाज फिनसर्व, भारत एयरटेल, एसबीआई, टाटा मोटर्स, अल्ट्रा सीमेंट, एनटीपीसी, रिलायंस, मारुति, एक्सिस बैंक, टाटा स्टील के शेयर लाभ के साथ ही बंद हुए। वहीं दूसरी ओर एचसीएल टेक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, नेस्ले इंडिया, जोमैटो, टीसीएस, आईटीसी, सनफार्मा, एशियन पेंट्स, टाइटन और इन्फोसिस के शेयर गिरावट पर बंद हुआ।वहीं तीसरी तिमाही के परिणामों से पहले रिलायंस इंडस्ट्रीज और इन्फोसिस के शेयरों में भी तेजी रही। दिग्गज कंपनियों रिलायंस इंडस्ट्रीज और एक्सिस बैंक के शेयरों में लगभग 1.1 फीसदी की बढ़त रही। वहीं आईटी कंपनी इंफोसिस के शेयर में 1.21 फीसदी गिरावट रही।

निजी वाहनों के लिए टोल संग्रह के बदले मासिक और वार्षिक पास शुरू

वाणिज्यिक वाहनों से आता है टोल राजस्व का 74 प्रतिशत हिस्सा

नई दिल्ली (ए)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि सरकार राष्ट्रीय राजमार्गों पर निजी वाहनों के लिए टोल संग्रह के बदले मासिक और वार्षिक पास शुरू करने की योजना बना रही है। एक कार्यक्रम में गडकरी ने कहा कि टोल संग्रह बूथ गांवों के बाहर बनाए जाएंगे। टोल राजस्व का 74 प्रतिशत हिस्सा वाणिज्यिक वाहनों से आता है। हम निजी वाहनों के लिए मासिक या वार्षिक पास शुरू करने पर विचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कुल टोल संग्रह में निजी वाहनों की हिस्सेदारी केवल 26 प्रतिशत है, इसलिए सरकार को कोई नुकसान नहीं होगा। गडकरी ने कहा कि सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने शुरुआत में राष्ट्रीय राजमार्गों पर फास्टैग के साथ एक अतिरिक्त सुविधा के रूप में बाधा रहित वैश्विक नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम (जीएनएसएस) आधारित टोल संग्रह प्रणाली को लागू करने का फैसला किया है। ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम (जीएनएसएस) आधारित टोल संग्रह प्रणाली वर्तमान टोल संग्रह प्रणाली से बेहतर होगी। पिछले साल जुलाई में गडकरी ने कहा था कि जीएनएसएस आधारित उपयोगकर्ता शुल्क संग्रह प्रणाली के संबंध में कर्नाटक में राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच)-275 के बेंगलुरु-मैसुरु खंड और हरियाणा में एनएच-709 के पानीपत-हिसार खंड पर एक प्रायोगिक अध्ययन किया गया है। इस कदम का उद्देश्य यातायात की भीड़ को कम करना और राजमार्गों पर यात्रा के लिए सटीक दूरी के आधार पर शुल्क लेना है। वित्त वर्ष 2018-19 के दौरान टोल प्लाजा पर वाहनों के लिए औसत प्रतीक्षा समय आठ मिनट था। वित्त वर्ष 2020-21 और 2021-22 के दौरान फास्टैग की शुरुआत के साथ वाहनों का औसत प्रतीक्षा समय घटकर 47 सेकंड रह गया है। यद्यपि कुछ स्थानों पर, विशेषकर शहरों के निकट घनी आबादी वाले कस्बों में प्रतीक्षा समय में काफी सुधार हुआ है, फिर भी व्यस्त समय के दौरान टोल प्लाजा पर कुछ देरी होती है।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है, सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

बांग्लादेश में फिर टकराव की आशंका

एक दूसरे पर हमले करने के लिए ये गुट शेख हसीना को मुद्दा बना रहे हैं। इस माहौल से फिर टकराव की आशंकाएं गहरा रही हैं। लोगों में भी मायूसी है। धारणा बनने लगी है कि अगस्त में हुआ बदलाव व्यर्थ जा रहा है। बांग्लादेश में जिन सियासी ताकतों ने तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ आंदोलन में जबरदस्त एकता दिखाई थी, अब उनके बीच टकराव तीखा हो रहा है।नए चुनाव कराने के सवाल पर अंतरिम सरकार के रुख ने अन्य समूहों में अंदेशा पैदा किया है कि बीते अगस्त में फौरी तौर पर देश की कमान संभालने आए शासकों को सत्ता का स्वाद लग गया है।अब वे चुनाव नहीं कराना चाहते। अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद युनूस और सरकार में शामिल पूर्व छात्र नेताओं के कुछ बयानों के बाद बांग्लादेश नेशलनिस्ट पार्टी (बीएपनी) सहित अन्य दल अंतरिम शासकों के खिलाफ खुल कर बोलने लगे हैं। इन बयानों का संदेश था कि चुनाव कराना अंतरिम सरकार की प्राथमिकता नहीं है।तब से आरोप लगाए गए हैं कि अंतरिम सरकार जानबूझ कर चुनाव में देर कर रही है। संदेह जताया गया है कि हसीना को सत्ता से बाहर करने के बाद मोहम्मद यूनुस और उनके छात्र समर्थक बीएनपी को भी रास्ते से हटाना चाहते हैं।हसीना के देश से जाने के बाद उनकी पार्टी अवामी लीग के नेताओं के ख़िलाफ़ हत्या समेत अलग-अलग आरोपों में मामले दर्ज होने का सिलसिला शुरू हुआ था।उधर प्रमुख विपक्षी पार्टी बीएनपी की अध्यक्ष ख़ालिदा जिया के खिलाई कई मामलों में सज़ा रद्द की गई। जमात-ए-इस्लामी के भी कई नेता और कार्यकर्ता जेल से रिहा हुए।तब लग रहा था कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार, बीएनपी, जमात और आंदोलनकारी छात्र नेता एकजुट हैं। लेकिन अब सूरत बदल गई है।एक दूसरे पर हमले करने के लिए ये गुट शेख हसीना को मुद्दा बना रहे हैं। एक दूसरे पर इल्जाम लगाए गए हैं कि वे हसीना के प्रति नरम रुख अपना रहे हैं।बीएनपी ने कहा है कि अंतरिम सरकार और जमात भारत के साथ अपने रिश्ते अच्छे करने के लिए हसीना को माफ़ कर देना चाहते हैं।इसके बाद जमात-ए-इस्लामी पार्टी ने बीएनपी पर कड़ा हमला किया। इस माहौल से देश में फिर टकराव की आशंकाएं गहरा रही हैं। लोगों में भी मायूसी है। ये धारणा बनने लगी है कि अगस्त में हुआ बदलाव व्यर्थ जा रहा है।

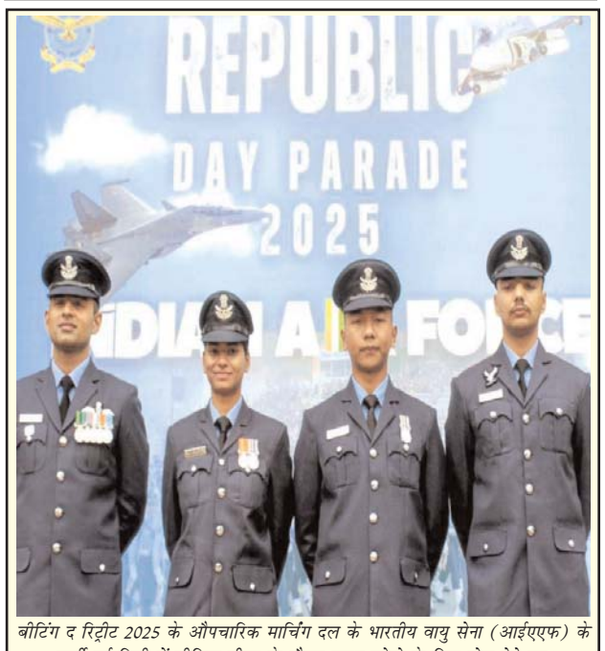

बीटिंग द रिट्रीट 2025 के औपचारिक मार्चिंग दल के भारतीय वायु सेना (आईएएफ) के कर्मी नई दिल्ली में मीडिया प्रीव्यू के दौरान समूह फोटो के लिए पोज देते हुए।

सर्दी की ठिठुरन से मौते

अनिल जैन

नया साल शुरू हो चुका है, और उससे पहले शुरू हो गई कंपकंपा देने वाली सर्दी। इस समय भी देश के विभिन्न इलाकों में शीत लहर कहर बरपा रही है, जिससे हर साल की तरह देश के विभिन्न इलाकों से लोगों के मरने की खबरें भी आ रही हैं। अब तक 150 से ज्यादा लोग सर्दी की ठिठुरन से मौत की नींद सो चुके हैं। वैसे इस तरह की खबरें आना कोई नई बात नहीं है। कहीं भूख और कुपोषण से होने वाली मौतें तो कहीं गरीबी और कर्ज के बोझ से त्रस्त किसानों और छोटे कारोबारियों की खुदकुशी के जारी सिलसिले के बीच हर साल ही सर्दी की ठिठुरन, गरम लू के थपेड़ों और बारिश-बाढ़ से भी लोग मरते ही रहते हैं। मौसम की अति के चलते असमय होने वाली ये मौतें हमारे उस भारत की नग्न सच्चाइयां हैं, जिसके बारे में दावा किया जाता है कि वह तेजी से विकास कर रहा है, और जल्द ही दुनिया की आर्थिक महाशक्ति बन जाएगा। ये सच्चाइयां सिर्फ हमारी सरकारों के हवा-हवाई कार्यक्रमों और पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था हो जाने जैसे गुलाबी दावों की ही खिल्ली नहीं उड़ातीं, बल्कि व्यवस्था पर काबिज लोगों की नालायकी और संवेदनहीनता को भी उजागर करती हैं।वैसे, सर्दी हमारे नियमित मौसम चक्र का ही हिस्सा है। कड़ाके की सर्दी इसका हल्का सा विचलन भर है। सर्दी और भीषण सर्दी अंत में हमें कई तरह से फायदे ही पहुंचाती हैं। सबसे बड़ी बात है कि कड़ाके की सर्दी हमें आस्त करती है कि ग्लोबल वार्मिंग उतनी सन्निकट नहीं है, जितना कि अक्सर हम मान बैठते हैं। ज्यादातर भारतीय इस मायने में खुशनसीब हैं कि उन्हें मौसम की विविधताएं देखने को मिलती हैं। अन्यथा दुनिया में ऐसे कम ही इलाके हैं, जहां हर मौसम का मजा लिया जा सके। हर मौसम अपने रौद्र रूप में भी सुंदर होता है, बशर्ते उसकी मार से लोगों को बचाने के इंतजामात हो। दुनिया में संभवत: भारत ही ऐसा एकमात्र देश है, जहां हर मौसम की अति होने पर लोगों के मरने की खबरें आने लगती हैं। लेकिन हकीकत यह भी है कि लोग मौसम की अति से नहीं मरते हैं, वे मरते हैं अपनी गरीबी से, अपनी साधनहीनता से और व्यवस्था तंत्र की नाकामी या लापरवाही की वजह से। यूरोप के देशों में सरकारें मौसम की अति का मुकाबला करने के चाक-चौबंद इंतजाम करती हैं, इसलिए वहां लोग हर मौसम का तरह-तरह से लुत्फ उठाते हैं। हमारे देश में भी खाया-अघाया तबका ऐसा ही करता है, जिसके पास हर मौसम की अति का सामना करने और उसका लुत्फ उठाने के पर्याप्त साधन हैं। भारत के ज्यादातर हिस्सों में यूरोप जैसी ठंड नहीं पड़ती, लेकिन हमारे यहां जब हिमालय परिवार की पहाडियों पर गिरने वाली बर्फ से मैदानी इलाकों में शीत लहर चलती है, तो देश के विभिन्न इलाकों में सर्दी की ठिठुरन से होने वाली मौतों के आंकड़े आने लगते हैं। हकीकत यह है कि अगर समूचे भारत के आंकड़े इकट्ठे किए जाएं तो हर साल सर्दी से मरने वालों की संख्या हजारों में पहुंचती है। ज्यादातर मौतें बड़े शहरों और महानगरों में होती हैं। जो मरते हैं, उनमें से ज्यादातर बेघर होते हैं। ऐसे लोग काम की तलाश में दूरदराज के इलाकों से बड़े शहरों या महानगरों में जाते हैं, ताकि मेहनत-मजदूरी कर अपने परिवार के जिंदा रह सकने लायक कुछ कमा सकें। इनमें कोई साइकिल रिक्शा चलाते हैं, कोई रेस्तरांओं और ढाबों में काम करते हैं, तो कोई किसी और काम में लग जाते हैं। लेकिन चूंकि ऐसे लोगों के पास रहने के लिए अपना कोई ठिकाना नहीं होता है, इसलिए खुले आसमान के नीचे रात गुजारना उनकी मजबूरी होती है।गरमी या दूसरे मौसम में तो किसी तरह उनकी रातें कट जाती हैं, लेकिन कड़ाके की शीत लहर में एक रात भी सुरक्षित बीत जाने पर वे असीम राहत महसूस करते हैं। अगर वे सर्दीजनित किसी बीमारी की चपेट में आ जाते हैं, तो उनके पास इतने पैसे भी नहीं होते हैं कि अपना इलाज करा सकें। सर्दी के दिनों में ऐसे जानलेवा हालात का सामना करने वाले लोगों की तादाद लाखों में होती है। सवाल यह है कि अगर इन लोगों के सामने साधनहीनता एक लाचारी है, तो कल्याणकारी मूल्यों पर चलने का दावा करने वाली सरकारों की क्या कोई जिम्मेदारी बनती है कि नहीं ?दरअसल, शहरी और अर्धशहरी इलाकों में मौसम की मार से लोगों के मरने के पीछे सबसे बड़ी वजह है शहरी नियोजन में सरकारी तंत्र की अदूरदर्शिता। जब से आवासीय कॉलोनियों की बसावट के मामले में विकास प्राधिकरणों और गृह निर्माण मंडलों की बजाय निजी भवन निर्माताओं और कॉलोनाइजरों का दखल बढ़ा है, तब से रोज कमा कर रोज खाने वालों और बेघर लोगों के लिए आवासीय योजनाएं हाशिए पर खिसकती गई हैं। करोड़ों लोग आज भी फुटपाथों, रेलवे स्टेशनों और बस अड्डों पर या टाट और प्लास्टिक आदि से बनी झोपडियों में रात बिताते हैं। बहुत से लोगों के पास तो पहनने को गरम कपड़े या ओढने को रजाई-कंबल तो दूर तापने को सूखी लकडियां तक उपलब्ध नहीं हैं। ऐसे लोगों को मौसम की मार से बचाने के लिए अदालतें हर साल सरकारों और स्थानीय निकायों को लताड़ती रहती हैं, लेकिन सरकारी तंत्र की मोटी चमड़ी पर ऐसी लताड़ों का कोई असर नहीं होता है।

एक और खतरनाक वायरस एचएमपीवी की दस्तक

योगश कुमार गोयल

वर्ष 2020 में चीन से शुरू होकर कोरोना ने पूरी दुनिया में जो दहशत मचाई, उसे याद करके आज भी रोंगटे खड़े हो जाते हैं। कोरोना महामारी के भयावह दौर में दुनिया भर में लाखों लोग मारे गए, लाखों परिवार उजड़ गए, अनेक बच्चे अनाथ हो गए।अभी तक कोरोना का खौफ बरकरार है, और कोरोना की शुरुआत के 5 साल बाद अब चीन से ही एक और ऐसे ही खतरनाक वायरस की दस्तक की खबरें दुनिया के सामने आ रही हैं, जिसके बारे में कहा जा रहा है कि यह वायरस कोरोना से भी ज्यादा खतरनाक साबित हो सकता है। भारत में कर्नाटक, गुजरात और पश्चिम बंगाल में कुछ बच्चों में नये वायरस के मामले मिल चुके हैं, जिसके बाद भारत में सतर्कता बढ़ा दी गई है। बताया जा रहा है कि यह वायरस बच्चों और बुजुगरे को सबसे ज्यादा प्रभावित कर रहा है। कमजोर प्रतिरक्षा वाले रोगियों में यह संक्रमण निमोनिया में परिवर्तित हो जाता है, और उनमें मौत का जोखिम बढ़ जाता है। हाल के दिनों में कई रिपोटरे में बताया जा चुका है कि ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) नामक वायरस ने इन दिनों चीन में दहशत फैला रखी है।

इस खतरनाक वायरस के कारण बड़ी संख्या में मरीज मर रहे हैं, लेकिन कोविड की ही भांति चीन द्वारा इसे लेकर भी लीपापोती की जा रही है। हालांकि कुछ रिपोटरे में दावा किया जा रहा है कि इस वायरस के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए आपातकाल की स्थिति घोषित कर दी गई है, लेकिन इसकी पुष्टि नहीं हुई है। बताया जा रहा है कि उत्तर चीन के प्रांतों में 14 वर्ष से कम उम्र के लोगों में एचएमपीवी के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। खचाखच भरे अस्पताल और श्मशानों में बेतहाशा भीड़ इस संकट के कोरोना जैसा या उससे भी बदतर होने की पुष्टि कर रहे हैं।

सोशल मीडिया पर सार्स-सीओवी-2 (कोविड-19)' नामक एक्स हैंडल द्वारा पोस्ट में लिखा गया है कि चीन एचएमपीवी, इन्फ्लूएंजा ए, माइकोप्लाज्मा न्यूमोनिया और कोविड-19 सहित कई वायरस के मामलों में उछाल का सामना कर रहा है, और वहां के अस्पताल निमोनिया और व्हाइट लंग' के मामलों से खासे परेशान हैं। एचएमपीवी वायरस का प्रकोप भी सबसे पहले चीन में ही शुरू हुआ है। दरअसल, बंड फ्लू से लेकर सार्स और कोविड तक सभी महासंहारक वायरल प्रकोपों की उत्पत्ति चीन से ही होती रही है।चूंकि सभी वायरस चीन में ही पैदा होते रहे हैं, इसलिए ऐसे वायरस हमलों को लेकर दुनिया में चीन को लेकर संदेह का माहौल बना हुआ है कि कहीं कोविड-19 के बाद खतरनाक होता एचएमपीवी भी चीन की जैविक प्रयोगशालाओं में रची जा रही साजिश तो नहीं है। हालांकि डच शोधकर्ताओं ने 2001 में सबसे पहले सन संबंधी बीमारियों से पीड़ित बच्चों में इस वायरस की खोज की थी और हर साल कई देशों में इसके कुछ मामले सामने आते रहे हैं, लेकिन चीन में जिस तरह इस वायरस ने आतंक मचाया हुआ है, ऐसे में भारत ने भी सतर्कता बढ़ा दी है। राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र स्थिति पर नजर रखे हुए है तथा अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के संपर्क में है। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक डॉ. अतुल गोयल का कहना है कि बताया गया है कि चीन में मेटान्यूमोवायरस वायरस का एक आउटब्रेक है, जो गंभीर है। हालांकि उनका कहना है कि हमें नहीं लगता कि भारत में किसी गंभीर स्थिति की आशंका है।दिल्ली मेडिकल काउंसिल के चेयरमैन एवं बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. अरुण गुप्ता का कहना है कि भारत में इस वायरस के कारण बीमारी बढने की अभी आशंका नहीं है। अमेरिकी रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र के अनुसार, एचएमपीवी सभी उम्र के लोगों में अपर और लोअर रेस्पिरेटरी डिजीज का कारण बन सकता है। संक्रमित व्यक्ति के खांसने-छींकने से निकलने वाले स्राव या नजदीकी संपर्क जैसे हाथ मिलाने से भी यह वायरस फैलता है। एचएमपीवी वायरस न्यूमोवायराइड और मेटान्यूमो वायरस जीनस का हिस्सा है, जो सिंगल-स्ट्रैंडेड नेगेटिव-सेंस आरएनए वायरस है।चाइनीज सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन के अनुसार, इस वायरस का संक्रमणकाल तीन से पांच दिन होता है। इसके संक्रमण से रोग-प्रतिरोधी क्षमता कमजोर होती है। एचएमपीवी कोरोना की ही भांति सन पथ को संक्रमित करता है, हालांकि कोरोना के मुकाबले इसके कारण ऊपरी और निचले, दोनों सन पथ में संक्रमण का खतरा हो सकता है। विशेषज्ञों के मुताबिक यह कम पहचाना वायरस है, लेकिन दुनिया भर में मौसमी सन बीमारियों में योगदान कर रहा है। एचएमपीवी में कोरोना ही भांति फ्लू जैसे लक्षण दिखते हैं। सामान्य लक्षणों में खांसी, बुखार, नाक बंद होना, गले में खराश और सांस लेने में तकलीफ शामिल हैं। इससे बचाव के उपायों में हाथों को बार-बार साबुन और पानी से धोना, खांसते और छींकते समय मुंह और नाक ढंकना, संक्रमितों से दूरी बनाना, स्वस्थ आहार और पर्याप्त नींद लेना, फ्लू के टीके लगवाना इत्यादि शामिल हैं।

मेष राशि- आज किसी पुरानी जमीन से आपको धन लाभ होगा। इस बीच आपके जीवनसाथी को भी तरक्की का अच्छा अवसर मिलेगा। आज परिस्थितियां बदलने के योग हैं और नई उम्मीदें बनेगी। कुछ लोग जो आप के खिलाफ थे, वो आज आपके सामने नतमस्तक होंगे।

वृष राशि- आज कारोबार में अचानक आपको फायदा होगा। आज किसी काम के लिए की गई कोशिश सफल रहेगी। आज मन में चल रहे सवालों का जवाब खुद को ही तलाशना होगा। आज दिखावे के चक्कर में अधिक खर्च करने या कर्ज लेने से बचें। सोच-विचार में अपनों की राय लेनें से उपलब्धियां आपके हाथ लगेगी। आज व्यवसायिक गतिविधियों को और समय देंगे। जिससे बेहतर नतीजे मिल सकेंगे।

मिथुन राशि- ऑफिस में आज काम का बोझ अधिक हो सकता है। आज कारोबार में अचानक महत्वपूर्ण कार्य पूरे हो सकते हैं। स्थान परिवर्तन के योग है। आज दोस्तों और रिश्तेदारों के साथ में मुलाकात खुशी देगी। एक दूसरे की भावनाओं का सम्मान करना जरूरी है। आज सामाजिक गतिविधियों में आपकी उपस्थिति रहेगी और किसी परेशानी का हल मिलेगा। अपनी क्षमताओं पर विश्वास रखें। परिवार के साथ घर की जरूरत संबंधी वस्तुओं की खरीदारी में समय बीतेगा।

कर्क राशि- आज अधिकारी वर्ग से आपको सकारात्मक प्रतिक्रिया प्राप्त होगी। आज घर में सुखद और अनुशासित माहौल रहेगा। काफी समय बाद रिश्तेदारों से मेल-मुलाकात होने से प्रसन्नता होगी। आज दिनभर बहुत व्यस्तता रहेगी। लेकिन मनोनुकूल नतीजे मिलने से मन में उत्साह रहेगा। किसी समारोह में शामिल होने का निमंत्रण मिलेगा, आपसी मेलजोल बढेगा। आपको अपने काम में जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा। आज आपको थोड़ा आलस्य महसूस होगा।

सिंह राशि- आज आपको घर की कुछ नयी जिम्मेदारी संभालनी पड़ेगी7 आज रुका हुआ काम पूरा होने वाला है, साथ ही आप कई प्रकार की गतिविधियों में व्यस्त रहेंगे साथ ही आपका सामाजिक दायरा बढ़ेगा। प्रतिष्ठित लोगों से मुलाकात होगी और कुछ बेहतरीन जानकारियां मिलेंगी। जीवनसाथी आज आपको सरप्राइज दे सकते हैं।

कन्या राशि- आज कार्यालय में अधिकारी वर्ग आपके ऊपर काम को लेकर थोड़ा दबाव बनायेंगे। आज किसी नजदीकी रिश्तेदार से चल रही अनबन दूर होगी रिश्ते में पुन: मधुरता आएगी। आज आपके घर परिवार में खुशी भरा माहौल रहेगा। आज पुरानी नकारात्मक बातों को वर्तमान पर हावी ना होने दें और रिश्ते को सहेज कर रखें।

तुला राशि- आज का दिन उत्साह से भरा रहेगा। आज कहीं भी निवेश सोच-समझकर ही करेंगे। लोगों के साथ बातचीत करते समय सावधान रहें, गलतफहमियों की वजह से रिश्ते में समस्या आ सकती हैं। बच्चों की समस्याओं के समाधान के लिए आपका सहयोग रहेगा। आज कामकाज में व्यस्तता रहेगी। व्यापार में महत्वपूर्ण फैसले होंगे।

वृश्चिक राशि- आज आप अपने कार्यों को जल्दी पूरा करने के लिये पूरी मेहनत करेंगे, जिसमें आप सफल भी होंगे। परिवार के सब लोग आपसे खुश रहेंगे। आज किसी की गलत सलाह आपको आपके लक्ष्य से भटका सकती हैं। इसलिए सोच-समझकर ही कदम उठाएंगे तो परेशानी से बच जाएंगे। घर के बुजुर्गों की सलाह और मार्गदर्शन की अवहेलना ना करें। कुछ समय बच्चों के साथ बिताएंगे।

धनु राशि- आज किसी नई योजना को बनाने में आप सफल होंगे। आपकी आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर रहेगी। किसी खास काम में आपको माता का सहयोग प्राप्त होगा। आज कार्यभार की वजह से शारीरिक और मानसिक थकान हो सकती है। अपने कामों को दूसरों के साथ बांटने का प्रयास करेंगे तो आसानी होगी। आज नई शुरुआत के लिए दिन अच्छा है। आपकी मेहनत और कोशिश के बढ़िया नतीजे सामने आएंगे।

मकर राशि- आज आपको अचानक धन लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। आज नए कांटेक्ट बनेंगे। आज किसी आदर्श व्यक्ति की प्रेरणा से भरपूर ऊर्जा मिलेगी। आपसी बातचीत द्वारा कई परिस्थितियां सामान्य हो जाएंगी। किसी काम में संघर्ष के बाद सफलता मिलने के योग हैं। आज अपने ऊपर अतिरिक्त कार्यभार या जिम्मेदारियां ना लें।

कुंभ राशि- आज आप दोस्तों के लिए मददगार साबित होंगे। आज अपनी दिनचर्या को व्यवस्थित करने की जरूरत है, इससे आप अपने कार्यों को बेहतरीन तरीके से अंजाम देंगे। आज किसी दोस्त या रिश्तेदार के साथ कहीं घूमने जाएंगे । संतान की तरफ से संतोषजनक नतीजे मिलने से सुकून मिलेगा। ऑफिस में आज आपसे सभी लोग खुश रहेंगे।

मीन राशि-आज आप सकारात्मक विचारों के साथ अपने काम को आसानी से पूरा कर लेंगे। इस राशि के विवाहितों के लिए आज का दिन बेहतर रहेगा। आज अपनी कार्यप्रणाली में लाए गए परिवर्तन के कुछ अनुकूल परिणाम मिल सकते हैं। आज आपका व्यवसायिक दृष्टिकोण कई मामलों को सुलझाने में सक्षम रहेगा। आज पारिवारिक माहौल अच्छा बना रहेगा। आज आप जिस काम के प्रति कड़ी मेहनत कर रहे हैं वो आपके लिए सकारात्मक और फायदेमंद साबित होगा।

रूस-यूक्रेन युद्ध, जैविक और परमाणु युद्ध की तरफ बढ़ सकता है

(अमेरिका-नाटो का अनावश्यक दखल)

संजीव ठाकुर,

यूक्रेन को अमेरिकी राष्ट्रपति की भारी मदद के बाद अब वैश्विक परिदृश्य बदल गया है। अमेरिका ने यूक्रेन को अरबों डॉलर की मदद की पेशकश के साथ रूस ने अमेरिका को सीधे चेतावनी दी है यदि इसी तरह युद्ध में हस्तक्षेप किया जाएगा तो परमाणु बम के साथ जैविक बम का इस्तेमाल भी किए जाने की संभावना होगीद्य रूस ने अपनी बौखलाहट यूक्रेन में फिर से बम वर्षक विमानों से कीव पर बड़ा हमला किया है।

अंतर्राष्ट्रीय न्यूज़ एजेंसी के अनुसार अमेरिकी अरबपति निवेशक जॉर्ज सोरस ने सचेत किया है कि रूस और चीन का सीमा विहीन गठबंधन वैश्विक शांति एवं सभ्यता के लिए खतरनाक हो सकता है। यदि पुतिन, शी जिनपिंग और उत्तर कोरिया के तानाशाह किम योंग उन के बीच का गठजोड़ रूस यूक्रेन युद्ध में कारगर साबित होता है तो विश्वयुद्ध की संभावनाएं बढ़ जाएंगी और विश्व युद्ध वर्तमान की मानवीय सभ्यता के लिए एक गतिहीन अवरोध होगा। इस अरबपति अमेरिकी निवेशक जॉर्ज सोरस ने दावोस में अपने वार्षिक प्रतिवेदन में कहा है कि दुनिया को इस युद्ध को जल्द से जल्द समाप्त करने का प्रयास करना चाहिए और इसमें पूरे संसाधन झोंक देने चाहिए। वैश्विक सभ्यता को संरक्षित, पल्लवित करने के लिए सर्वश्रेष्ठ और संभवत एकमात्र तरीका पुतिन को जल्द से जल्द हराना होगा। यह हमला तीसरे विश्वयुद्ध की शुरुआत कर सकता है और हमारी सभ्यता इसे झेल नहीं पाएगी और तहस-नहस हो जाएगी। दावा किया गया है कि पुतिन ने दोनों ने एक लंबा बयान जारी कर घोषणा की थी कि उन दोनों के बीच संबंधों की और सहयोग की कोई सीमा नहीं है। पुतिन ने सी जिनपिंग को यूक्रेन के विरुद्ध विशेष सैन्य अभियान की जानकारी भी दे दी थी। इसी बीच रूस के एक राजदूत ने इस्तीफा देकर पुतिन की इस कार्रवाई का खुलकर विरोध किया था और युद्ध में मारे गए सैनिकों के परिवार ने भी रूस में अपना विरोध दर्ज किया है। पुतिन को अपनी गलतियों का अब धीरे-धीरे एहसास हो रहा है जब यूक्रेन में रहने वाले रूसी भाषा के नागरिकों ने यूक्रेन पर हमले की घोर निंदा की है जबकि पुतिन को उनके समर्थन आशा थी जबकि ऐसा कुछ हुआ नहीं। पुतिन को अब यह एहसास हो गया है कि उन्होंने यूक्रेन पर आक्रमण करके एक बड़ी गलती की है। अब वह संघर्ष विराम के लिए पृष्ठभूमि तैयार करने में लगे हैं जो वर्तमान संदर्भों में संभव नहीं है। क्योंकि विश्व समुदाय का रूस पर भरोसा खत्म हो चुका है।

अब या तो पुतिन अपनी हार छुपाने के लिए चाइना की मदद विश्व युद्ध लेंगे या फिर अपनी हार स्वीकार कर अपने पद से इस्तीफा देकर पलायन कर जाएंगे। रूस यूक्रेन युद्ध मैं आज तक कुल मिलाकर 30 लाख करोड़ों रुपए खर्च हो चुके हैं और युद्ध खत्म होने की कोई संभावना नजर नहीं आ रही है। अमेरिका सहित नैटो देश के सदस्य और अन्य यूरोपीय सदस्य लगातार यूक्रेन की आर्थिक तथा सामरिक मदद करते आ रहे हैं और इस स्थिति में रूस ही कमजोर नजर आ रहा है क्योंकि रूस के तमाम कमांडर और सैनिकों का मनोबल अब लगातार गिरते जा रहा है, इसके पश्चात रूस के नागरिक भी इस युद्ध के अंदरूनी खिलाफ है जबकि यूक्रेन के नागरिक उसी हौसले और उत्साह के साथ अपने नेता जेलेंस्की के साथ खड़े हुए हैं। अब स्थिति यह है कि यूक्रेन के पास ना तो पैसे की कमी है ना ही हथियारों की,वह लगातार रूसी सैनिकों तथा कमांडरों का जमकर विरोध कर रहा है। ये अलग बात है कि मारियोपोल मैं इमारतों के मलबे के निकालने के पश्चात अलग-अलग जगह से चार पांच सौ दबे हुए शव को निकाला गया है। जिससे वहां जनता के बीच हाहाकार मच गया है। इस युद्ध की विभीषिका से यूक्रेन के लगभग एक करोड़ नागरिक यूक्रेन छोड़कर पोलैंड एवं अन्य देशों में शरण लेकर शरणार्थियों की तरह जीवन यापन कर रहे हैं। यूरोपीय देश इन शरणार्थियों को अच्छी सुविधाएं देने के लिए कृत संकल्प हैं और उन्हें किसी भी तरह की कठिनाइयों का सामना नहीं करना पड़ रहा है। वैश्विक राजनीति में चीन और रूस सर्वथा अलग-थलग पड़ गए हैं। ताजा स्थिति के अनुसार अमेरिका ऑस्ट्रेलिया जापान और भारत में टोक्यो सम्मेलन में चीन के बढ़ते औपनिवेशिक वाद के खतरे को भांपते हुए प्रशांत महासागर एवं तीन पेसिफिक क्षेत्र में सैन्य अभ्यास के लिए गठजोड़ कर लिया है। इसी तरह चीन के व्यापारिक फायदों को नुकसान पहुंचाने हेतु अमेरिका ने 13 देशों का एक आर्थिक समूह तैयार कर चीन को वैश्विक राजनीति और आर्थिक योजनाओं से अलग अलग कर दिया है। चीन अब क्राड सम्मेलन को अपना विरोधी बताकर लद्दाख में अपनी सैन्य तैयारियां भारत के विरुद्ध बढ़ाने में लग गया है। 13 देशों के आर्थिक समुदाय ने भी चीन को एक खुला संदेश देकर चुनौती दे दी है। उल्लेखनीय है कि अमेरिका तथा चीन के विरुद्ध आर्थिक क्षेत्र तथा सामरिक क्षेत्र में खुली प्रतिस्पर्धा मैदान में आ गई है। अमेरिका वैसे भी पूर्व से ही रूस का विरोधी रहा है अब अमेरिका चीन तथा रूसी गठबंधन को आने वाले समय के लिए एक बड़ा खतरा मानते पूरे विश्व को इन दोनों के खिलाफ खड़ा करने का प्रयास कर रहा है। वैश्विक शांति और सभ्यता को नष्ट होने से बचाने के लिए इन दोनों देशों पर नियंत्रण अत्यंत आवश्यक भी है।

K K

राष्ट्रीय समाचार

शुक्रवार, 17 जनवरी 2025, नर्मदापुरम (होशंगाबाद)

दैनिक क्षितिज किरण 5

महाकुंभ में छाया इंजीनियर बाबा , कनाडा में नौकरी, करोड़ों का पैकेज छोड़ने के खोले राज

प्रयागराज (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में दुनिया के सबसे बड़े महापर्व, महाकुंभ का आगाज हो चुका है। इस महाकुंभ में आईआईटीयन बाबा अभय सिंह, जिन्हें इंजीनियर बाबा के नाम से जाना जा रहा है। वह काफी चर्चा में बने हुए है।

इंजीनियर बाबा अभय सिंह का दावा है कि उन्होंने आईआईटी बॉम्बे से एयरोस्पेस इंजीनियरिंग में डिग्री हासिल की है। पढ़ाई के बाद उन्हें एक बड़ी कंपनी में लाखों के पैकेज पर नौकरी भी मिली, लेकिन उन्होंने सांसारिक मोह-माया को त्यागकर आध्यात्म का मार्ग चुना।अभय सिंह ने कहा कि मैं कनाडा में नौकरी कर रहा था। उस वक्त तीन लाख प्रति महीने की उनकी सैलरी थी। उसके बाद सैलरी में इजाफा भी हुआ और काफी अच्छी सैलरी पर वह वहां से छोड़कर भारत आ गए। अभय सिंह ने कहा कि जब आईआईटी मुंबई से निकलकर फैशन डिजाइनर का कोर्स करने के बाद मेरे पास नौकरी के साथ-साथ घर बसाने का भी विकल्प था। बावजूद इसके कुछ ऐसी बात थी कि ऐसा लगता था कि कमी है। बस फिर क्या जो इच्छा हुई भी वह समय के साथ जाती रही। बाबा अभय सिंह ने कहा कि मैंने दसवीं तक की पढ़ाई हरियाणा में की। उसके बाद मैंने आईआईटी जैसे प्रतिष्ठित संस्थान से पढ़ाई की तो ऐसा लग रहा था ऐरोनॉटिक्स इंजिनियर ही सबकुछ है। लेकिन उसके बाद भी लगा कि जिस सांइस को मैने पढ़ा है, वो तो कुछ है ही नहीं। उन्होंने कहा कि अभी जो आध्यात्म पढ़ रहे हैं वही असली साइंस है। अभय सिंह ने कहा कि उनके पीछे पूरा परिवार है। उनके पिता पेशे से वकील हैं। उनकी एक बहन है जो कनाडा में रहती है। उन्होंने कहा कि बहुत मुश्किल था इस सामाजिक दायरे को तोड़ना। हालांकि उन्होंने कहा कि अब वह घर नहीं जाते हैं।

कांग्रेस पर फिर बरसे अनिल विज, मनमोहन सिंह को प्रधानमंत्री रहते हुए भी कांग्रेस ने काम नहीं करने दिया

चंडीगढ़ (आरएनएस)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने दिल्ली में कांग्रेस मुख्यालय के नए भवन का नाम पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के नाम पर रखने पर उपजे विवाद पर कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को प्रधानमंत्री रहते हुए भी कांग्रेस ने काम नहीं करने दिया। उनकी सारी शक्तियों, स्वतंत्रता व बुद्धिमता पर इन्होंने अंकुश लगाकर रखा। ऐसे में इनसे किसी प्रकार की उम्मीद नहीं की जा सकती।

खनौरी बार्डर पर हरियाणा में किसानों के भूख हड़ताल पर बैठने के मामले में ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि सरकार इस पर पूरी निगाह रखे हुए है और हमारे मुख्यमंत्री इस विषय पर ध्यान दे रहे है और जो भी आवश्यक होगा, वह किया जाएगा।

दिल्ली पुलिस ने जारी की ट्रैफिक एडवाइजरी, गणतंत्र दिवस परेड की रिहर्सल के कारण पांच दिन यातायात रहेगा बाधित

नई दिल्ली , (आरएनएस)। दिल्ली में गणतंत्र दिवस परेड से पहले कर्तव्य पथ पर रिहर्सल 17 जनवरी से शुरू हो रही है। इस दौरान आम लोगों को कोई परेशानी न हो इसलिए दिल्ली पुलिस ने ट्रैफिक एडवायजरी जारी की है।

इस व्यवस्था के तहत, यातायात के लिए कुछ मार्गों पर प्रतिबंध और बदलाव किए गए हैं ताकि रिहर्सल के दौरान किसी प्रकार की दिक्कत न हो और लोगों को परेशानी का सामना न करना पड़े।

दिल्ली पुलिस द्वारा जारी की गई एडवाइजरी में बताया गया है कि गणतंत्र दिवस परेड की रिहर्सल के दौरान विशेष यातायात व्यवस्था 17, 18, 20 और 21 जनवरी को लागू रहेगी।

कर्तव्यपथ-रफी मार्ग क्रॉसिंग, कर्तव्यपथ-जनपथ क्रॉसिंग, कर्तव्यपथ-मानसिंह रोड क्रॉसिंग और कर्तव्यपथ-सी-हेक्सागन पर सुबह 10:15 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक यातायात बंद रहेगा।

उत्तर दिल्ली से दक्षिण दिल्ली जाने वाले लोग रिंग रोड, सराय काले खां, आईपी फ्लाईओवर, राजघाट, लाजपत राय मार्ग, मथुरा रोड, भैरों रोड, रिंग रोड, अरबिंदो मार्ग, सफदरजंग रोड, कमाल अत्तातुर्क मार्ग, कौटिल्य मार्ग से जा सकते हैं।

पूर्व से दक्षिण-पश्चिम दिल्ली की ओर जाने वाले लोग रिंग रोड से वंदे मातरम रूट का उपयोग कर सकते हैं।

एडवाइजरी के मुताबिक विनय मार्ग, शांति पथ पर आने वाले या नई दिल्ली और उससे आगे जाने वाले वाहन चालकों को सरदार पटेल मार्ग, मदर टेरेसा क्रीसेंट, आरएमएल गोल चक्कर, बाबा खड़क सिंह मार्ग या पार्क स्ट्रीट-मंदिर मार्ग से होते हुए उत्तरी दिल्ली या नई दिल्ली की ओर जाना होगा।

दिल्ली पुलिस ने नागरिकों से अनुरोध किया है कि वे इन रूट का पालन करें और यातायात प्रतिबंधों को ध्यान में रखते हुए यात्रा की योजना बनाएं।

महाकुंभ 2025: टेंटों में नहीं मिल रही जगह, महाकुंभ ग्राम हुआ फुल

23 तक वेटिंग, टेंट में एक दिन का किराया 16 से 20 हजार तक

प्रयागराज, (ए)। महाकुंभ मेला में आईआरसीटीसी से बुक हो रहीं टेंट सिटी में लंबी वेटिंग चल रही है। एक सप्ताह बाद की कंफर्म बुकिंग मिल रही है। वहीं, प्रमुख स्नान के दिनों में लंबी वेटिंग है। महाकुंभ में श्रद्धालुओं की भीड़ और आस्था का यह आलम है कि वहां महंगे किराए पर मिलने वाला टेंट की भी वेटिंग चल रही है। आईआरसीटीसी कुंभ क्षेत्र में श्रद्धालुओं के लिए ऑनलाइन टेंट बुक किया जा रहा है। कुछ समय तक तो टेंट तो आसानी से बुक हो जा रहे थे, लेकिन पहले स्नान के दिन से बुकिंग में वेटिंग हो गई। अमृत स्नान वाले दिनों में बुकिंग नहीं हो रही है। आईआरसीटीसी के मुख्य क्षेत्रीय प्रबंधक ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मेला क्षेत्र में 100 से ज्यादा डीलक्स और विला टेंट बनाए गए हैं। इसमें श्रद्धालुओं के लिए सभी इंतजाम किए गए हैं। उन्होंने बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए महाकुंभ में एक तरह से टेंट सिटी तैयार की गई है। इसका नाम महाकुंभ ग्राम दिया गया है। इस सिटी में श्रद्धालुओं के रुकने के लिए पूरी व्यवस्था है। महाकुंभ ग्राम में कुल दो तरह के कमरे हैं। इसमें एक सुपर डीलक्स और दूसरा विला है। अगर दो व्यक्तियों के लिए सुपर डीलक्स बुक किया जाता है तो 16,200 रुपए और विला बुक करते हैं, तो इसके लिए 20,000 रुपए खर्च करने होंगे।अगर आप टेंट में अतिरिक्त बेड लेते हैं, तो सुपर डीलक्स में इसके लिए 5 हजार रुपए देने होंगे। वहीं, विला में इसके लिए सात हजार रुपए देने होंगे। हालांकि, अगर आपके साथ छह साल से कम उम्र का बच्चा है, तो अलग से शुल्क नहीं देना होगा। अगर 11 साल से कम उम्र के दो बच्चे हैं, तो दोनों रूम में नि:शुल्क रुक सकते हैं।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सबसे अधिक पानी वाला राज्य होगा राजस्थान : केंद्रीय जलशक्ति मंत्री

जयपुर (आरएनएस)। केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल ने कहा है कि वह दिन दूर नहीं जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राजस्थान सबसे अधिक पानी वाला राज्य होगा।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार ने प्रदेश को जल आत्मनिर्भर बनाने के लिए महत्वपूर्ण प्रयास किए हैं। आमजन भी जल की एक-एक बूंद के महत्व को समझते हुए जल संचय में जुड़े, इस उद्देश्य से शुरू किया गया 'कर्मभूमि से मातृभूमि' अभियान अब एक जन आंदोलन का रूप लेता जा रहा है। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने बुधवार को राजकीय महाविद्यालय, सांगानेर में सांगानेर विधानसभा क्षेत्र के वर्षा जल संचयन के कार्यों के भूमि पूजन के अवसर पर कहा कि राज्य में पानी की किल्लत को दूर करने के लिए प्रधानमंत्री ने राज्य को संशोधित पीकेसी लिंक परियोजना (एकीकृत ईआरसीपी) के रूप में बड़ा तोहफा दिया है। उन्होंने कहा कि 70 हजार करोड़ रुपये लागत की इस परियोजना में राज्य सरकारों पर मात्र 10 प्रतिशत ही वित्तीय भार आएगा और 90 प्रतिशत अंशदान केन्द्र सरकार देगी। यमुना जल समझौते से शेखावाटी क्षेत्र की जल समस्या का भी स्थायी समाधान हो जाएगा।

बीजेपी नेता ने टिकट देने के बहाने पार्टी की महिला का किया रेप, गंदा वीडियो बनाकर करता था ब्लैकमेल

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। मध्य प्रदेश के सीधी ज़िले मे भाजपा के नेता को पार्टी की महिला नेता से बलात्कार तथा अश्लील विडियो बनाकर ब्लैकमेल करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तारी के बाद भाजपा ने उसे तुरंत पार्टी से निष्कासित कर दिया है। आरोपी ने टिकट देने के बहाने महिला का रेप किया तथा उसका वीडियो बनाकर उसके परिवारजनों से पैसे कि मांग करता था।

जानकारी के अनुसार, बीजेपी के नेता अजय पाल सिंह चौहान शहर के एक प्रतिष्ठित परिवार से ताल्लुक रखने वाली महिला को टिकट देने के बहाने उसका रेप किया था, उसकी अश्लील वीडियो बनाकर उसके परिवार और महिला को ब्लैकमेल करने लगा।

पीड़ित महिला ने भाजपा नेता पर रेप और ब्लैकमेलिंग का आरोप लगाकर पुलिस मे शिकायत दर्य करवाई, एफआईआर में कहा कि आरोपी अजीत पाल सिंह चौहान ने महिला के पति को जान से मारने की धमकी भी दी और उसके ससुर को अश्लील वीडियो दिखाकर पैसे देने के लिए मजबूर किया। जिसके आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर भाजपा नेता को रीवा से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस द्वारा आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। इधर भाजपा नेता की गिरफ्तारी और जेल जाने के बाद भाजपा पार्टी ने भी उसे बाहर का रास्ता दिखा दिया है।अजीत पाल सिंह चौहान पर 13 जनवरी को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 64(1) (रेप), 308(5) (किसी को मौत या गंभीर चोट का डर दिखाकर जबरन वसूली), 296 (अश्लील कृत्य) और 351(3) (आपराधिक धमकी) के तहत मामला दर्ज किया गया था।

प्रयागराज में संगम के पास महाकुंभ मेला 2025 में सजाए गए मंडपों के पास भगवान हनुमान की एक मूर्ति प्रदर्शित की गई है.

प्रवेश वर्मा डिसक्वालीफाई होने की पूरी कोशिश कर रहे, चुनाव आयोग है कि मानता ही नहीं : केजरीवाल

नई दिल्ली (आरएनएस)। नई दिल्ली सीट से भाजपा उम्मीदवार प्रवेश वर्मा के खिलाफ आचार संहिता का उल्लंघन करने पर एफआईआर दर्ज की गई है। प्रवेश वर्मा इस सीट से आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ मैदान में हैं।अरविंद केजरीवाल प्रवेश वर्मा पर एफआईआर दर्ज होने के बाद से उन पर हमलावर हैं। अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया के जरिए प्रवेश वर्मा पर तंज कसा।दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, बेचारे प्रवेश वर्मा डिसक्वालीफाई होने की पूरी कोशिश कर रहे हैं, पर चुनाव आयोग है कि मानता ही नहीं।केजरीवाल ने एक और अन्य पोस्ट में कहा, पूरी दुनिया कह रही है कि खुले आम पैसा और समान बंट रहा है, पर चुनाव आयोग कह रहा है कि उन्हें सबूत और गवाह नहीं मिल रहे।दरअसल, नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र के रिटर्निंग ऑफिसर ने मंदिर मार्ग पुलिस थाने के थानाध्यक्ष को पत्र लिखकर प्रवेश वर्मा के खिलाफ शिकायत पर एफआईआर दर्ज करने के लिए कहा था। शिकायत में कहा गया था कि प्रवेश वर्मा मंदिर मार्ग पुलिस स्टेशन के पास वाल्मीकि मंदिर के परिसर में मतदाताओं को जूते बांट रहे थे। इसका एक वीडियो भी वायरल हुआ है।

गौरतलब है कि आम आदमी पार्टी ने प्रवेश वर्मा के पैसे, जूते, कंबल और साड़ियां बांटने जैसे तमाम कामों के कई वीडियो लगातार सोशल मीडिया पर पोस्ट किए और चुनाव आयोग से भी इसकी शिकायत की थी। प्रवेश वर्मा को लेकर लगातार आम आदमी पार्टी इस बात की शिकायत करती आ रही है कि वह पैसे के दम पर नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र से चुनाव जीतना चाहते हैं।

ग्रेटर नोएडा : नशे में दोस्त के सिर पर ईंट से हमला, इलाज के दौरान मौत, आरोपी गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा, (आरएनएस)। ग्रेटर नोएडा के बिसरख थाना क्षेत्र के इलाके में एक व्यक्ति ने शराब के नशे में अपने दोस्त के सिर पर ईंट से हमला किया था। जिसके बाद उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी दोस्त को गिरफ्तार कर लिया है।जानकारी के अनुसार, बिसरख थाना क्षेत्र के इलाके में वरुण हाइट्स सोसाइटी में 13 जनवरी की रात दोनों दोस्तों ने साथ बैठकर शराब पी और खाना खाया। इसके बाद दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया है एक दोस्त ने दूसरे के सिर पर ईंट मार दी। गंभीर हालत में उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी दोस्त को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों ही बिहार के रहने वाले बताए जा रहे हैं। यहां दोनों साथ काम करते थे और साथ ही रहते थे।पुलिस के अनुसार, वरुण हाइट्स सोसायटी में बिहार निवासी नीरज और सुमित झा एक साथ मजदूरी का कार्य करते थे और साथ ही रहते थे। 13 जनवरी को दोनों ने साथ बैठकर शराब पी और खाना खा रहे थे, तभी शराब के नशे में नीरज और सुमित के बीच विवाद हो गया।

भाजपा-आरएसएस ही नहीं हमारी लड़ाई इंडियन स्टेट से भी, राहुल गांधी के बयान से छिड़ा बड़ा विवाद

नई दिल्ली(आरएनएस)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत पर तीखा हमला बोलते हुए भाजपा, आरएसएस और उनके सहयोगियों पर व्यवस्थित रूप से भारत के संस्थानों पर कब्जा करने का आरोप लगाया है।

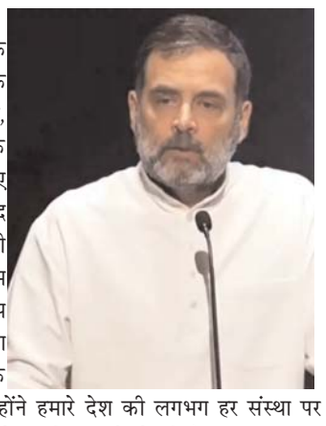

राहुल गांधी ने दावा किया कि कांग्रेस पार्टी की लड़ाई अब राजनीतिक विरोधियों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि भारतीय राज्य की मशीनरी के खिलाफ है। राष्ट्रीय राजधानी में नए कांग्रेस मुख्यालय के उद्घाटन के बाद लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा, ऐसा मत सोचिए कि हम निष्पक्ष लड़ाई लड़ रहे हैं। अगर आप मानते हैं कि यह सिर्फ बीजेपी या आरएसएस जैसे राजनीतिक संगठन के खिलाफ है, तो समझ लीजिए कि उन्होंने हमारे देश की लगभग हर संस्था पर कब्जा कर लिया है। अब हमारी लड़ाई भारतीय राज्यों से भी है।

वैचारिक लड़ाई का जिक्र करते हुए गांधी ने भारत के दो परस्पर विरोधी विचारधाराओं पर जोर दिया। उन्होंने कहा, यह भारत में होने वाली मुख्य लड़ाई है। दो विचारधाराओं में टकराव है। एक हमारा विचार है संविधान का विचार और दूसरा आरएसएस का विचार है। भागवत के इस बयान का जिक्र करते हुए कि 'राम मंदिर के निर्माण से ही सच्ची आजादी मिली' गांधी ने कहा, मोहन भागवत में इतनी हिम्मत है कि वे हमें बता रहे हैं कि वे स्वतंत्रता आंदोलन और राष्ट्र के बारे में क्या सोचते हैं। उन्होंने कल जो कहा वह देशद्रोह है क्योंकि अगर वे कह रहे हैं कि संविधान अमान्य है और अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई अमान्य थी तो यह देशद्रोह है। यह कहना कि भारत को 1947 में आजादी नहीं मिली, हर एक भारतीय का अपमान है। और अब समय आ गया है कि हम ऐसी बकवास सुनना बंद करें।राहुल गांधी ने आगे कहा, यह इमारत भारत की आत्मा पर कांग्रेस पार्टी के प्रभाव की याद दिलाती है। आज सत्ता में बैठे लोग न तो तिरंगे को सलाम करते हैं और न ही संविधान का सम्मान करते हैं।

अनिल विज के आदेश पर पुलिस से आजाद हुआ परिवहन विभाग, पुलिसकर्मियों को मूल कैडर में भेजने के आदेश जारी

चंडीगढ़ (आरएनएस)। हरियाणा के परिवहन विभाग में तैनात पुलिस कर्मियों की अब विभाग से छुट्टी हो गई है। अनिल विज की पहल के बाद अब रीजन ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी यानि आरटीए में तैनात सभी पुलिस कर्मचारियों को उनके मूल कैडर में भेजने के आदेश जारी हो गए हैं। गत दिवस ट्रांसपोर्ट आयुक्त सीजी रजनी की ओर से यह आदेश जारी किए गए हैं। जारी आदेश में कहा गया है कि कॉन्स्टेबल, हेड कॉन्स्टेबल, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर समेत जितने भी पुलिस कर्मचारी डेपुटेशन पर आरटीए डिस्ट्रिक्ट ट्रांसपोर्ट ऑफिस समेत विभिन्न कार्यालयों में काम कर रहे हैं, वह अपने मूल कैडर में जाकर कार्यभार संभालें।कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने बीते दिनों कहा था कि सिविल और पुलिस अधिकारियों की ट्रेनिंग अलग-अलग होती है। इसलिए सिद्धांत यही कहता है कि पुलिस और सिविल को अपने-अपने विभाग में ड्यूटी करनी चाहिए, लेकिन कुछ लोग तिकड़म करके सिविल पदों पर आकर बैठ गए हैं। वे सिस्टम को नहीं समझते।

विज के मंत्री बनने पर हुई थी ट्रांसफर

परिवहन विभाग से पुलिस कर्मचारियों को हटाने को लेकर मुख्य सचिव को लिखे अनिल विज के पत्र के बाद परिवहन विभाग के प्रधान सचिव आईपीएस अधिकारी नवदीप सिंह विर्क को परिवहन विभाग से बदलकर खेल विभाग में तैनात कर दिया गया था। विर्क के स्थान पर परिवहन विभाग में आईएएस अधिकारी अशोक खेमका को अतिरिक्त मुख्य सचिव लगाया गया था।

ऐसे शुरू हुई थी कवायद

हरियाणा में मनोहर लाल के मुख्यमंत्री काल में आरटीए के पद पर लगे कुछ एचसीएस अधिकारियों को भ्रष्टाचार के मामले में गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद गैर एचसीएस अधिकारियों को विभाग में तैनात करने की शुरूआत हुई थी। उस दौरान परिवहन विभाग की कमान वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी शत्रुजीत कपूर के हाथों में थी। इसके अलावा मोटर व्हीकल अधिकारी के पदों पर पुलिस इंस्पेक्टर व सब इंस्पेक्टर की तैनाती की गई थी। उस समय से ही आरटीए में पुलिस कर्मियों की एंट्री शुरू हो गई थी। अब परिवहन विभाग अनिल विज के पास आने के बाद उन्होंने इस कवायद में बदलाव शुरू किया है।

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने नई दिल्ली में सड़क सुरक्षा पर राष्ट्रीय सम्मेलन के दूसरे संस्करण - भारतीय सड़कें -2030= सुरक्षा के मानक बढ़ाना कार्यक्रम में भाग लिया.

कंगना रनौत को लगा झटका, बांग्लादेश में प्रतिबंधित हुई इमरजेंसी

मुंबई (आरएनएस)। कंगना रनौत की इमरजेंसी काफी बार पोस्टपोन होने के बाद अब आखिरकार सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। लेकिन रिलीज होने से पहले इमरजेंसी को एक झटका लगा है। दरअसल फिल्म को बांग्लादेश में बैन कर दिया गया है।

कई विवादों में उलझने के बाद और कुछ सीन्स हटाने के बाद सेंसर बोर्ड ने इमरजेंसी का रास्ता साफ कर दिया। लेकिन इसके बावजूद फिल्म की परेशानियां थमने का नाम नहीं ले रही हैं। फिल्म रिलीज होने में अब सिर्फ दो दिन बाकी हैं और इसे बांग्लादेश में बैन कर दिया गया है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक भारत और बांग्लादेश के बीच चल रहे तनावपूर्ण वक्त के कारण ये फैसला लिया गया है। इस फिल्म में पॉलिटिकल डायनेमिक्स के चलते इसे इस परेशानी का सामना करना पड़ा।

बॉसी लुक में अनन्या पांडे ने बरपाया कहर, एक्ट्रेस की किलर अदाओं पर मर-मिटे फैंस

बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा कर अक्सर फैंस के बीच लाइमलाइट लूट लेती हैं। उनका बोल्ड लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनका किलर लुक देखकर फैंस दीवाने हो गए हैं।एक्ट्रेस अनन्या पांडे आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा कर अक्सर लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचती रहती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर अपलोड करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं।हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनका बॉसी लुक देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं।इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस अनन्या पांडे ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान रेड कलर का ब्लेजर और कोट-पेंट सेट पहना हुआ है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक किलर पोज दे रही हैं।खुले बाल, मिनिमल मेकअप कर के एक्ट्रेस अनन्या पांडे ने अपने आउटलुक को बेहद ही शानदार तरीके से निखारा है। उनके इस लुक पर से फैंस नजरें हटाने का नाम नहीं ले रहे हैं।बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनके हर एक लुक पर फैंस दिलखोलकर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हैं। अनन्या पांडे सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं तो फैंस उनके स्टाइल को काफी फॉलो करते हैं।

अनुष्का शेट्टी की घाटी से विक्रम प्रभु का पहला लुक जारी, धांसू लुक में नजर आए अभिनेता

साउथ अभिनेत्री अनुष्का शेट्टी की आने वाली फिल्म घाटी का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। फैंस लगातार फिल्म से जुड़ी नई जानकारियां पाने के लिए उत्सुक हैं। पहले ही फिल्म से अनुष्का शेट्टी की झलकियां सामने आ चुकी हैं, जिसमें अभिनेत्री का दमदार अवतार नजर आया था। वहीं, अब फिल्म में मुख्य नायक का किरदार निभाने वाले अभिनेता विक्रम प्रभु का भी लुक निर्माताओं ने जारी कर दिया है।फिल्म में विक्रम प्रभु, अनुष्का शेट्टी के साथ मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। आज विक्रम का जन्मदिन भी है और इसे खास बनाने के लिए घाटी के निर्माताओं ने फिल्म से अभिनेता का पहला लुक जारी कर दिया है। विक्रम फिल्म में देसी राजू के रूप में नजर आएंगे। पोस्टर में विक्रम कैमरे की ओर देखते हुए धांसू लुक में नजर आ रहे हैं।कृष अपनी फिल्मों में अलग-अलग तरह के कलाकारों को शामिल करने के लिए जाने जाते हैं और विक्रम का घाटी में शामिल होना काफी चौंकाने वाला है। प्रशंसक यह देखने के लिए उत्सुक हैं कि वह फिल्म में किस तरह का किरदार निभाएंगे। हाल ही में रिलीज हुए फिल्म के टीजर ने पहले ही कई लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर लिया है।निर्माता वामसी कृष्ण रेड्डी, प्रमोद उप्पलापति, वाई राजीव रेड्डी और जे साई बाबू ने यूवी क्रिएशन्स और फर्स्ट फ्रेम एंटरटेनमेंट्स के लेबल के तहत घाटी का निर्माण किया। निर्माताओं ने मार्च 2024 में घाटी के लिए एक घोषणा की थी और लिखा, बदला, मोचन और प्रतिशोध की एक मनोरंजक कहानी, जहां एक पीड़ित अपराधी बन जाती है और लीजेंड का दर्जा प्राप्त करती है। अनुष्का इस महिला-केंद्रित फिल्म में मुख्य किरदार निभा रही हैं। यह फिल्म 18 अप्रैल, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

पारुल गुलाटी कॉमेडी फिल्म में नजर आएंगी?

एक्ट्रेस पारुल गुलाटी ने अपने लेटेस्ट पोस्ट से सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है। इस पोस्ट ने फैंस को उनकी अगली फिल्म को लेकर कयास लगाने पर मजबूर कर दिया है। पारुल ने कुछ मज़ेदार तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें वह एक स्क्रिप्ट पकड़े नज़र आ रही हैं। इसके साथ उन्होंने कैप्शन दिया, जल्द आ रही हूं, आप सभी को हंसाने के लिए।इस खुलासे ने उनके फॉलोअर्स के बीच उत्साह बढ़ा दिया है, और अब सभी अंदाज़ा लगा रहे हैं कि पारुल अपनी पहली कॉमेडी फिल्म में नज़र आने वाली हैं। हालांकि, इस प्रोजेक्ट से जुड़ी ज़्यादा जानकारी अभी सामने नहीं आई है, लेकिन चर्चाएं हैं कि फैंस उन्हें एक बिल्कुल नए अवतार में देखेंगे, जो हंसी से भरपूर अनुभव देगा।पारुल अक्सर सोशल मीडिया पर अपने मज़ाकिया अंदाज़ के लिए जानी जाती हैं और कई लोग उन्हें मालकिन कहकर भी बुलाते हैं। एक सूत्र ने बताया, पारुल ने इस फिल्म के लिए एक एक्टिंग मेंटर के साथ तैयारी शुरू कर दी है। वह लंबे समय से कॉमेडी प्रोजेक्ट्स में काम करने की इच्छुक थीं। उन्होंने एक प्रोजेक्ट साइन किया है, लेकिन फिलहाल सब कुछ गोपनीय है। फिल्म की शूटिंग जल्द ही शुरू होने वाली है। फैंस अब बेसब्री से इंतेज़ार कर रहे हैं कि पारुल अपने इस नए प्रोजेक्ट से उन्हें किस तरह सरप्राइज देंगी।

बॉक्स ऑफिस पर गेम चेंजर ने किया खेल, भारत में 100 करोड़ का आंकड़ा पार, कमाई में आया इतना उछाल

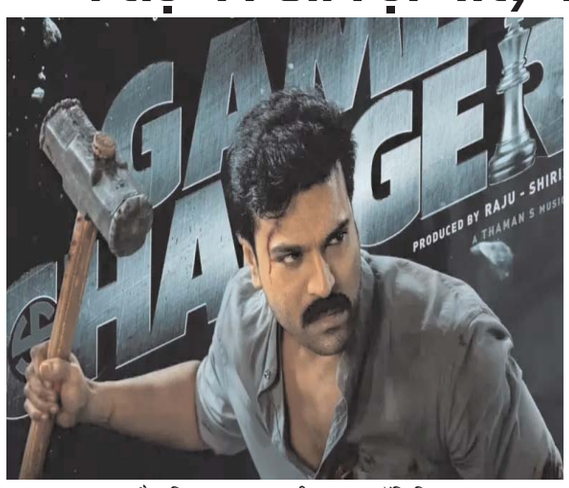

राम चरण और किराया आडवाणी स्टारर पॉलिटिकल एक्शन ड्रामा फिल्म गेम चेंजर बॉक्स ऑफिस पर छाई हुई है. गेम चेंजर बीती 10 जनवरी को मकर संक्रांति के मौके पर रिलीज हुई थी. गेम चेंजर अपने पहले ही वीकेंड में 100 करोड़ रुपये के आंकड़े से चूक गई थी. गेम चेंजर आज 15 जनवरी को अपने रिलीज के छठे दिन में आ चुकी है और फिल्म ने इन दिनों में कितना कलेक्शन किया और पांचवें दिन यानि मकर संक्रांति के दिन फिल्म ने कितनी कमाई की आइए जानते हैं.

सैकनिल्क की मानें तो मकर संक्रांति पर फिल्म गेम चेंजर की कमाई में 33.20 फीसदी का उछाल आया है. गेम चेंजर ने मकर संक्रांति पर 10.19 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है. गेम चेंजर ने पांचवें दिन तेलुगू में 6.3 करोड़ रुपये, तमिल में 0.95 करोड़ रुपये हिंदी में 2.94 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है. गेम चेंजर ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है. भारत में गेम चेंजर का कुल कलेक्शन 106.46 करोड़ रुपये हो चुका है. वहीं, इन पांच दिनों में गेम चेंजर वर्ल्डवाइड 300 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर चुकी है.

बता दें, भारत में गेम चेंजर ने 51 करोड़ रुपये से खाता खोला था. दूसरे दिन 21.6 करोड़ रुपये, तीसरे दिन 15.9 करोड़ रुपये और चौथे दिन 7.65 करोड़ रुपये का कारोबार किया था. बता दें, मकर संक्रांति के मौके पर राम चरण ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट कर जनता का आभार जताया है और लोगों को मकर संक्रांति की शुभकामनाएं भी दी हैं. राम चरण ने फिल्म के डायरेक्टर और प्रोड्यूसर का भी दिल से धन्यवाद किया है और साथ ही कहा है साल 2025 की शुरुआत उनके लिए बेहद धमाकेदार साबित हुई है.सैकनिल्क के अनुसार, पुष्पा 2 ने 41वें दिन यानि मकर संक्रांति पर 1.5 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है. फिल्म ने 1.25 करोड़ रुपये हिंदी, तेलुगू में 0.25 करोड़ रुपये में कमाए हैं. फिल्म का भारत में 1223 करोड़ रुपये कलेक्शन हो गया है.

दुनियाभर में छाई नंदमुरी बालाकृष्ण की फिल्म डाकू महाराज, गेम चेंजर का खेल बिगाड़ कर डाली 92 करोड़ से ज्यादा की कमाई

बॉबी कोली द्वारा निर्देशित नंदमुरी बालकृष्ण की नवीनतम फिल्म डाकू महाराज बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कमाई कर रही है। संक्रांति के उपहार के रूप में रविवार को रिलीज हुई इस फिल्म ने तीन दिनों में दुनियाभर में 92 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई कर ली है। फिल्म की प्रोडक्शन कंपनी सीथारा एंटरटेनमेंट ने इस उपलब्धि की घोषणा की और एक्स (ट्विटर) प्लेटफॉर्म पर एक विशेष पोस्टर जारी किया। प्रोडक्शन कंपनी ने कहा, इस संक्रांति पर ब्लॉकबस्टर बन चुकी डाकू महाराज दुनियाभर के दर्शकों का मनोरंजन कर रही है। यह संक्रांति डाकुओं के राजा महाराज की है। यह महाराज बॉक्स ऑफिस और दिलों पर राज कर रहे हैं। पारिवारिक भावनाओं से भरपूर एक बेहतरीन संक्रांति! फिल्म ने पहले दिन 56 करोड़ रुपये से अधिक और दूसरे दिन 74 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की, जिससे यह बालकृष्ण के करियर की सबसे बड़ी ओपनिंग फिल्म बन गई।डाकू महाराज में बालकृष्ण के साथ नायिकाओं के रूप में श्रद्धा श्रीनाथ, प्रज्ञा जायसवाल और उर्वशी रौतेला जैसे कलाकारों की टोली है।

नए साल के 14 दिन के अंदर ही मलयालम फिल्म आईडेंटिटी ने बनाया रिकॉर्ड, बनी साउथ की सबसे बड़ी हिट मूवी

2025 की शुरुआत मलयालम सिनेमा के लिए धमाकेदार रही. टोविनो थॉमस, तृषा कृष्णन और विनय राय की फिल्म आईडेंटिटी ने दर्शकों के दिलों को जीत लिया है. यह थ्रिलर फिल्म 2 जनवरी को रिलीज हुई और पहले चार दिनों में ही 23.20 करोड़ रुपए की जबरदस्त कमाई की. अब तक यह फिल्म 40.23 करोड़ का ग्रॉस कलेक्शन कर चुकी है और जल्द ही 50 करोड़ क्लब में शामिल होने की उम्मीद है.2024 मलयालम सिनेमा के लिए बेहद सफल साल रहा. मंझुम्मल बॉयज, एआरएम, आवेशम, किष्किंधा कांडम, गुरुवायूर अंबलनाडयिल, वाझा, आडू जीवनम, जैसी फिल्मों ने न केवल केरल में बल्कि देश के अन्य हिस्सों में भी मलयालम सिनेमा का परचम लहराया. इन फिल्मों ने 50 करोड़ और 100 करोड़ से अधिक का कारोबार किया. ऐसे में आईडेंटिटी भी उसी सफलता की राह पर है. आपको बता दें कि यह फिल्म तमिल में भी रिलीज हुई और वहां भी हिट रही. आने वाले हफ्तों में फिल्म को तेलुगु और हिंदी में रिलीज किया जाएगा, जिससे इसके कलेक्शन और बढ़ने की संभावना है.फिल्म को अखिल पॉल और अनस खान ने लिखा और निर्देशित किया है. राजू मल्लियाथ और डॉ. सीजे रॉय ने इसका निर्माण किया है, जबकि गोखुलम मूवीज़ और ड्रीम बिग फिल्म्स ने इसे वितरित किया है. आईडेंटिटी की सफलता साबित करती है कि दर्शकों में सिनेमाघरों के प्रति रुचि बढ़ रही है.

बॉक्स ऑफिस पर सोनू सूद की फतेह की कमाई में बढ़ोतरी, पांचवें दिन जुटाए इतने करोड़ रुपये

अभिनेता सोनू सूद की फिल्म फतेह बीते 10 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में वह जबरदस्त एक्शन करते नजर आ रहे हैं और उनकी अदाकारी की खूब तारीफ भी हो रही है, लेकिन यह बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी।पहले दिन टिकट खिड़की पर ठीक-ठाक कमाई करने के बाद फतेह का कारोबार लगातार घटता जा रहा है। हालांकि, पांचवें दिन यह फिर से पटरी पर लौट चुकी है।बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, फतेह ने अपनी रिलीज के पांचवें दिन यानी पहले मंगलवार को 1.60 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 9.30 करोड़ रुपये हो गया है।फतेह ने 2.4 करोड़ रुपये के साथ टिकट खिड़की पर ठीक-ठाक शुरुआत की थी, वहीं दूसरे दिन इस फिल्म ने 2.1 करोड़ रुपये और तीसरे दिन 2.25 करोड़ रुपये का कारोबार किया। चौथे दिन यह फिल्म 95 लाख रुपये कमाने में सफल रही।खास बात यह है कि सोनू न सिर्फ फतेह के हीरो हैं, बल्कि इसके निर्देशन की जिम्मेदारी भी उन्होंने ही संभाली है, वहीं वह इस फिल्म के लेखक भी हैं।फिल्म की कहानी साइबर क्राइम पर आधारित है, जिसमें नसीरुद्दीन शाह और विजय राज जैसे सितारों ने भी अभिनय किया है।

इस फिल्म में सोनू की जोड़ी पहली बार जैकलीन फर्नांडिस के साथ बनी है।

ज्यादा परफ्यूम लगाने से हो सकती हैं ये 5 समस्याएं, जानें इसके हानिकारक प्रभाव

परफ्यूम का इस्तेमाल हम सभी करते हैं ताकि हम ताजगी महसूस कर सकें। यह हमारे व्यक्तित्व को निखारने का एक तरीका है, लेकिन ज्यादा परफ्यूम लगाना आपके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है।अत्यधिक परफ्यूम का इस्तेमाल आपकी त्वचा, सांस लेने की क्षमता और आसपास के लोगों को प्रभावित कर सकता है।इस लेख में जानें कि कैसे ज्यादा परफ्यूम लगाने से आपकी सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है और इसके हानिकारक प्रभाव क्या हो सकते हैं।

त्वचा पर जलन

ज्यादा परफ्यूम लगाने से त्वचा पर जलन की समस्या उत्पन्न हो सकती है।कई बार परफ्यूम में मौजूद रासायनिक तत्व आपकी त्वचा के साथ प्रतिक्रिया कर सकते हैं, जिससे खुजली, लालिमा या दाने जैसी समस्याएं हो सकती हैं।अगर आपकी त्वचा संवेदनशील है तो यह समस्या और भी बढ़ सकती है। इसलिए हमेशा ध्यान रखें कि आप कितनी मात्रा में परफ्यूम लगा रहे हैं और इसे सीधे त्वचा पर न लगाएं।

सांस लेने में दिक्कत

अत्यधिक मात्रा में परफ्यूम लगाने से सांस लेने में दिक्कत हो सकती है।खासकर उन लोगों के लिए जो पहले से ही अस्थमा या एलर्जी जैसी समस्याओं से जूझ रहे होते हैं, उनके लिए यह स्थिति और भी गंभीर बन जाती है।जब आप बहुत ज्यादा परफ्यूम लगाते हैं तो उसकी गंध हवा में फैलती है

और इसे सांस के जरिए अंदर लेना मुश्किल होता है।

सिरदर्द की समस्या

परफ्यूम की तेज गंध कई बार सिरदर्द का कारण बन सकती है।कुछ लोग गंध के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं और उन्हें तेज गंध सहन नहीं होती। ऐसे मामलों में ज्यादा परफ्यूम लगाने से सिरदर्द या माइग्रेन जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।यह समस्या तब और बढ़ जाती है जब आप बंद जगहों में होते हैं, जहां हवा का प्रवाह कम होता है। इसलिए हमेशा हल्की खुशबू वाले उत्पादों का चयन करें।

आंखों में जलन होना

परफ्यूम की तेज गंध आंखों को प्रभावित कर सकती है, जिससे उनमें जलन या पानी आने की समस्या हो सकती है।

खासकर जब आप आंखों के पास ज्यादा मात्रा में परफ्यूम स्प्रे करते हैं तो यह समस्या और भी बढ़ सकती है। इसलिए परफ्यूम लगाते समय ध्यान रखें कि इसे आंखों से दूर रखें।अगर आपकी आंखें संवेदनशील हैं तो यह समस्या और गंभीर हो सकती है। इसलिए हमेशा सावधानी बरतें और ज्यादा परफ्यूम का उपयोग न करें।

दूसरों को असुविधा

जब आप बहुत ज्यादा परफ्यूम लगाते हैं तो इसकी तीव्र गंध दूसरों को असुविधा दे सकती है, खासकर बंद जगहों जैसे ऑफिस या मीटिंग्स आदि में जहां लोग करीब-करीब बैठे होते हैं।

इससे आपके आसपास के लोग परेशान महसूस कर सकते हैं और उनकी एकाग्रता भंग हो सकती है।इन सभी बातों को ध्यान रखते हुए हमें समझना चाहिए कि किसी भी चीज का अत्यधिक उपयोग हानिकारक होता है, चाहे वह कितना ही अच्छा क्यों न लगे।

कैसे होता है सर्दी-जुकाम?, जानिए इसके पीछे कौन सा है वायरस

मौसम परिवर्तन के दौरान सर्दी-खांसी होना सामान्य बात है. इसको लेकर ज्यादा चिंता करने की आवश्यकता नहीं है. कुछ दिनों के आराम और देखभाल से ये समस्याएं ठीक हो जाते हैं. लेकिन कभी-कभी यह आपके लिए चिंता का विषय हो सकता है, क्या आपको पता है सर्दी-जुकाम कैसे होते हैं. आइए जानते हैं इसके बारे में विस्तार से...

सर्दी-जुकाम क्यों होते हैं

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, मौसम परिवर्तन के दौरान सर्दी और खांसी शरीर को बीमारी से बचाने का एक उपाय है. जब भी कोई वायरस शरीर पर हमला करता है तो शरीर वायरस से लड़ने के लिए अपना तापमान बढ़ा लेता है. जब शरीर को अपना तापमान बढ़ाता है, तो वायरस स्वयं को जल्दी से विभाजित नहीं कर पाते हैं और शरीर को समाप्त होने का अवसर मिलता है. सर्दी-जुकाम के लिए एक नहीं बल्कि कई वायरस जिम्मेदार होते हैं.

इन वायरस से होता है सर्दी-जुकाम-राइनोवायरस

एक रिपोर्ट के मुताबिक सर्दी-खांसी के लगभग 40त्न मामले राइनोवायरस के कारण ही होते हैं। जिसे सामान्य सर्दी या कॉमन कोल्ड कहा जाता है।

कोरोना वायरस

साल 2019-20 में आई कोविड 19 की महामारी की वजह से भी सर्दी-जुकाम जैसी समस्याएं होती हैं. डब्ल्यूएचओ के मुताबिक, कभी-कभी सामान्य सर्दी के लक्षण दिखाई देते हैं लेकिन गंभीर मामलों में सर्व एक्यूट रेस्पायरेटरी सिंड्रोम यानी फेफड़ों और सांस लेने में समस्या होती है.

श्रीलंका के राष्ट्रपति और शी जिनपिंग ने की मुलाकात, बीआरआई को लेकर हुई चर्चा

-चीन ने भारत के खिलाफ उगला जहर

बीजिंग,(ए)। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके चीन के चार दिवसीय राजकीय दौरे पर हैं। उन्होंने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की है। बीते साल पदभार ग्रहण करने के बाद यह उनका पहला चीनी दौरा है। दिसानायके के साथ मुलाकात में शी जिनपिंग ने फिर से बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव को बढ़ाने की कोशिश की। जिनपिंग-दिसानायके की मुलाकात के बाद चीन ने भारत के खिलाफ जहर उगला है।

चीन की मीडिया रिपोर्ट में चीनी विशेषज्ञ के हवाले से बताया गया है कि श्रीलंकाई राष्ट्रपति की यात्रा चीन और श्रीलंका के बीच द्विपक्षीय आदान-प्रदान और नीति समन्वय को बढ़ावा देगी। इसे भविष्य के सहयोग और बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) के लिए एक अहम बताया है। एक चीनी अखबार में छपे लेख में चीन की मदद से श्रीलंका के घरेलू बुनियादी ढांच का भी जिक्र किया गया है। इसके साथ ही श्रीलंका में बढ़ते चीनी प्रभाव को लेकर उठ रही चिंताओं को लेकर भारत के खिलाफ जहर उगला है। विशेषज्ञों का हवाला देते हुए लेख में लिखा गया है कि हिंद महासागर में चीन की उपस्थिति को लेकर भारत की सतर्कता मुख्य रूप से नई दिल्ली के संकीर्ण भू-राजनीतिक दृष्टिकोण से पैदा हुई है। इसमें गया है कि भारत दक्षिण एशिया को अपने प्रभाव क्षेत्र के रूप में देखता है और चीन के साथ दोस्ताना और सहयोगी संबंध विकसित करने के अन्य देशों के अधिकारों का सम्मान नहीं करता है। वहीं यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर के हवाले से कहा गया है कि अगर भारत अपनी संकीर्ण भू-राजनीतिक सोच से आगे नहीं बढ़ सकता है, तो दक्षिण एशिया के विकास को आगे बढ़ाना मुश्किल होगा।

ईरानी राष्ट्रपति ने आरोपों को बताया विदेशी साजिश

तेहरान,(ए)। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने बीते साल अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव अभियान में डोनाल्ड ट्रंप की हत्या की साजिश में तेहरान के शामिल होने से साफ इनकार किया है। ईरानी राष्ट्रपति ने ये टिप्पणी उस समय आई है, जब डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के राष्ट्रपति पद पर आसीन होने जा रहे हैं।

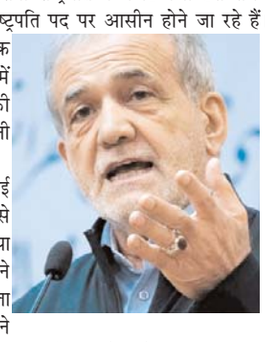

उन्होंने अमेरिकी मीडिया के साथ एक साक्षात्कार में कहा कि बीते साल नवम्बर में अमेरिकी न्याय विभाग ने ट्रंप की हत्या की साजिश रचने के सिलसिले में एक ईरानी व्यक्ति पर आरोप लगाया था।

ईरानी व्यक्ति के खिलाफ आरोप जुलाई में एक रैली में ट्रंप के हत्या के प्रयास से बचने के बाद एक अलग मामले में लगाया गया था। राष्ट्रपति महमूद पेजेश्कियन ने आरोपों के बाद अमेरिकी मीडिया को पहला इंटरव्यू था। इस दौरान ईरानी राष्ट्रपति ने कहा कि हमने कभी भी ऐसा प्रयास नहीं किया है और ना ही कभी करेंगे।पेजेश्कियन ने इजराइल और दूसरे देशों का जिक्र करते हुए कहा कि ईरान के खिलाफ ट्रंप की हत्या की कोशिश करने के आरोप ईरानफोबिया को बढ़ावा देने के लिए विदेशियों की साजिश का हिस्सा हैं। इस दौरान पेजेश्कियन ने अमेरिका के साथ संबंधों और ईरान के परमाणु मुद्दे पर पश्चिमी देशों के साथ तनाव पर भी बात की। उन्होंने ट्रंप की प्रतिबंधों की बढ़ाने और तेहरान पर दबाव डालने की धमकियों का जिक्र किया और आरोप लगाया कि अमेरिका ने ईरान को गिराने का प्रयास किया है। उन्होंने यह भी कहा कि मुझे उम्मीद है कि ट्रंप क्षेत्र और दुनिया में शांति के लिए काम करेंगे, न कि खूनखराबे और युद्ध में योगदान देंगे।

इजराइल-हमास सीजफायर डील टूटने की कगार पर

नेतन्याहू का आरोप- हमास शर्तों से पीछे हटा, समझौते के अंत तक रियायत मांग रहा

तेल अवीव (ए)। इजराइल-हमास के बीच सीजफायर डील 17 घंटों के अंदर ही टूटने की कगार पर पहुंच गई है। इस डील को मंजूरी देने के लिए इजराइली कैबिनेट की मीटिंग होने वाली थी। अब पीएम नेतन्याहू ने मीटिंग करने से मना कर दिया है। इससे पहले बुधवार रात कतर के पीएम ने इजराइल और हमास में सीजफायर और बंधकों की रिहाई से जुड़ी डील फाइनल होने की जानकारी दी थी। इजराइल के राष्ट्रपति ने भी कैबिनेट से डील को मंजूरी देने के लिए कहा था।

नेतन्याहू ने हमास पर समझौते की शर्तों से पीछे हटने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि हमास समझौते के अंत तक रियायत मांग रहा है। हमास के अधिकारियों ने इन आरोपों का खंडन किया है। अधिकारियों का कहना है कि वे अभी भी शर्तों पर कायम हैं। डील के मुताबिक सीजफायर का पहला फेज 42 दिन का होगा। पहले फेज में हमास 33 इजराइली बंधकों को रिहा करेगा। बदले में इजराइल भी हमास के 250 कैदियों को रिहा करेगा। साथ ही इजराइली सेना गाजा की सीमा से 700 मीटर पीछे लौटेगी। सीजफायर के लिए पिछले कई हफ्तों से कतर की राजधानी दोहा में बातचीत चल रही थी। इस बातचीत में मिस्र और अमेरिका भी शामिल थे। 0000 ईरान ने कभी भी ट्रंप की हत्या का प्रयास नहीं किया और ना ही कभी करेंगे

तूफान में आंखे खोने के बाद भविष्य वक्ता बाबा वेंगा को मिली थीं शक्तियां

सैन फ्रांसिस्को(ए)। बुल्गारिया की इस रहस्यमयी महिला का असली नाम वांगेलिया पांडेवा गुष्टेरोवा था। 1996 में 84 साल की उम्र में उनकी मृत्यु हो गई थी। वे अपनी भविष्यवाणियों के लिए मशहूर हो गई थीं।

उन्होंने दावा किया था कि 12 साल की उम्र में एक भयानक तूफान के दौरान अपनी दृष्टि खोने के बाद उन्हें ये शक्तियां मिलीं। 'बाल्कन की नास्त्रेदमस' के नाम से जानी जाने वाली बाबा वेंगा की भविष्यवाणियों में से 85 प्रतिशत सही मानी जाती हैं। उनकी मृत्यु के बाद भी उनकी कई भविष्यवाणियां सच साबित हुई हैं, जो अच्छी खबर नहीं है क्योंकि उन्होंने 2025 के लिए घातक युद्धों और प्रलय की चेतावनी दी है। उन्होंने कहा था कि 2025 में होने वाली घटनाएं एक वैश्विक प्रलय की ओर ले जाएंगी। उन्होंने एक जंग का जिक्र किया था जो मुख्य भूमि यूरोप में भड़कने वाला है। उनका मानना था कि 2025 में दो देशों के बीच एक नया युद्ध छिड़ जाएगा, लेकिन इसके परिणाम पूरी दुनिया में महसूस किए जाएंगे। और यह सिर्फ वैश्विक प्रलय ही नहीं है जिसके बारे में बाबा वेंगा ने चेतावनी दी थी। उन्होंने कहा था कि अगले साल हमें एलियंस का दौरा भी हो सकता है और टेलीपैथी भी सच हो जाएगी। 1980 में, बाबा वेंगा ने रूस के कुर्स्क शहर में एक भयानक घटना की भविष्यवाणी की थी, जिसमें उन्होंने कहा था कि यह पानी में डूब जाएगा और पूरी दुनिया इस पर रोएगी। इसके बाद अगस्त 2000 में एक परमाणु पनडुब्बी शहर के पास डूब गई थी।

सोने की चाहत में जुलाई में खदान में अंदर गए खनिक, बाहर मौजूद सहयोगी करते थे खाने-पीने की आपूर्ति

पुलिस ने कार्रवाई करते हुए खनिकों की रस्सियां और पुली सिस्टम नष्ट किए

जोहांसबर्ग (ए)। दक्षिण अफ्रीका में एक छोड़ी गई सोने की खदान में 100 से अधिक खनिकों की मौत के बाद पूरे देश में बवाल मच गया है। अधिकार समूहों ने बताया है कि 500 से ज्यादा खनिक वर्तमान में खदान के अंदर फंसे हुए हैं। इसमें कई खनिक भूख और प्यास के कारण गंभीर हालत में हैं। वहीं स्थानीय लोगों का दावा है कि कुछ खनिक जुलाई से ही माइन के अंदर सोने की खोज कर रहे हैं। इस खनिकों के खाने-पीने की चीजों की आपूर्ति खदान के बारह मौजूद उनके सहयोगी करते है। ये खनिक पूरी तरह से इन्हीं सहयोगियों पर निर्भर रहते है। इन्हीं सहयोगियों के द्वारा उन्हें समय-समय पर जरुरत की सभी चीजें उपलब्ध कराई जाती है। पुलिस द्वारा पहली बार इन खनिकों को बाहर निकालने की कोशिश नवंबर में हुई थी।दक्षिण अफ्रीका में अवैध खनन एक आम समस्या है, खासकर उन खदानों में जिन्हें कंपनियां छोड़ देती हैं। ऐसी खदानों में बचे हुए सोने की तलाश में खनिक अवैध रूप से प्रवेश करते हैं। ये खनिक समूह महीनों तक खदान में रहते हैं और अपनी आपूर्ति के लिए सतह पर मौजूद लोगों पर निर्भर होते हैं।घटना स्टिलफोंटेन शहर के पास स्थित बफेल्सफोंटेन गोल्ड माइन की है, इस माइन को पिछले साल नवंबर में बंद कर दिया गया था। प्रशासन के अधिकारियों ने खदान में अवैध रूप से काम कर रहे खनिकों को बाहर निकालने के लिए उनकी आपूर्ति काट दी थी। पुलिस का कहना है कि खनिक बाहर आ सकते हैं, लेकिन गिरफ्तारी के डर से वे बाहर नहीं आ रहे हैं।

खुलेआम एके-47 से फायरिंग करने वाले वकील के वायरल वीडियो का सच आया सामने

कराची,(ए)। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वकील की ड्रेस पहने एक शख्स खुलेआम एके-47 से फायरिंग करता दिख रहा है। दावा किया जा रहा है कि यह वीडियो पाकिस्तान के लाहौर बार एसोसिएशन के चुनाव का है और फायरिंग करने वाला शख्स सेक्रेटरी पद के लिए चुनाव लड़ रहा है, लेकिन सजग टीम की जांच में इस वीडियो जानी तो खुला राज।सोशल मीडिया एक्स पर जितेंद्र प्रसाद सिंह शख्स ने यह वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा, कि यह जनाब लाहौर बार एसोसिएशन में सेक्रेटरी का चुनाव लड़ रहे हैं। इस वीडियो को 13 लोगों ने रीपोस्ट किया और सैकड़ों बार देखा गया है। जब सजग टीम ने वीडियो के स्क्रीनशॉट को सर्च किया तो पता चला कि यह वीडियो जनवरी 2023 का है। एक रिपोर्ट के मुताबिक यह घटना जनवरी 2023 की है, जब पंजाब प्रांत में लाहौर बार काउंसिल के चुनावों के बाद जीत का जश्न मनाने के लिए कुछ वकीलों ने हर्ष फायरिंग कर रहे थे।

मामले में मुख्य आरोपी वकील उमर गौरी के रुप में हुई थी। फायरिंग के बाद लाहौर के इस्लामपुरा पुलिस ने एफआईआर दर्ज की और उनका प्रैक्टिसिंग लाइसेंस सस्पेंड कर दिया था। इस घटना के वीडियो सामने आने के बाद पंजाब बार काउंसिल ने अगले बार चुनाव स्थगित कर दिए। कई संगठनों और व्यक्तियों ने घटना की कड़ी निंदा की थी।

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में किया जा रहा दावा झूटा और भ्रामक है। यह वीडियो लाहौर बार एसोसिएशन के सेक्रेटरी चुनाव का नहीं, बल्कि जनवरी 2023 में लाहौर बार काउंसिल चुनाव के बाद की घटना का है। आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा चुकी है। सोशल मीडिया पर किसी भी सामग्री को शेयर करने से पहले उसकी सत्यता की जांच अवश्य करें। भ्रामक पोस्ट समाज में अफवाह फैलाने और अशांति का कारण बन सकती हैं।

खेल समाचार

महान कप्तान हैं रोहित शर्मा, आकाश दीप ने हिटमैन को लेकर दिया दिल जीतने वाला बयान

नईदिल्ली, (आरएनएस)। रोहित शर्मा एक बेहतरीन कप्तान हैं और उनकी कप्तानी में टीम इंडिया ने टी-20 वर्ल्ड कप 2024 की ट्रॉफी उठाई और अब चैंपियंस ट्रॉफी में भी टीम की कमान संभालने वाले हैं. इस बीच उनके साथ खेलने वाले एक खिलाड़ी ने रोहित की कप्तानी की जमकर तारीफ की है. उसका कहना है की रोहित एक महान कप्तान हैं।

टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा अपकमिंग चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में कमान संभालने को तैयार हैं. भले ही अब तक टीम का ऐलान ना हुआ हो, लेकिन तय ही माना जा रहा है की हिटमैन ही अपकमिंग सीरीज में टीम इंडिया की कमान संभालेंगे. अब टेस्ट टीम का हिस्सा आकाशदीप ने रोहित शर्मा को लेकर एक बयान दिया है, जो इस वक्त क्रिकेट के गलियारों में काफी चर्चा में है. उन्होंने हिटमैन को महानतम कप्तान करार दिया है।

भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार तेज गेंदबाज आकाश दीप ने कहा, रोहित भाई महानतम कप्तान हैं. मैं रोहित भाई की कप्तानी में खेलने के लिए बहुत लकी समझता हूं. वह चीजों को बहुत ईजी रखते हैं और खिलाड़ियों की बहुत मदद करते हैं.रोहित शर्मा इस वक्त खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं. ऑस्ट्रेलिया दौरे पर उन्होंने 3 मैच खेले, जिसमें वह सिर्फ 30 रन ही बना पाए. इसके बाद बीसीसीआई ने रोहित को घरेलू क्रिकेट खेलकर फॉर्म हासिल करने की सलाह दी और उन्होंने उस सलाह को मान लिया।

23 जनवरी से शुरू होने वाली रणजी ट्रॉफी में रोहित मुंबई की ओर से खेलते नजर आने वाले हैं. उन्होंने हाल ही में वानखेड़े स्टेडियम में प्रैक्टिस मैच भी खेला. हालांकि वहां भी उनका बल्ला खामोश रहा और वह सिर्फ 16 रन बनाकर ही आउट हो गए.चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से पहले भारतीय टीम को इंग्लैंड के साथ टी-20 सीरीज के बाद 3 मैचों की वनडे सीरीज खेलनी है. इस सीरीज में टीम इंडिया की कमान रोहित शर्मा संभालते हुए नजर आ सकते हैं।

कर्नाटक पांचवी बार विजय हजारे ट्रॉफी के फाइनल में

नईदिल्ली,(आरएनएस)। देवदत्त पड़िक्कल और अभिलाष शेट्टी के प्रदर्शनों की बदौलत कर्नाटक सेमीफ़ाइनल में हरियाणा को पांच विकेट से हराकर पांचवीं बार विजय हज़ारे ट्रॉफ़ी के फ़ाइनल में पहुंच गया है। वड़ोदरा में पहले बल्लेबाज़ी करने उतरी हरियाणा की पूरी टीम 50 ओवर में नौ विकेट के नुक़सान पर 237 रन बना पाई और हरियाणा को इस स्कोर पर रोकने में सबसे अहम भूमिका बाएं हाथ के तेज़ गेंदबाज़ अभिलाष शेट्टी ने निभाई जिन्होंने 10 ओवर में महज़ 34 रन देकर चार विकेट झटके। कर्नाटक ने 47.2 ओवर में पांच विकेट पर 238 रन बनाये।

शेट्टी ने हरियाणा की टीम को 32 के स्कोर पर अर्श रांगा के रूप में झटका दिया। हालांकि इसके बाद हिमांशु राणा और कप्तान अंकित कुमार के बीच साझेदारी पनप गई लेकिन दोनों ही बल्लेबाज़ अर्धशतक से चूक गए। दोनों के बीच हुई 80 रनों की साझेदारी को श्रेयस गोपाल ने अंकित को पगबाधा कर तोड़ा। जबकि हार्दिक राज ने हिमांशु राणा को पवेलियन चलता किया। इसके बाद शेट्टी ने एक बार फिर आक्रमण बोल दिया और निशांत सिंधु और पार्थ वत्स के रूप में हरियाणा को दो बड़े झटके दिए जिससे हरियाणा की टीम बैकफ़ुट पर चली गई। हालांकि इसके बाद राहुल तेवतिया और दिनेश बाना ने पारी को संभालने की कोशिश की लेकिन बाना को गोपाल ने बोल्ड कर दिया और तेवतिया का शिकार भारतीय तेज़ गेंदबाज़ प्रसिद्ध कृष्णा ने किया। प्रसिद्ध का यह इस मैच में पहला विकेट था जिसके बाद उन्होंने अंशुल काम्बोज का अपने दूसरे विकेट के रूप में शिकार किया।

डीसी का खिलाड़ी जैक फ्रेजर मैकगर्क महज 10 की औसत से बना रहा रन

9 करोड़ डूबने का सताने लगा डर

नईदिल्ली, (आरएनएस)। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के लिए हुए मेगा ऑक्शन में दिल्ली कैपिटल्स ने 9 करोड़ में एक खिलाड़ी को खरीदा था. टीम को उम्मीद थी कि आने वाले सीजन में ये खिलाड़ी बड़ा गेम चेंजर साबित होगा और पहला खिताब दिला सकता है. लेकिन जिस तरह का प्रदर्शन इस खिलाड़ी का रहा है उसे देखते हुए टीम को अपने 9 करोड़ डूबने की चिंता सताने लगी होगी।

दिल्ली कैपिटल्स ने नीलामी में ऑस्ट्रेलिया के दाएं हाथ के विस्फोटक युवा सलामी बल्लेबाज जैक फ्रेजर मैकगर्क को 9 करोड़ में आरटीएम का इस्तेमाल करते हुए खरीदा था. डीसी को उम्मीद थी कि ये खिलाड़ी आईपीएल 2025 में धमाल मचाएगा लेकिन बीबीएल में जिस तरह का खेल मैकगर्क का है उसने टीम की टेंशन बढ़ा दी है. बीबीएल में 9 मैचों में इस बल्लेबाज ने 10.33 की औसत से महज 93 रन बनाए हैं।

मैकगर्क ने डीसी के लिए आईपीएल 2024 में दमदार प्रदर्शन किया था और पूरे सीजन में अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी की वजह से छा गए थे. उनकी तूफानी बल्लेबाजी की वजह से डीसी ने डेविड वॉर्नर को रेस्ट करा दिया था. मैकगर्क ने पिछले सीजन मैकगर्क ने पिछले सीजन 9 मैचों में 234 से उपर की स्ट्राइक रेट से 4 अर्धशतक लगाते हुए 330 रन बनाए थे. इस दौरान 32 चौके और 28 छक्के उनके बल्ले से निकले थे।

मैकगर्क ने मेगा ऑक्शन में केएल राहुल और फाफ डु प्लेसिस को भी खरीदा था. माना जा रहा है कि मैकगर्क इन दोनों में से किसी एक के साथ डीसी के लिए पारी की शुरुआत कर सकते हैं लेकिन जिस तरह का प्रदर्शन वे कर रहे हैं संभव है शुरुआती फेज में वे टीम में जगह भी न बना पाएं।

रावल तेजी से रन बना सकती हैं और रक्षात्मक भूमिका भी निभा सकती हैं: मंधाना

नईदिल्ली, (आरएनएस)। सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल ने अपने वनडे करियर की बेहतरीन शुरुआत की है। किसी भी महिला खिलाड़ी ने अब तक अपने वनडे करियर की शुरुआत के पहले छह मैचों में रावल से ज़्यादा रन नहीं बनाए हैं - 74 की औसत के साथ 444 रन। अगर पुरुष और महिला खिलाड़ियों की बात की जाए तो पहले छह मैचों में प्रतिका से बेहतर आंकड़े सिर्फ़ दक्षिण अफ़्रीका के जानेमन मलान के नाम है।

रावल ने बुधवार को आयरलैंड के ख़िलाफ़ सिर्फ़ 129 गेंदों में 154 रन बनाए और स्मृति मंधाना के साथ पहले विकेट के लिए 233 रनों की साझेदारी की। दोनों बल्लेबाज़ों की इस साझेदारी और रावल की दर्शनीय पारी ने कई कीर्तिमान बनाए और शायद इसी कारण से भारतीय महिला टीम ने वनडे में अब तक का सबसे बड़ा स्कोर (435-5) बनाने में सफल रही।

इस सीरीज़ में हरमनप्रीत कौर की अनुपस्थिति में मंधाना भारतीय टीम की कप्तानी संभाल रही थीं। उन्होंने मैच के बाद रावल की जमकर तारीफ़ की और उनकी बहुमुखी प्रतिभा को उनकी सबसे बड़ी ताक़त बताया।

मंधाना ने रावल के बारे में कहा, जिस तरह से वह बल्लेबाज़ी कर रही हैं, उससे मैं वास्तव में खुश हूं। मुझे लगता है कि उनके पास शांत स्वभाव है, वह जानती हैं कि वह क्या कर रही हैं। उनके पास दोनों तरह का खेल है - जहां वह तेज़ी से रन बना सकती हैं और रक्षात्मक भूमिका भी निभा सकती हैं, जो एक बल्लेबाज़ के लिए बहुत शानदार है।

संन्यास के बाद भी मोटी कमाई कर रहे धवन

नई दिल्ली (ए)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास के बाद भी मोटी कमाई कर रहे हैं। धवन आजकल फ्रेंचाइजी क्रिकेट खेल रहे हैं। वह घरेलू और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास के बाद नेपाल प्रीमियर लीग और बिग क्रिकेट लीग में खेलते हुए दिखे थे। धवन की कमाई का स्रोत लीग क्रिकेट के साथ ही विज्ञापन हैं। उनकी उनकी नेटवर्थ लगभग सवा सौ करोड़ पहुंच गयी है। धवन एंडोर्समेंट से ही हर महीने लाखों की कमाई करते हैं। उन्होंने कई बड़ी कंपनियों में निवेश भी किया है। धवन के पास दिल्ली में एक आलीशान घर भी है। एक रिपोर्ट के अनुसार धवन की नेटवर्थ लगभग 125 करोड़ रुपये के आसपास है। वह बीसीसीआई के ग्रेड ए अनुबंध में शामिल रहे थे। इसके लिए उन्हें बीसीसीआई की ओर से सालाना 5 करोड़ रुपये मिलते थे। इसके अलावा एक टेस्ट खेलने के उन्हें 15 लाख मिलते थे जबकि एकदिवसीय और टी20 के क्रमशः 6 लाख और 5 लाख रुपये मिलते थे।

साल 2010 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट करियर की शुरुआत करने वाले धवन ने टीम इंडिया में सलामी बल्लेबाज के तौर पर खेला है। चैम्पियंस ट्रॉफी 2017 और आईसीसी क्रिकेट विश्व कप 2015 में वह भारत की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों में शामिल रहे थे। आईपीएल में सबसे पहले दो शतक लगाने का रिकॉर्ड उनके नाम है। आईपीएल से भी धवन ने करोड़ों की कमाई की है। वह 2014 से 2017 तक आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद फ्रेंचाइजी के साथ रहे। इस दौरान फ्रेंचाइजी ने उन्हें हर साल 12.50 करोड़ रुपये दिए। वहीं 2018 से 2021 तक वह दिल्ली कैपिटल्स के साथ जुड़े रहे जिसने उन्हें 5.20 करोड़ हर साल दिए।

फ्रिट्ज, डी मिनौर ऑस्ट्रेलियन ओपन के तीसरे दौर में पहुंचे

नईदिल्ली, (ए)। शीर्ष आठ खिलाड़ियों में शामिल टेलर फ्रिट्ज़ और एलेक्स डी मिनौर दोनों ने गुरुवार को ऑस्ट्रेलियन ओपन के तीसरे दौर में तेज़ी से प्रवेश किया। 5वें दिन के मध्य में एक दूसरे से 60 सेकंड के भीतर अपने मैच समाप्त करने वाले चौथी वरीयता प्राप्त फ्रिट्ज़ ने चिली के क्वालीफ़ायर क्रिस्टियन गारिन पर एक घंटे और 22 मिनट में 6-2, 6-1, 6-0 की जीत में सिर्फ़ तीन गेम गंवाए जबकि आठवीं वरीयता प्राप्त और घरेलू पसंदीदा डी मिनौर ने अमेरिकी क्वालीफ़ायर ट्रिस्टन बॉयर को सिर्फ़ दो घंटे से कम समय में 6-2, 6-4, 6-3 से हराया।पीआईएफ एटीपी रैंकिंग में चौथे स्थान पर, यूएस ओपन और निट्टो एटीपी फाइनल्स के उपविजेता फ्रिट्ज़ ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में अपनी सर्वोच्च वरीयता पर खेल रहे हैं और अपने पहले दो मैचों में उनका प्रदर्शन नहीं टूटा है। इंफोसिस स्टैट्स के अनुसार, गारिन के खिलाफ़ उन्होंने 24 विनर्स को नौ में से एक में क्लिप किया और 80 प्रतिशत फर्स्ट-सर्व पॉइंट और 60 प्रतिशत सेकंड-सर्व पॉइंट जीते। कैलिफ़ोर्निया के फ्रिट्ज़ ने कहा, इस तरह का मैच खेलना हमेशा बहुत अच्छा लगता है, जिन्होंने कोर्ट पर घोषणा की कि वे लॉस एंजेलिस में आग से बचाव के प्रयासों के लिए अपने पहले दौर की पुरस्कार राशि 132,000 ऑस्ट्रेलियन डॉलर दान करेंगे। मैंने पहले दौर में भी अच्छा खेला, इसलिए तीसरे दौर में जाने के लिए मैं बहुत आत्मविश्वास से भरा हुआ हूं। यह बहुत बढ़िया है।

गंभीर की जगह लक्ष्मण को कोच बनाया जाना चाहिये : पनेसर

लंदन (ए)। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर मोंटी पनेसर ने कहा है कि भारतीय टीम के खराब प्रदर्शन को देखते हुए मुख्य कोच गौतम गंभीर को स्वयं ही पद छोड़ देना चाहिये। पनेसर के अनुसार गंभीर के कोच बनने के बाद भारतीय टीम को पहले न्यूजीलैंड और फिर ऑस्ट्रेलिया के हाथों करारी हार का सामना करना पड़ा है। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया ने 3-1 से हराया जबकि न्यूजीलैंड के खिलाफ उसे अपनी ही धरती पर 3-0 से हार झेलनी पड़ी थी। इसे बाद से ही गंभीर की कोचिंग पर सवाल उठने लगे थे। गंभीर ने पिछले साल आईसीसी टी20 विश्व कप के बाद ही कोच पद को संभाला था। पनेसर ने का मानना है कि, गंभीर के ऊपर कामकाज का काफी दबाव है। ऐसे में पूर्व क्रिकेटर वीवीएस लक्ष्मण को कोच बनाया जाना चाहिए। साथ ही कहा कि लक्ष्मण का तरीका पूर्व कोच राहुल द्रविड़ की तरह है। ऐसे में यह टीम इंडिया के लिए अधिक बेहतर साबित होंगे।

गंभीर पहली बार किसी राष्ट्रीय टीम के लिए कोचिंग कर रहे हैं। हालांकि, उन्होंने आईपीएल में मेंटर की भूमिका में जरूर रहे हैं। वहीं लक्ष्मण की कोचिंग में टीम इंडिया ने कई अहम सीरीज जीती हैं। भारतीय क्रिकेट टीम के लिए गंभीर और लक्ष्मण ने एक से बढ़कर एक उपलब्धि हासिल की है।

ऑस्ट्रेलियन ओपनः स्वीयाटेक तीसरे राउंड में, राडुकानू से भिड़ेंगी

मेलबर्न, (आरएनएस)।इगा स्वीयाटेक ने गुरुवार को स्लोवाकिया की रेबेका स्रामकोवा को 6-0, 6-2 से हराकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन के तीसरे दौर में प्रवेश किया।

अपेक्षाकृत हल्की और हवादार परिस्थितियों में, स्वीयाटेक ने 16 विनर्स लगाए और 14 अनफोर्स्ड एरर किए और उन्हें ब्रेक पॉइंट का सामना नहीं करना पड़ा। उन्होंने कोर्ट पर दबदबा बनाया और 26 रैलियों में से 20 में जीत हासिल की, जो पांच शॉट या उससे अधिक समय तक चलीं।

स्वीयाटेक ने कहा, मैंने आज वास्तव में ठोस महसूस किया। यह वास्तव में एक कुशल खेल था। मुझे खुशी है कि मैंने अपना ध्यान बनाए रखा क्योंकि कभी-कभी आपको लगता है कि यह थोड़ा आसान लगता है और यह बाद में समस्या पैदा कर सकता है क्योंकि आपका ध्यान भटक सकता है, लेकिन मुझे खुशी है कि मैंने अपना ध्यान बनाए रखा और मैं ठोस थी।

स्वीयाटेक ने अब ग्रैंड स्लैम में पहले दो राउंड में अपने पिछले 40 मैच जीते हैं। स्रामकोवा के खिलाफ उनका पहला सेट 2020 की शुरुआत से ग्रैंड स्लैम में उनका 24वां 6-0 सेट है। डब्ल्यूटीए के आंकड़ों के अनुसार, आर्यना सबालेंका नौ सेट के साथ इस अवधि में अगली सर्वश्रेष्ठ हैं।

तीसरे दौर में स्वीयाटेक 2021 यूएस ओपन चैंपियन एम्मा राडुकानू से भिड़ेंगी। राडुकानू अमांडा अनिसिमोवा के खिलाफ दूसरे दौर में एक कठिन ड्रॉ से गुज़रीं, दोनों सेटों में ब्रेक डाउन से वापस आकर 6-3, 7-5 से जीत दर्ज की और पहली बार मेलबर्न पार्क में तीसरे दौर में जगह बनाई।

सड़क सुरक्षा माह अभियान के अंतर्गत विधायक श्री शर्मा एवं आरटीओ ने लगाए ट्रैक्टरों में रेडियम, बताए यातायात के नियम

नर्मदापुरम (निप्र)। सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत परिवहन सुरक्षा के लिए लगातार विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से जन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में गुरूवार 16 जनवरी को नर्मदापुरम विधायक श्री सीता सरन शर्मा एवं आरटीओ अधिकारी श्रीमती निशा चौहान एवं गणमान्य नागरिक तथा किसान भाइयों की उपस्थिति में सड़क सुरक्षा माह अभियान के अंतर्गत किसानों के ट्रैक्टर ट्रालियों में रेडियम लगाया गया। रात्रि में ट्रैक्टर के पीछे लाइट न होने के कारण दुर्घटना होने का अंदेशा रहता है, ऐसे में रेडियम के माध्यम से वाहनों को रात्रि में पहचान में आसानी होती है, जिससे दुर्घटना होने की संभावना कम हो जाती है। किसानों को होने वाली समस्या को ध्यान में रखते हुए विधायक श्री शर्मा ने इटारसी मंडी पहुंचकर अनाज बेचने आए किसानों के ट्रैक्टरों में रेडियम लगाकर उन्हें सुरक्षित ट्रैक्टर चलाने एवं यातायात नियमों की जानकारी दी। आरटीओ अधिकारी द्वारा लाइसेंस के साथ वाहन चलाने की बात कहे जाने पर किसानों द्वारा मंडी परिसर में लाइसेंस कैंप की मांग की गई। जिस पर विधायक श्री शर्मा द्वारा जल्द ही मंडी परिसर में लर्निंग लाइसेंस कैंप लगाने का आश्वासन दिया गया। जिससे ज्यादा से ज्यादा किसानों को लाइसेंस बनाने में मदद मिल सके। आरटीओ अधिकारी द्वारा जल्द ही मंडी परिसर में लर्निंग लाइसेंस कैंप लगाया जाना तय किया गया, जिसे आरटीओ अधिकारी द्वारा सहर्ष स्वीकार किया गया।विधायक ने किसान भाइयों से अनुरोध किया कि ट्रैक्टर एवं अन्य वाहन चलाते समय गति का ध्यान रखें एवं यातायात नियमों का पालन करते हुए अपने वाहन को चलाएं।

मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान शिविर में समस्या लेकर आए नागरिकों को विधायक ने प्रदान किए पौधे

नर्मदापुरम (निप्र)। मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के तहत नगरपालिका परिषद इटारसी ने आज पुरानी इटारसी वार्ड क्रमांक 34 में शिविर का आयोजन किया। यहां शिविर में नागरिकों की समस्या सुनने के लिए विधायक डॉ सीतासरन शर्मा भी पहुंचे। उनके साथ नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे, सीएमओ श्रीमती रितु मेहरा, जयकिशोर चौधरी, पार्षद श्रीमती अंजली कलोसिया पार्षद श्रीमती राजे श्री धुरिया, मयंक मेहतो, राहुल चौरे, पार्षद प्रतिनिधि रमेश धूरिया सहित अन्य मौजूद थे। शिविर में विधायक डॉ शर्मा ने नवाचार करते हुए यहां आने वाले नागरिकों को पौधे उपहार में दिए। जिनकी समस्या का तत्काल निराकरण किया उन्हें और जिनकी समस्या निराकृत करने का आश्वासन दिया है उन्हें भी पौधे प्रदान किए गए। पौधे मिलने पर नागरिकों ने विधायक डॉ सीतासरन शर्मा का धन्यवाद ज्ञापित किया।

शिक्षा विभाग ने बनाया था मेघा चेनल का प्लान हुआ फेल, विद्यार्थियों और विभाग को नहीं मिल रहा लाभ

'मेधा नर्मदापुरम चैनल' से 1,86,497 विद्यार्थियों की पढ़ाई हुई थी आसान नर्मदापुरम संभाग के श्रेष्ठ शिक्षकों के वीडियो को ही किया जा रहा शामिल

बलराम शर्मा।

नर्मदापुरम। डिजीटल के जमाने में विद्यार्थियों की पढ़ाई सुगम हो इसके लिए कई तरह के जतन शिक्षा विभाग के द्वारा किए जाते हैं। ऐसा ही एक नवाचार नर्मदापुरम संभाग में भी दो वर्ष पूर्व शुरू हो गया था। जिससे संभाग के 1 लाख 86 हजार 497 विद्यार्थियों के लिए शैक्षणिक यू-ट्यूब 'मेधा चैनल' तैयार किया गया था। जिससे विद्यार्थियों की पढाई रूचिकर की जा रही थी। इस कार्य में संभाग के पूर्व कमिश्नर रजनीश श्रीवास्तव के द्वारा विशेष रूचि ली गई थी। जिला शिक्षा कार्यालय में कार्य भी शुरू कर दिया गया था। जिससे आन लाइन हर स्कूल को जोड़े जाने की प्रक्रिया शुरू भी हो गई थी। लेकिन उसके बाद अधिकारियों के द्वारा रूचि नहीं लिए जाने से प्लान सफल नहीं हो सका।

हजारों विद्यार्थियों को होने लगा था फायदा

जिन विद्यार्थियों को इस चैनल से लाभ मिल रहा था उनमें 9 वीं से 12 तक के नर्मदापुरम जिले के 67,510, बैतूल के 91,112 और हरदा जिले के 27875 विद्यार्थी लाभांवित होने लगे थे।

श्रेष्ठ शिक्षकों का किया था चयन

मेघा चेनल के लिए तीनों जिले नर्मदापुरम, हरदा और बैतूल के श्रेष्ठ, अनुभवी शिक्षकों, विषय विशेषज्ञों के वीडियो और कंटेंट चयनित कर शामिल किए जाने लगे थे। उनके द्वारा तैयार पढ़ाई के श्रेष्ठ वीडियो बनाकर स्कूलों में जोड़कर उससे पढ़ाई की जाने लगी थी। तीनों जिला शिक्षा अधिकारियों से उत्कृष्ट शिक्षकों की जानकारी एकत्रित की जाती थी। स्कीम बढ़िया और विद्यार्थियों के लिए रूचिकर थी। लेकिन शिक्षा अधिकारियों के द्वारा ध्यान नहीं दिए जाने से अच्छी स्कीम भी फेल हो गई।

बच्चों की दी जाने लगी लिंक

गुणवत्ता पूर्ण और स्पष्ट वीडियो बनाकर उसकी लिंक विद्यार्थियों को दी जाने लगी थी। जो छात्र-छात्राओं के लिए रूचिकर थी कुछ स्थानों पर प्रयोग के बतौर इसे शुरू भी कर दिया गया था। जिसमें यह देखा जा रहा था कि बनाए गए वीडियो का आकर्षक प्रस्तुतिकरण, विद्यार्थियों के लिए मानसिक व भावनानात्मक होने के साथ कठिन अवधारणाओं को सरल तरीके से समझाने वाले वीडियो ही लिए जा रहे थे। उपयुक्त व मापदंडों को पूरा करने वाले चयनित शिक्षकों के कंटेंट को ही चैनल पर अपलोड किया जा रहा था। चैनल का प्रसार-प्रचार जिले, विकासखंड तथा विद्यालयों के ग्रुपों पर करते हुए विद्यार्थियों और शिक्षकों तक चैनल की लिंक पहुंचा दी गई थी। उन वीडियो को देखकर ही कई विद्यार्थी पढ़ाई करने लगे थे। जिसे कुछ दिन बाद ही बंद कर दिया गया। इससे विद्यार्थियों को होने वाला फायदा बंद हो गया है।

नर्मदापुरम में होने लगा था प्रयोग

नर्मदापुरम जिले में इसका प्रयोग शुरू हो गया था। अनेक स्कूलों में मेघा चेनल शुरू कर दिया गया था। प्रारंभिक स्तर पर स्कूलों में इसे संचालित बच्चों से चेनल शुरू करके देखा जाता था कि बच्चों को वीडियो में पढ़ाई जाने वाली सामग्री समझ व पसंद आ रही है या नहीं। निश्कर्ष निकाला गया था कि बच्चे रूचि के साथ पढ़ाई करने लगे हैं। हाईटेक युग में बच्चों की पसंद की चेनल तैयार होने लगी थी। जिसे कम समय में ही बंद कर दिया गया। खासकर कोरोना काल में घर में ही बच्चों को बहुत पसंद आ रहा था।

खनिज, राजस्व एवं पुलिस विभाग द्वारा अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण के विरुद्ध कार्यवाही जारी

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सोनिया मीना से प्राप्त निर्देश के पालन में अवैध खनिज उत्खनन/परिवहन/भण्डारण के विरूद्ध खनिज, राजस्व एवं पुलिस विभाग द्वारा संयुक्त रूप से सम्पूर्ण जिले में कार्यवाही जारी है। खनिज विभाग नर्मदापुरम द्वारा गत दिवस 10 जनवरी को ग्राम-लोखरतलाई, तह0-सिवनीमालवा से 01 ट्रेक्टर ट्राली सोनालिका को रेत खनिज का अवैध परिवहन करते हुए एवं 13 जनवरी को डम्पर क्रमांक-एम.पी.09एच.एच. 5851 तथा 15 जनवरी को डम्पर क्रमांक-आर.जे.09जी.डी.3756 एवं डम्पर क्रमांक-सी.जी.12बी.डी.6179 को ग्राम-बाबरी, तह0-सिवनीमालवा से रेत खनिज का ओवरलोड परिवहन करते हुए पाये जाने पर जप्त कर पुलिस थाना सिवनीमालवा की अभिरक्षा में सुरक्षार्थ रखा गया है। उक्त कार्यवाहियों में दिवेश मरकाम, जिला खनि अधिकारी, पिंकी चौहान, खनि निरीक्षक, कृष्णकांत सिंह परस्ते, प्र0 खनि निरीक्षक, होमगार्ड एवं पुलिस बल उपस्थित रहा। उक्त जप्त वाहनों के विरूद्ध मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भण्डारण का निवारण) नियम 2022 के तहत कार्यवाही की जा रही है।

फेफरताल उपकेन्द्र का मैंन्टेनेंस के चलते 18 जनवरी को विद्युत आपूर्ति रहेगी बन्द

नर्मदापुरम (निप्र)। प्रबंधक (शहर) जोन-1, म.प्र.म.क्षे.वि.वि.कं.लि. नर्मदापुरम ने बताया कि शनिवार 18 जनवरी 2025 को प्रात: 10:00 बजे से दोपहर 01: 00 बजे तक फेफरताल उपकेन्द्र का मैंन्टेनेंस किया जाना है। जिसके चलते विभिन्न क्षेत्रों की विद्युत आपूर्ति बन्द रहेगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार 33/11 केव्ही सबस्टेशन, फेफरताल सबस्टेशन अंतर्गत प्रभावित क्षेत्र विक्रम नगर, सरस्वती नगर, प्रताप नगर, ग्राम रसुलिया, संजय नगर, वर्मा कालोनी, न्यू हनुमान नगर, राघव नगर, अभिषेक नगर, गोपालकुंज, मारूती नगर, अशुतोष नगर, ग्लोबल ग्रीन, साई हेवन, साई ग्रीन सिटी, हिल व्यू होम, साई सिटी, डबल फाटक, हरदा वायपास, फेफरताल एवं अन्य संबंधित क्षेत्र में विद्युत लाईन बन्द रहेगी।

भारतीय वायुसेना में अग्निपथ योजना अंतर्गत शासकीय नर्मदा महाविद्यालय में विद्यार्थियों को अग्नि वीर की तैयारी हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम किया गया आयोजित

नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना के मार्गदर्शन में भारतीय वायुसेना में अग्निपथ योजना के अंतर्गत प्रधानमंत्री कॉलेज आफ एक्सीलेंस शासकीय नर्मदा महाविद्यालय नर्मदापुरम में प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वायु सैनिक चयन केंद्र भोपाल से सार्जेंट डीएस राणा,श्री आशुतोष महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ रामकुमार चौकसे के मार्गदर्शन में भारतीय वायुसेना में अग्निपथ योजना के अंतर्गत महाविद्यालय के विद्यार्थियों, एनसीसी के क्रेडिटस को पावरप्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से अग्नि वीर की भर्ती की प्रक्रिया अग्निपथ योजना किस प्रकार से देश में कार्य कर रही है, किस प्रकार से युवाओं को अग्नि वीर योजना के माध्यम से प्रशिक्षित कर देश के प्रति सम्मान और गौरव का भाव जागृत किया जा रहा है। देश के प्रति युवाओं का समर्पण का भाव जागृत हो। युवा पीढ़ी देश पर कर गुजरने की क्षमता उनके अंदर विकसित हो इसी भाव को लिए हुए विद्यार्थियों को अग्नि वीर की तैयारी के लिए प्रशिक्षित किया गया। द्वितीय क्रम में विद्यार्थियों से प्रश्न पूछ कर सही उत्तर देने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान किए गए। कार्यक्रम में जिला रोजगार कार्यालय से धर्मेश तिवारी, जिला उद्योग केंद्र नर्मदापुरम से प्रबंध जिला प्रबंधक कैलाश माल, महाविद्यालय की वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ अमिता जोशी, डॉ कृष्ण गोपाल मिश्र, डॉ सविता गुप्ता, शाहिद खान, प्रतीत गौर आदि प्राध्यापक ने कार्यक्रम में सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के एनसीसी के कैडेट सहित लगभग 117 विद्यार्थी उपस्थित रहे।

संभागीय टीम ने लिया वार्ड 32 में बन रही रोड निर्माण सामग्री का सैंपल

लेब में होगी मटेरियल और गुणवत्ता की जांच

नर्मदापुरम (निप्र)। बुधवार को नगरीय प्रशासन एवं आवास विभाग की संभागीय टीम द्वारा वार्ड 32 में बन रही सड़क का सैंपल लिया गया। कोर कटिंग के माध्यम से लिए गए सैंपल की जांच भोपाल में स्थित लैब में की जाएगी। नपा की उपयंत्री आयुषी रिछारिया ने बताया कि नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव के विशेष प्रयासों से वार्ड 32 में रेणुका रैकवार के घर से भोपाल रोड तक करीब 350 मीटर सड़क मुख्यमंत्री कायाकल्प 2.0 अभियान के तहत बनाई जा रही है। योजना के माध्यम से बन रही सड़क की गुणवत्ता जांचने बुधवार को भोपाल से नगरीय प्रशासन की संभागीय टीम आई थी। जिन्होंने सीसी रोड के विभिन्न स्थानों से कोर कटिंग विधि से सैंपल लिया। जिसकी जांच भोपाल में स्थित लैब में की जाएगी। नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव ने बताया कि नगरपालिका द्वारा नगर में चहुंओर विकास के कार्य द्रुतगति से किए जा रहे हैं। नपा सभी वार्डों में सबका साथ सबका विकास के आधार पर नपा का कार्य कर रही है। वार्ड 32 के नागरिकों की मांग पर सीसी रोड बनाई जा रही है। इस सड़क के बनने से वार्ड 32 से नागरिक सीधे भोपाल रोड से जुड़ जाएंगे। जिससे उन्हें लंबा चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा।

किसी भी तहसील या ब्लॉक या गांव का परिसीमन करने से पहले उसकी भौगोलिक स्थिति देखी जाएगी : मुकेश शुक्ला

प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन आयोग की प्रदेश की पहली बैठक नर्मदापुरम जिले में आयोजित हुई

नर्मदापुरम (निप्र)। कोई भी नई तहसील ब्लाक ग्राम पंचायत बनाते समय या उसकी सीमा जिले मैं शामिल करने से पहले उस स्थान की भौगोलिक स्थिति, जनसंख्या, स्ट्रक्चर मूलभूत सुविधाओं का होना भी आवश्यक होगा। प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन आयोग के कार्य करने की पद्धति का निर्धारण कार्य क्षेत्र लक्ष्य टर्म्स ऑफ रिफरेंस आदि की जानकारी देने के लिए गुरुवार को प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन आयोग की प्रदेश की पहली बैठक आयोग के अध्यक्ष मुकेश शुक्ला की अध्यक्षता में नर्मदापुरम जिले में आयोजित की गई। कलेक्टर सभाकक्ष में आयोजित बैठक में प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन आयोग के सचिव अक्षय सिंह, नर्मदा पुरम संभाग कमिश्नर के जी तिवारी, कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सोजान सिंह रावत, उपायुक्त राजस्व गणेश जायसवाल, अपर कलेक्टर डीके सिंह एवं समस्त अनुविभागीय राजस्व अधिकारी एवं तहसीलदार उपस्थित थे। अध्यक्ष मुकेश शुक्ला ने बैठक में सभी अनुविभागीय राजस्व अधिकारी एवं तहसीलदार को निर्देश दिए कि वह किसी भी प्रशासनिक इकाई के पुनर्गठन से पहले जनप्रतिनिधियों एवं जनता से फीडबैक लेकर आपस में समन्वय स्थापित करके राजस्व सीमाओं के पुनर्गठन का प्रस्ताव कलेक्टर को प्रेषित करें। कलेक्टर सभी प्रस्ताव पर विचार करके अपने सुझाव एवं निर्णय से आयोग को अवगत कराएंगे।श्री शुक्ला ने बताया कि जनपद एवं तहसील की सीमाओं का परिसीमन किया जाना है लेकिन यदि परिसीमन की आवश्यकता नहीं है तो परिसीमन नहीं भी किया जाएगा। परिसीमन को और अधिक जन्मोमुखी बनाया जाएगा ताकि इसके आधार पर जन अपेक्षा के आधार पर ज्यादा से ज्यादा जनता को सुविधा दिलाई जा सके। नवीन प्रशासनिक इकाई के लिए मार्गदर्शन सिद्धांत बनाए गए हैं। वर्तमान में ऐसे कई तहसील एवं ब्लॉक तथा ग्राम पंचायत है जो जिला मुख्यालय से दूर है लेकिन दूसरे अन्य जिले के समीप है ऐसे प्रशासनिक इकाइयों में चेंज करने एवं परिवर्तन करने की आवश्यकता है। गत माह मुख्यमंत्री जी की अध्यक्षता में तत संबंध में परिसीमन के संबंध में बैठक भी आयोजित की गई थी। प्रत्येक जिले के कलेक्टर को जनप्रतिनिधि एवं आम जनता सुझाव देगी कि कैसे सीमाओ का निर्धारण कहां पर किस मान किया जाना उचित रहेगा। कलेक्टर उसे अपडेट करेंगे। प्रश्नावली को पब्लिक डोमेन में लाकर उसके जवाब तैयार कर सुझाव दिये जाएगे जिसकी समीक्षा राज्य स्तर पर की जाएगी। श्री शुक्ल ने कहा कि यदि भौगोलिक गठन चाहते हैं तो बताना पड़ेगा कि कुछ तहसील एवं गांव तहसील या जिले से दूर है या अन्य किसी दूसरे जिले के करीब है। दूरी के मापदंड बनाए गए हैं। उन्होंने कहा कि नए परिसीमन में यह आवश्यक देखा जाएगा की जनसंख्या का संतुलन हो यदि हम कोई जिला बना रहे हैं तो वहां यदि जनसंख्या कम है एवं सुविधाएं नहीं है तो इसका कोई लाभ नहीं है, वहीं कई बार कुछ जगह पर जनसंख्या ज्यादा रहती है एवं औद्योगिक विकास भी है लेकिन हम उसे तहसील या जिला का दर्जा नहीं दे सके हैं या घोषित नहीं कर सके हैं तो नए प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन में यह सभी बातें शामिल की जाएगी।

प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल से मिले जिला मीडिया प्रभारी अमित महाला

प्रिंट और इलेक्ट्रानिक मीडिया में रहे अपडेट : अग्रवाल

नर्मदापुरम (निप्र)। संगठन के कार्य के साथ साथ स्थानीय प्रिंट और इलेक्ट्रानिक मीडिया में अपडेट रहना चाहिए। इससे देश दुनिया के साथ ही प्रदेश की के घटनाक्रमों की जानकारी उपलब्ध रहती है। यह गुर आज प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल ने स्थानीय मीडिया प्रभारी अमित महाला और भाजपा कार्यकर्ताओं को सिखाए।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में जिला मीडिया प्रभारी अमित माहला ने प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल से भेंट कर मकर संक्रांति की शुभकामनाएं दीं। अमित माहला ने बताया प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल ने मीडिया के क्षेत्र में अपनी उत्कृष्ट कार्यशैली और नेतृत्व क्षमता के माध्यम से एक नई पहचान बनाई है। उनके प्रभावी संवाद कौशल और रणनीतिक सोच ने भाजपा की विचारधारा और नीतियों को जन.जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस दौरान सोशल मीडिया जिला प्रभारी गजेंद्र सिंह चौहानए राहुल सिंह ठाकुरए को युवा मोर्चा मंडल महामंत्री दुर्गेश मिश्रा उपस्थित रहे।

शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सुगमता से लेने हेतु किसान भाई अपनी फार्मर रजिस्ट्री जनरेट अवश्य कराएं

नर्मदापुरम (निप्र)। संयुक्त कलेक्टर नर्मदापुरम अनिल जैन ने बताया कि जिले में राजस्व महाअभियान 3.0 चलाया जा रहा है, अभियान के माध्यम से आम जन की विभिन्न प्रकार की समस्याओं, किसानों के लंबित प्रकरणों का त्वरित निराकरण किया जा रहा है। कृषि क्षेत्र के सर्वांगीण विकास द्वारा ही देश की अर्थव्यवस्था का समग्र विकास संभव है। कृषि क्षेत्र के विकास हेतु केन्द्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा अनेक महत्त्वपूर्ण योजनाये क्रियान्वित की जा रही है। शासन की मंशा है कि कृषि क्षेत्र के विकास हेतु चलाई जा रही विभिन्न महत्वपूर्ण योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक समय से पहुँच सके ताकि संसाधनों का समुचित उपयोग हो जिससे कृषि क्षेत्र का पूर्ण विकास संभव हो सकेगा।संयुक्त कलेक्टर नर्मदापुरम श्री जैन ने बताया कि किसानों के लिए सुलभ ऋण, उच्च गुणवत्ता वाले कृषि इनपुट, स्थानीय एवं विशिष्ट लक्षित सलाह और बाजारों तक सुविधाजनक पहुँच प्राप्त करना, कृषि केन्द्रित लाभदायी योजनाओं का क्रियान्वयन आसानी से किया जा सकेगा। इस हेतु प्रत्येक किसान को अपनी फार्मर रजिस्ट्री जनरेट करवानी है। इससे राज्य स्तर की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सुगमता एवं पारदर्शी तरीके से हो सकेगा।

ग्राम पंचायत बुधवाड़ा में आनंद उत्सव के कार्यक्रम संपन्न

नर्मदापुरम (निप्र)। जनपद पंचायत नर्मदापुरम के तत्वाधान में शासकीय माध्यमिक शाला बुधवाड़ा में आनंद उत्सव बहुत ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जिसमें विभिन्न प्रकार की खेलकूद प्रतियोगिताएं व सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम में ग्राम वासियों ने व बच्चों ने बहुत उत्साह से भाग लिया। जनप्रतिनिधि चंदन साहू, सरपंच दुलारे प्रसाद यादव ,सचिव राजेंद्र तिवारी संयुक्त संचालक लोक शिक्षण संभाग नर्मदापुरम श्रीमती भावना दुबे व समस्त शाला स्टाफ उपस्थित रहा। कार्यक्रम के अंत में ग्राम वासियों व बच्चों को पुरस्कार वितरित कर प्रोत्साहित किया गया।

भारतीय किसान संघ नें चक्काजाम स्थगित करके सौंपा ज्ञापन

नर्मदापुरम (निप्र)। विगत 10 जनवरी को कृषि विभाग के सहायक संचालक चेतन मातीखाय ग्राम शिवपुर तहसील माखन नगर गेहूं के बीज नहीं उगने की शिकायत का निरीक्षण करने हेतु ग्राम पहुंचे थे तो वहां पर उपस्थित भारतीय किसान संघ के तहसील मंत्री गोपाल मीणा के साथ अभद्र भाषा का प्रयोग किया गया जिसकी शिकायत संगठन द्वारा उस दिनांक को जिलाधीश एवं कृषि उपसंचालक नर्मदापुरम को की गई थी इसी परिपेक्ष्य में श्री मातीखा द्वारा संगठन के सभी कार्यकर्ताओं एवं गोपाल मीणा से प्रत्यक्ष माफी मांगते हुए कहा कि मेरे द्वारा भारतीय किसान संघ के किसी भी कार्यकर्ता के सम्मान को यदि मेरी शब्दों से ठेस पहुंची है तो मैं इसके लिए माफी चाहता हूं भविष्य में मेरे द्वारा इस प्रकार की पुनरावृत्ति नहीं होगी इसलिए आज दिनांक को विरोध स्वरूप माखन नगर में चक्का जाम एवं धरना प्रदर्शन का कार्यक्रम रखा गया था वह स्थगित किया गया।चक्काजाम कार्यक्रम स्थगित करनें के बाद भारतीय किसान संघ माखननगर द्वारा प्रदेशव्यापी ज्ञापन के कार्यक्रम के तारतम्य में नायब तहसीलदार को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया । तहसील अध्यक्ष राजेश दीवान नें बताया कि तहसील स्तर की समस्याओं को **लेकर ज्ञापन सौंपा जो इस प्रकार है.**

1. विगत दिनों असमय बारिश से तहसील क्षेत्र में गेंहूं एवं चना की फसल को नुकसान हुआ है । शीघ्र सर्वे कराकर मुआवजा का लाभ एवं बीमा प्रदान किया जावै । 2. फौती नामांतरण तय समय में किया जावे । 3. संपूर्ण तहसील क्षेत्र के ग्रामीण सड़कों का सुधार किया जावे । 4. नहरों से निकलनें वाली अधिकृत वाटर कोषों पर से अतिक्रमण हटाकर पुनरू किसानों के खेत तक बनायी जावे 5. अमानक खाद बीज विक्रेताओं का लाइसेंस निरस्त कर कार्यवाही की जावे। 6 किसानों के जमीन में शामिल शरीख खातों में परिमार्जन नहीं होनें के कारण ई रजिस्ट्री होने में दिक्कत हो रही है ग्राम पंचायत स्तर पर शिविर लगाएं जावे । 7. ग्रामीण क्षेत्रों के रास्ते गुजरनें वाली बिजली लाइन को अतिरिक्त खंभे बढ़ाकर ऊंचा किया जावे । 8. नर्मदापुरम पिपरिया मार्ग में आंचलखेड़ा के पास पानी भरे होने से राहगीरों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है । संबंधित को सूचित कर सुधार कार्य करवाया जावे। 9. दाईंतट नहर बीबीसी माइनर पर कांकरिया नाले पर बना पुल क्षतिग्रस्त हो गया है मरम्मत किया जावे ।

मुख्यमंत्री जन कल्याण अभियान के तहत राजस्व महा अभियान 3.0 का संचालन

ग्रामों में सीमांकन कार्य, शासकीय रास्ते का चिन्हांकन और अतिक्रमण के विरुद्ध कार्रवाई की गई

नर्मदापुरम (निप्र)। मुख्यमंत्री जन कल्याण अभियान के तहत राजस्व महा अभियान 3.0 का सफलतापूर्वक संचालन जारी है। इस अभियान का उद्देश्य लोगों की समस्याओं का शीघ्र निराकरण करना है। साथ ही जनसुनवाई, सीएम हेल्पलाइन के माध्यम से प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता से समाधान भी किया जा रहा है।इसी क्रम में, ग्राम निबोरा में सीएम हेल्पलाइन से प्राप्त शिकायत का निराकरण किया गया। साथ ही, नर्मदापुरम नगरीय क्षेत्र के रसूलिया में अतिक्रमण के खिलाफ कार्यवाही की गई। राजस्व महा अभियान 3.0 के दौरान प्राप्त आवेदन पर कार्यवाही करते हुए, ग्राम नांदना में सीमांकन कार्य संपन्न किया गया। वहीं, ग्राम डूमर में शासकीय रास्ते का सीमांकन और बनियाखेड़ी में शासकीय रास्ते का सीमांकन भी किया गया। इसके अतिरिक्त, ग्राम नांदना में शमशान घाट निर्माण हेतु शासकीय भूमि का चिन्हांकन भी किया गया।

पश्चिम मध्य रेल

विद्युत विभाग (कर्षण–वितरण शाखा) जबलपुर – ई–निविदा सूचना

वरि. मंडल विद्युत इंजीनियर/कर्षण – वितरण/पश्चिम मध्य रेल, भारत संघ के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य करने के लिए अनुभवी ठेकेदारों से मुहरबंद निविदायें आमंत्रित करते है। ठेकेदारों के पास राज्य सरकार द्वारा जारी विद्युतीय लायसेन्स (फर्म के नाम से या फर्म के किसी पार्टनर के नाम से या स्वंय के नाम में यदि सोल प्रोपराइटर हों, आई.ई.नियम 1956 के अनुसार होना चाहिए।) **मापदंड– (1) एन.आई.टी. नं. जबल–टीआरडी–निविदा–2024–12RRR दिनांक 10.01.2025, कार्य का नाम–** 2 वर्ष की अवधि के लिए जबलपुर मंडल के इटारसी (छोड़कर) कटनी (छोडकर) खंड के ऑटो टेंशनिंग डिवाइस(एटीडी) की वार्षिक ओवरहालिंग।, **कार्य स्थल–** जबलपुर मंडल, **कार्य की अवधि–** 24 माह, **कार्य की कीमत (टेंडर वेल्यू)–** रूपये 94,87,426.00/–, (रूपये चौरानवे लाख सतासी हजार चार सौ छबीस मात्र), **बयाना राशि–** रूपये 1,89,800.00/–, **मापदंड– (2) एन.आई.टी. नं. जबल–टीआरडी–निविदा–2024–13RRR दिनांक 10.01.2025, कार्य का नाम–** 2 वर्ष की अवधि के लिए डिवीजन के कटनी (छोड़कर) सिंगरौली (छोडकर) खंड के ऑटो टेंशनिंग डिवाइस(एटीडी) की वार्षिक ओवरहालिंग।, **कार्य स्थल–** जबलपुर मंडल, **कार्य की अवधि–** 24 माह, **कार्य की कीमत (टेंडर वेल्यू)–** रूपये 65,57,132.40/–, (रूपये पैंसठ लाख सतावन हजार एक सौ बत्तीस और चालीस पैसे मात्र), **बयाना राशि–** रूपये 1,31,200.00/–, **उपरोक्त सभी निविदाओं में निविदा जमा करने/खुलने की अंतिम तिथि एवं समय–** 10.02.2025 15:00 बजे/10.02.2025 15:30 बजे, **निविदा सूचना की पूर्ण जानकारी रेलवे वेबसाईट** https://www.ireps.gov.in निविदाकर्ता अपनी निविदाएं आई आरईपीएस की माध्यम से https://www.ireps.gov.in पर ऑन लाईन निविदा करें। निविदाकरों से अनुरोध है कि वे समय समय पर बदलाव व शुद्धि पत्रों हेतु IREPS की वेबसाईट https://www.ireps.gov.in देखते रहें न्यूनतम पात्रता मानदंड टेंडर फार्म के अनुसार और ज्वाइंट वेंचर व साझेदारी इस निविदा के लिए लागू होगा। वरि. मं. वि.इंजी./क.वि./पमरे, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा "शिवरानी भवन", क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com